E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

सुबह 6:50 बजे
शाम 5:28 बजे

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष :11, अंक : 259 प्रयागराज,मंगलवार 20 जनवरी 2026 पृष्ठ : 8, मूल्य : 2:00 रुपये

खेलः'किंग' कोहली का 'सफलता मंत्र' क्या है?सुनील... | विविधःसादा पहनावा को बनाना है पार्टी के... | सिनेमाःकंगना रनौत के हाथ लगा बड़ा प्रोजेक्ट...

पीएम मोदी का मिशन दक्षिण! तमिलनाडु में 23 जनवरी को मेगा रैली,क्या एनडीए का कुनबा बढ़ेगा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में सिर्फ चार महीने बचे हैं, ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 जनवरी को चेन्नई से लगभग 100 किलोमीटर दूर मदुरंथकम में एक विशाल रैली के साथ राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के लिए चुनावी बिगुल बजाने वाले हैं। जानकारी के अनुसार, इस भव्य जनसभा ने राज्य भाजपा नेतृत्व को पूरी तैयारियों में जुट जाने को मजबूर कर दिया है। ऐसी चर्चाएं तेज हैं कि यह रैली एनडीए में शामिल होने वाले नए सहयोगियों की औपचारिक घोषणा का मंच बन सकती है।

तमिलनाडु में एनडीए का नेतृत्व कर रही एआईएडीएमके ने पहले ही संकेत दे दिया है कि अभिनेता विजयकांत की डीएमडीके के साथ बातचीत अंतिम चरण में है। हालांकि, भाजपा ओ पन्नीरसेल्वम और एएमएमके नेता टीटीवी दिनाकरन को गठबंधन में शामिल करने के लिए उत्सुक है। लेकिन सूत्रों का कहना है कि

एआईएडीएमके महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने व्यक्तिगत मतभेदों के कारण ओपीएस को शामिल करने पर सहमति नहीं दी है। दिनाकरन का एनडीए में शामिल होना संभव है और इसकी घोषणा 23 जनवरी को प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में की जा सकती है।

एआईएडीएमके ने पीएमके के एक गुट के साथ गठबंधन कर लिया है। पार्टी के संस्थापक डॉ. रामदास द्वारा अपने बेटे अंबुमणि रामदास को निष्कासित करने के बाद पार्टी में फूट पड़ गई है। पिता ने अभी तक गठबंधन को लेकर अपना अंतिम रुख स्पष्ट नहीं किया है, जबकि अंबुमणि पहले ही एआईएडीएमके के साथ जुड़कर एनडीए का समर्थन कर चुके हैं। राज्य में सत्तारूढ़ डीएमके-कांग्रेस गठबंधन को चुनौती देने के लिए एआईएडीएमके और भाजपा दोनों ही एक मजबूत एनडीए गठबंधन बनाने के लिए आक्रामक प्रयास कर रही हैं। अभिनेता विजय की पार्टी (टीवीके) का उदय भी आगामी चुनाव में एक महत्वपूर्ण कारक माना जा रहा है। रजनीकांत और कमल हासन के विपरीत, विजय की लोकप्रियता चरम पर है, जो उनके राजनीतिक प्रवेश को भी प्रभावशाली बनाती है।

टीवीके ने डीएमके और बीजेपी दोनों से खुलकर दूरी बनाए रखी है। हालांकि, एआईएडीएमके के अंदरूनी सूत्रों का दावा है कि उसके कुछ नेता विजय की टीम के साथ पर्दे के पीछे बातचीत कर रहे हैं। इससे इस बात को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं कि अगर टीवीके और एआईएडीएमके के बीच कोई समझौता हो जाता है तो बीजेपी का क्या रुख होगा। विजय के हालिया विवाद, जिनमें उनकी फिल्म जननायगन के सेंसर सर्टिफिकेट में देरी और करूर मामले में सीबीआई द्वारा उनसे पूछताछ शामिल है, को तमिलनाडु में बीजेपी द्वारा राजनीतिक निशाना बनाए जाने के रूप में पेश किया जा रहा है।

बंगाल में एसआईआर में 'तार्किक विसंगतियों' की सूची में शामिल लोगों के नाम प्रदर्शित किए जाएंःन्यायालय

कोलकाता (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को निर्वाचन आयोग (ईसी) को पश्चिम बंगाल के ग्राम पंचायत भवनों, तालुका प्रखंड कार्यालयों और वार्ड कार्यालयों में 'तार्किक विसंगतियों' की सूची में शामिल लोगों के नाम प्रदर्शित करने का निर्देश दिया। अदालत ने गौर किया कि राज्य में 1.25 करोड़ मतदाता 'तार्किक विसंगतियों' की सूची में शामिल हैं। राज्य में 2002 की मतदाता सूची से संतानों के संबंध में तार्किक विसंगतियों में माता-पिता के नाम का बेमेल होना

और मतदाता और उनके माता-पिता के बीच आयु का अंतर 15 वर्ष से कम या 50 वर्ष से अधिक होना शामिल है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से प्रभावित होने की संभावना वाले लोगों को अपने दस्तावेज या आपत्तियां प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाए। उच्चतम न्यायालय ने निर्देश दिया कि दस्तावेज और आपत्तियां प्रस्तुत करने के लिए कार्यालय पंचायत भवनों या ब्लॉक कार्यालयों के भीतर स्थापित किए जाएंगे। पीठ ने कहा, 'राज्य सरकार पंचायत भवनों और प्रखंड कार्यालयों में तैनाती के लिए राज्य निर्वाचन आयोग को पर्याप्त श्रमशक्ति उपलब्ध कराएगी।' न्यायालय ने कहा, 'इस संबंध में, हम निर्देश देते हैं कि सुचारू कामकाज के लिए प्रत्येक जिला, ईसीआई या राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों के लिए जारी किए गए निर्देशों का सावधानीपूर्वक पालन करे।' उच्चतम न्यायालय ने निर्देश दिया कि पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) यह सुनिश्चित करने के लिए बाध्य होंगे कि कानून-व्यवस्था की कोई समस्या न हो और सभी गतिविधियां सुचारू रूप से पूरी हों। सर्वोच्च न्यायालय पश्चिम बंगाल में चल रही एसआईआर प्रक्रिया में मनमानेपन और प्रक्रियात्मक अनियमितताओं के आरोपों से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था।

संक्षिप्त समाचार

दुर्घटना पीड़ित के परिवार को 55.19 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली के एक मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने 2018 में सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले 24 वर्षीय आईटी पेशेवर के माता-पिता को मुआवजे के रूप में 55.19 लाख रुपये देने का आदेश दिया है। पीठासीन अधिकारी विजय कुमार झा आईटी पेशेवर अविनाश दुबे के परिवार की ओर से दायर दावा याचिका पर सुनवाई कर रहे थे, जिनकी मोटरसाइकिल 21 अक्टूबर 2018 को हरियाणा के सोनीपत के पास एक ट्रक से टकरा गई थी। इस हादसे में अविनाश की मौके पर ही मौत हो गई थी। साक्ष्यों के मुताबिक, मोटरसाइकिल के आगे चल रहे ट्रक के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया, जिसके चलते दुर्घटना हुई। न्यायाधिकरण ने नौ जनवरी के अपने आदेश में कहा कि ट्रक ने बिना उचित संकेत दिए अचानक गति धीमी कर दी, जिसके कारण मोटरसाइकिल उससे टकरा गई। उसने कहा कि अविनाश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे मनीष कुमार खेमका गंभीर रूप से घायल हो गए।

बालासोर में कपास प्रसंस्करण फैक्टरी में आग लगी

नई दिल्ली। ओडिशा के बालासोर जिले में एक कपास प्रसंस्करण फैक्टरी में आग लग गई, जिससे वह पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई। अधिकारी ने बताया कि दोपहर में लगी आग की वजह से हल्दीपाड़ा इलाके की फैक्टरी में लाखों रुपये का कपास और मशीन जलकर खाक हो गई। हालांकि, अधिकारी ने बताया कि किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। आग बुझाने के लिए बास्ता और रूपसा इलाके से अग्निशमन दल को बुलाया गया। अधिकारी ने बताया कि आग लगने की वजह का अभी पता नहीं चला है।

महाराजगंज में जंगल के पास तेंदुए ने महिला को मार डाला

नई दिल्ली। सोहगीरवा वन्यजीव अभयारण्य के निचलाउल रेंज में एक तेंदुए ने शनिवार को 21 साल की महिला को मार डाला। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित महिला की पहचान सैरुन निशा के रूप में हुई है, जो निचलाउल थाना क्षेत्र के बधिया गांव की रहने वाली थी। वह अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे गांव के बाहर बंकासिया टोला के पास बकरियां चराने गई थी। अधिकारियों ने बताया कि जब वह गन्ने के खेत के पास पहुंची, तो घात लगाकर बैठे एक तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया, जिससे उसकी गर्दन और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। उसकी चीख सुनकर गांव वाले मौके पर पहुंचे और शोर मचाया, जिसके बाद तेंदुआ जंगल में भाग गया।अधिकारियों ने बताया कि निशा को तुरंत निचलाउल के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने शुरुआती जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सोहगीरवा वन्यजीव अभयारण्य के वन अधिकारी निरंजन सर्वे ने पुष्टि की कि महिला की मौत तेंदुए के हमले से हुई है।

हाईकोर्ट से झटका मिलने के बाद लोकपाल की नई अर्जी,महुआ मोइत्रा पर सीबीआई जांच के लिए मांगा वक्त

नई दिल्ली। भारत के लोकपाल ने सोमवार को तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा से जुड़े पूछताछ के बदले नकद राशि के आरोपों पर दिल्ली उच्च न्यायालय से पुनर्विचार आदेश पारित करने के लिए दो महीने का समय बढ़ाने का अनुरोध किया।

यह अनुरोध न्यायमूर्ति विवेक चौधरी और न्यायमूर्ति रेणु भटनागर की खंडपीठ के समक्ष किया गया। लोकपाल की ओर से उपस्थित वकील ने बताया कि उच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित एक महीने की समय सीमा का पालन करना प्राधिकरण के लिए संभव नहीं था, क्योंकि शीतकालीन अवकाश के दौरान सुनवाई नहीं हो सकी। उन्होंने तर्क दिया कि लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन में मामले पर पुनर्विचार करने के लिए अतिरिक्त समय आवश्यक है। इस अनुरोध पर विचार करने के बाद, पीठ ने निर्देश दिया कि मामले को उसी खंडपीठ के समक्ष रखा जाए जिसने 19 दिसंबर, 2025 को लोकपाल के उस पूर्व आदेश को रद्द कर दिया था जिसमें केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को मोइत्रा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करने की अनुमति दी गई थी। अब इस मामले

की सुनवाई 23 जनवरी, 2026 को होगी। दिसंबर में दिए गए अपने फैसले में, उच्च न्यायालय ने लोकपाल को इस मुद्दे पर नए सिरे से विचार करने और एक महीने के भीतर तर्कसंगत निर्णय लेने का निर्देश दिया था। मोइत्रा की याचिका को स्वीकार करते हुए, न्यायालय ने लोकपाल के 12 नवंबर के स्वीकृति आदेश को रद्द कर दिया था, यह मानते हुए कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में त्रुटियां हुई थीं। उच्च न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि लोकपाल को स्वतंत्र रूप से यह मूल्यांकन करना आवश्यक था कि रिकॉर्ड में मौजूद सामग्री अभियोजन, समापन रिपोर्ट या कानून के तहत अनुमत किसी अन्य कार्रवाई के लिए उपयुक्त है या नहीं। मोइत्रा ने तर्क दिया था कि लिखित उत्तर प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किए जाने और मौखिक सुनवाई का अवसर दिए जाने के बावजूद, उनके तर्कों की ठीक से जांच नहीं की गई। उन्होंने यह भी तर्क दिया था कि लोकपाल ने अभियोजन के लिए स्वीकृति से संबंधित धारा 20(7) के बजाय लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम की धारा 20(8) का गलत तरीके से प्रयोग किया था। इससे पहले मोइत्रा की याचिका का विरोध करते हुए, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू द्वारा प्रतिनिधित्व की गई सीबीआई ने यह तर्क दिया था कि मोइत्रा को मौखिक सुनवाई का कोई वैधानिक अधिकार नहीं है और लोकपाल ने कानून के अनुसार ही कार्य किया है, यहां तक कि उन्हें कानून द्वारा निर्धारित अवसरों से भी अधिक अवसर प्रदान किए हैं।

बक्सर में नाबालिग का यौन उत्पीड़न, तीन आरोपी हिरासत में

पटना। बिहार के बक्सर जिले में कथित तौर पर एक नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। बक्सर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) शुभम आर्य ने बताया, "मामले की जांच की जा रही है। पीड़िता का चिकित्सा परीक्षण भी कराया जा रहा है।" एसपी ने इस मामले पर विस्तृत टिप्पणी करने से इनकार किया। पुलिस के मुताबिक यह घटना शनिवार की सुबह उस समय घटी जब पीड़िता अपने भाई के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर ट्यूशन पढ़ने जा रही थी। सोनबरसा पुलिस थाना के एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया, "तीन लोगों ने भाई-बहन को डांगौली पुल के पास रोका और लड़की को जबरन एक सुनसान स्थान पर ले गए तथा यौन उत्पीड़न करने के बाद फरार हो गए।

मुंबई मेयर चुनाव से पहले रिजॉर्ट पॉलिटिक्स एकनाथ शिंदे के दांव से बीजेपी की बढ़ी टेंशन?

मुम्बई (एजेंसी)। मुंबई महापौर पद को लेकर राजनीतिक खींचतान तेज हो गई है। शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने कथित तौर पर ढाई साल के कार्यकाल के लिए सहभागिता का प्रस्ताव रखा है। हालांकि, मुंबई भाजपा अध्यक्ष ने ऐसी किसी भी चर्चा से इनकार करते हुए कहा है कि कार्यकाल साझा करने की कोई व्यवस्था अभी तक तय नहीं हुई है। भाजपा ने दोहराया है कि देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे के बीच समन्वय मजबूत बना हुआ है और महापौर महायुति गठबंधन से ही चुने जाएंगे।

मुताबिक, पार्टी बालासाहेब ठाकरे की जन्म शताब्दी के अवसर पर महापौर पद का चुनाव कराने की इच्छुक है। भाजपा 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, वहीं शिंदे गुट 29 सीटों के साथ खुद को सत्ता के लिए निर्णायक भूमिका में स्थापित कर रहा है। इस संवाद में उद्धव ठाकरे द्वारा सत्ता संघर्ष पर कटाक्ष करते हुए 'होटल राजनीति' और पार्षदों की संभावित खरीद-फरोख्त को लेकर चिंताएं उजागर की गई हैं। महापौर पद के फार्मूले पर अंतिम निर्णय भाजपा के उच्च कमान के पास है, क्योंकि महाराष्ट्र में गठबंधन सहयोगियों के बीच चर्चा जारी है। मुंबई नगर निकाय

चुनाव में महायुति गठबंधन को सामान्य बहुमत मिलने के बाद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना द्वारा नवनिर्वाचित सदस्यों को होटल में स्थानांतरित किए जाने के बीच शिवसेना (उबाठा) के सांसद संजय राउत ने पर्दे के पीछे की घटनाओं की ओर इशारा किया है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के बाद मुंबई में महापौर पद को लेकर सरगर्मी बढ़ गई है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने अपने 29 पार्षदों को शहर के एक लग्जरी होटल में स्थानांतरित कर दिया है। यह कदम बीएमसी चुनावों के परिणामों की घोषणा के बाद उठाया गया। शिवसेना का कदम यह प्रदर्शित करने वाला प्रतीत होता है कि शिंदे की पार्टी द्वारा जीती गईं सीट भाजपा के लिए महत्वपूर्ण हैं। बीएमसी चुनाव में भाजपा 89 पार्षदों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है।

शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा था कि अगर "देव" चाहें तो उनकी पार्टी का मेयर बन सकता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि शिंदे की पार्टी अपनी सहयोगी भाजपा द्वारा खरीद-फरोख्त किए जाने की आशंका से डरी हुई है। ठाकरे के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मजाक में पूछा कि क्या 'देव' से उनके पूर्व सहयोगी का तात्पर्य "मुझसे" है या "ऊपर वाले भगवान" से। फडणवीस ने कहा, "मुझे भी 'देव' भी कहा जाता है, इसलिए मैं पूछ रहा हूं।" उन्होंने कहा, "ऊपर वाले भगवान ने तय किया है कि महायुति का महापौर होगा।"

बिहार के न्यायिक मजिस्ट्रेट की पत्नी को गोली मारी गई

नई दिल्ली। झारखंड के गोड्डा जिले में शनिवार शाम को अज्ञात बदमाशों ने बिहार के सासाराम के एक न्यायिक मजिस्ट्रेट की 25 वर्षीय पत्नी को गोली मार दी। पुलिस ने यह जानकारी दी।पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, वंदना कुमारी का अपने पति के साथ लंबे समय से जारी तलाक के मामले के सिलसिले में गोड्डा अदालत में हाजिरी लगाने पहुंची थीं। अदालती कार्यवाही के बाद वह अपने भाई के साथ मोटरसाइकिल से अपने पैतृक स्थान परसा जा रही थीं।अधिकारी ने बताया कि इसी दौरान पथरगामा थाना क्षेत्र में सड़क पर मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने उन्हें रोका और उन पर गोली चलाई। पथरगामा के थाना प्रभारी अधिकारी शिव दयाल ने बताया कि उनका पीछा कर रहे मोटरसाइकिल पर सवार बदमाशों ने उन्हें सड़क के एक सुनसान स्थान पर घेर लिया और तीन राउंड गोलियां चलाईं।शिव दयाल ने बताया, "दो गोलियां पीड़िता को छूकर निकल गईं, जबकि एक गोली उनकी पीठ में जा लगी। उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए पथरगामा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए उसे गोड्डा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। बाद में उनकी हालत देखकर उन्हें बेहतर इलाज के लिए भागलपुर (बिहार) के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया।"गोड्डा के पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार ने कहा कि इस मामले पर टिप्पणी करना अभी जल्दबाजी होगी और पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। एसपी ने कहा, "हम हर पहलू की जांच कर रहे हैं और अपराधियों की तलाश कर रहे हैं। इस समय कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।हालांकि, पीड़िता के परिजनों का आरोप है कि उसके पति ने उस पर गोली चलाने के लिए अपराधियों को सुपारी दी थी। तलाक का विवाद पिछले कुछ वर्षों से जारी था।" एसपी ने यह भी बताया कि महिला की हालत स्थिर है।

सांबा जिले में अग्रिम क्षेत्र के ऊपर संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन मंडराता हुआ दिखा

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) से सटे एक अग्रिम क्षेत्र के ऊपर एक संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन को कुछ देर तक देखा गया। उन्होंने बताया कि ड्रोन जैसी दिखने वाली वस्तु शाम करीब सात बजे पाकिस्तान की दिशा से आई और रामगढ़ क्षेत्र के कंद्राल गांव के ऊपर कुछ मिनटों तक मंडराती रही। अधिकारियों के अनुसार, ड्रोन की गतिविधि देखे जाने के बाद, सुरक्षा बलों ने यह सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया कि कहीं नशीले पदार्थों या हथियारों जैसे अवैध सामान की हवाई तस्करी तो नहीं की जा रही है। इससे पहले नौ जनवरी को सुरक्षा बलों ने सांबा के घगवाल के पलोरा गांव में पाकिस्तान से आए एक ड्रोन द्वारा गिराए गए हथियारों की खेप बरामद की।

तिरंगे की आन पर किश्तवाड़ में कुर्बान हुआ एक और लाल

पैराट्रूपर गजेंद्र सिंह की शहादत से गमगीन हुआ देश

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में आतंकवादियों के साथ लोहा लेते हुए भारतीय सेना के स्पेशल फोर्सेज का एक पैराट्रूपर शहीद हो गया है। सोमवार को अधिकारियों ने पुष्टि की कि चतरू बेल्ट के घने जंगलों में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों के साथ हुई भीषण मुठभेड़ में हवलदार गजेंद्र सिंह ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। इलाके में अभी भी 2-3 आतंकवादियों के छिपे होने की आशंका है, जिसके लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ में एक मुठभेड़ में भारतीय सेना के स्पेशल फोर्सेज के एक पैराट्रूपर की मौत हो गई, और इलाके में सर्च ऑपरेशन दूसरे दिन भी जारी है। जवान की पहचान हवलदार गजेंद्र सिंह के रूप में हुई है। यह मुठभेड़ रविवार को चतरू बेल्ट में मंडराल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव में हुई, जब इलाके में पाकिस्तान स्थित जैश-

ए-मोहम्मद (जश) के कुछ आतंकवादियों के बारे में खास जानकारी मिली थी। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों द्वारा अचानक ग्रेनेड फेंकने से आठ जवान घायल हो गए, और कहा कि मुश्किल इलाका होने के कारण ऑपरेशन मुश्किल हो गया है।

जम्मू क्षेत्र में इस साल की यह तीसरी बड़ी मुठभेड़ है। इससे पहले 7 और 13 जनवरी को कठुआ के बिलावर में मुठभेड़ हुई थी। 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस) के मद्देनजर खुफिया रिपोर्टों ने पहले ही चेतावनी दी थी कि पाकिस्तान सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश कर सकता है। इसी कारण पूरी नियंत्रण रेखा और अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा बल अत्यधिक सतर्क हैं। भारतीय सेना के व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने एक (पहले ट्विटर) पोस्ट में कहा, व्हाइट नाइट कॉर्प्स और सभी रैंक स्पेशल फोर्सेज के हवलदार गजेंद्र सिंह को श्रद्धांजलि देते हैं, जिन्होंने 18-19 जनवरी 2026 की दरमियानी रात को चल रहे ऑपरेशन के दौरान सिंगपुरा इलाके में आतंकवाद विरोधी अभियान को बहादुरी से अंजाम देते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया।' इसमें आगे कहा गया, 'हम उनके अदम्य साहस, वीरता और कर्तव्य के प्रति निस्वार्थ समर्पण का सम्मान करते हैं और दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं।'सुरक्षा बलों ने अब इलाके में अतिरिक्त बल तैनात किए हैं, जिसमें जम्मू और कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की टीमें शामिल हैं। व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने एक और पोस्ट में कहा कि पूरे इलाके को भी घेर लिया गया है, और कहा कि सैनिक इलाके पर दबदबा बनाए रखने के लिए तैनात हैं। अधिकारी किश्तवाड़ में फंसे लगभग दो से तीन आतंकवादियों को ढूंढने के लिए ड्रोन और स्निफर कुत्तों का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। यह इस साल जम्मू क्षेत्र में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच तीसरी मुठभेड़ है। पिछली मुठभेड़ें क्रमशः 7 और 13 जनवरी को कठुआ जिले के बिलावर इलाके में हुई थीं। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि गणतंत्र दिवस के मद्देनजर क्षेत्र में सुरक्षा बल अलर्ट पर हैं, क्योंकि खुफिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा के माध्यम से क्षेत्र में और आतंकवादियों को घुसपैठ कराने की कोशिश कर रहा है।

'झूठ आपको शोभा नहीं देता',वीबी-जी रैम जी बिल पर शिवराज चौहान का राहुल-खड़गे को जवाब

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विकसित भारत - रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) अधिनियम पर विपक्ष की आलोचना का जवाब देते हुए कांग्रेस नेताओं पर गलत सूचना फैलाने और कानून को लेकर अनावश्यक भ्रम पैदा करने का आरोप लगाया और कहा कि यह सत्य नहीं है। सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए चौहान ने वीबी-जी राम जी अधिनियम के उद्देश्य का बचाव करते हुए कहा कि यह योजना जमीनी स्तर पर किसानों और मजदूरों के बीच समन्वित प्रयासों को बढ़ावा देती है। चौहान ने कहा कि अगर हमारे मजदूर भाई-बहन और किसान मिलकर काम करते हैं, तो इसमें क्या गलत है? मैं राहुल जी और खरगे जी से एक बार फिर आग्रह करना चाहता हूं कि इस तरह का झूठ आपको शोभा नहीं देता। उन्होंने विपक्ष से आग्रह किया कि वे 'झूठ का अड्डा' और तथ्यों का गलत प्रस्तुतीकरण बंद करें। कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खर्गे के बयानों और ऑनलाइन पोस्ट का हवाला देते हुए चौहान ने पूछा कि गलत सूचना फैलाने के लिए एआई-जनरेटेड तस्वीरें पोस्ट की जा रही हैं। क्या लोकतंत्र में यह जायज है? आप एआई-जनरेटेड तस्वीरें क्यों पोस्ट कर रहे हैं? क्या आपको जनता का समर्थन नहीं मिल रहा है?' उन्होंने विपक्ष से आगे कहा, 'मैं एक बार फिर आग्रह करता हूं कि वे झूठ का यह अड्डा बंद कर दें।

उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी बचाओ एमएनआरईजीए अभियान का जिक्र करते हुए कहा, 'यह गांधी जी का सत्य नहीं है; यह सत्य का मजाक है। मैंने आंदोलनों और अभियानों के बारे में सुना है, लेकिन 'संग्राम', यह किस तरह की शब्दावली है? चौहान ने इस बात पर भी जोर दिया कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिलाएं, दिव्यांगजन और गरीब सरकार की रोजगार प्रतिबद्धता के केंद्र में हैं।

जन कल्याण चैरिटेबल सेवा ट्रस्ट करछना नैनी प्रयागराज सार्वजनिक भंडारा

प्रयागराज।जन कल्याण चैरिटेबल सेवा ट्रस्ट करछना नैनी प्रयागराज सार्वजनिक भंडारा किया गया। सार्वजनिक भंडारा एक धार्मिक और सामाजिक आयोजन है जिसमें सभी वर्गों के लोगों, विशेषकर जरूरतमंदों और साधु-संतों को मुफ्त में भोजन कराया जाता है, जो सेवा, समानता और भाईचारे का प्रतीक है, और यह मंदिरों, आश्रमों या विशेष अवसरों पर आयोजित होता है, जिसमें शुद्ध, सात्विक भोजन परोसा जाता है। सार्वजनिक भंडारा एक धार्मिक और सामाजिक आयोजन है जिसमें सभी वर्गों के लोगों, विशेषकर जरूरतमंदों और साधु-संतों को मुफ्त में भोजन कराया जाता है, जो सेवा, समानता और भाईचारे का प्रतीक है, और यह मंदिरों, आश्रमों या विशेष अवसरों पर आयोजित होता है, जिसमें शुद्ध, सात्विक भोजन परोसा जाता है। संरक्षक दिलीप जायसवाल पार्षद वार्ड 67 काजीपुर नैनी प्रयागराज अध्यक्ष डॉक्टर दिनेश प्रजापति. उपाध्यक्ष बंटी सिंह. कोषाध्यक्ष श्रीकांत कुशवाहा.बीपी सिंह सिंगरौर. रविंद्र सोनी.रवि पटेल.रवि कुमार. नरसिंह पटेल. मिश्रीलाल प्रजापति. कार्यक्रम स्थल-जीसी कंपनी के पीछे टुकटुक इलेक्ट्रिक के पास काजीपुर रोड नैनी प्रयागराज मे भव्य भंडारा का आयोजन किया गया. जिसमें हजारों श्रद्धालु एवं जनता भंडारा का प्रसाद ग्रहण किये।

रॉन्ग साइड व यातायात नियम उल्लंघन के विरुद्ध चला सघन चेकिंग अभियान

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के नेतृत्व में जनपद सोनभद्र में मोटरसाइकिल चालकों द्वारा विपरीत दिशा से वाहन चलाने के कारण हो रही सड़क दुर्घटनाओं के बढ़ते मामलों को दृष्टिगत रखते हुए क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ चारु द्विवेदी एवं यातायात प्रभारी निरीक्षक कृष्ण कुमार शुक्ला के नेतृत्व में जनपद के विभिन्न स्थानों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया इस दौरान मोटरसाइकिल चालकों द्वारा रॉन्ग साइड वाहन संचालन, बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। थार एवं सफारी वाहनों द्वारा स्टंटबाजी करने, वाहनों पर अवैध पास, अनधिकृत हूटर एवं सायरन लगे वाहनों की भी गहन जांच की गई। यातायात नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित वाहन चालकों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की गई।

'न्याय व्यवस्था की मजबूती अधिवक्ताओं की निष्ठा और प्रतिबद्धता से संभव'

'न्यायपालिका, प्रशासन और समाज के बीच समन्वय में अधिवक्ताओं की होती है अहम भूमिका','बार एसोसिएशन जेवर के शपथ ग्रहण समारोह में विधायक जेवर धीरेन्द्र सिंह बतौर मुख्य अतिथि रहे उपस्थित'

देव मणि शुक्ल

नोएडा बार एसोसिएशन जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने समस्त अधिवक्तागण को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि 'बार एसोसिएशन जैसे मंच न्याय व्यवस्था की मजबूती, कानून के प्रति समाज की आस्था तथा अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रतीक हैं।' उन्होंने कहा कि विधि एवं न्याय व्यवस्था को सुदृढ़, निष्पक्ष और जनोन्मुखी बनाने में अधिवक्ताओं का योगदान अतुलनीय है। जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि 'अधिवक्ता न्यायपालिका, प्रशासन और समाज के बीच समन्वय स्थापित कर लोकतंत्र की रीढ़ को मजबूती प्रदान

करते हैं। संविधान के मूल्यों की रक्षा, कानून के शासन की स्थापना और आम नागरिक को न्याय दिलाने में अधिवक्ताओं की भूमिका सदैव अग्रणी रही है।' जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने नव निर्वाचित कार्यकारिणी के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें पूर्ण भरोसा है कि नई कार्यकारिणी कानून, संविधान और जनहित के प्रति पूर्ण निष्ठा और समर्पण भाव से कार्य करेगी तथा न्याय, पारदर्शिता और समन्वय की परंपरा को और अधिक सशक्त बनाएगी।

शपथ ग्रहण समारोह के अंत में विधायक जेवर धीरेन्द्र सिंह ने बार एसोसिएशन जेवर की नव निर्वाचित कार्यकारिणी को पुनः हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की और कहा कि अधिवक्ताओं के सहयोग से न्यायिक व्यवस्था और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनेगी।

बॉलीवुड सुपरस्टार आफताब शिवदासानी पहुंचे बंगाल

कोलकाता। बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता आफताब शिवदासानी हाल ही में पश्चिम बंगाल पहुंचे, जहां उन्होंने एक भव्य कार्यक्रम में शिरकत की। यह आयोजन पिंक रोज़ेस एंटरटेनमेंट द्वारा उसकी संस्थापक हिना कौसर (मिस एशिया विनर, अंतरराष्ट्रीय मॉडल, अभिनेत्री एवं सामाजिक कार्यकर्ता) के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन साल्ट लेक स्थित ट्रेगाइन रॉयल बैंक्वेट में हुआ।

इस अवसर पर रवींद्रनाथ टैगोर एक्सीलेंस अवॉर्ड - सीजन 2का आयोजन किया गया, जिसमें व्यवसाय, चिकित्सा, मॉडलिंग, मेकअप आर्टिस्ट्री और सामाजिक सेवा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली हस्तियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान फैशन डिजाइनर कैटवॉक भी आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों से लेकर प्रोफेशनल और न्यूकमर मॉडल्स ने रैंप वॉक कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

समारोह में आफताब शिवदासानी और हिना कौसर ने संयुक्त रूप से रवींद्रनाथ टैगोर एक्सीलेंस अवॉर्ड प्रदान किए। इस मौके पर आईपीएस शांति दास, बॉलीवुड अभिनेता वरुण सूरी, व्यवसायी आफ़ज़ल खान, सामाजिक कार्यकर्ता जावेद अख्तर, डॉ. एकता बागारिया, जयंत दास गुप्ता सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में फैशन डिजाइनर मधुरिमा डोम और अंकिता गुप्ता की कलेक्शन के साथ ज्वेलरी डिजाइनर पूजा रॉय देबनाथ की ज्वेलरी ने खास आकर्षण बटोरा। पूरे आयोजन का सफल संचालन सुपरमॉडल एवं ग्रूमर सप्तमी बनर्जी ने किया। आयोजन को ग्लैमर और सामाजिक सरोकारों का बेहतरीन संगम बताया गया।

राम नारायण इंटर कॉलेज में राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ का भव्य आयोजन

प्रतापगढ़।राम नारायण इंटर कॉलेज में राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। महायज्ञ के माध्यम से विद्यार्थियों को वेदों का ज्ञान दिया गया तथा उन्हें धर्म, संस्कार और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास किया गया। आयोजकों द्वारा यज्ञ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में अनुशासन, चरित्र निर्माण और राष्ट्रभाव की भावना विकसित होती है। कार्यक्रम के दौरान पूरा विद्यालय परिसर आध्यात्मिक वातावरण से ओतप्रोत नजर आया। कार्यक्रम गायत्री परिवार एवं सहयोगियों के संरक्षण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय के प्रधानाचार्य विजयन्त शर्मा ने 'हम बदलेंगे, युग बदलेगा' के ध्येय वाक्य को चरितार्थ करते हुए किया।

यूपीएमएसआरए का सम्पन्न हुआ वार्षिक अधिवेशन

पांचवी बार विकल पांडेय बने अध्यक्ष व वीरपाल निर्विरोध बने सचिव

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश उत्तराखंड मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन का वार्षिक अधिवेशन शहर स्थित एमडीपीजी कॉलेज में रविवार को सम्पन्न हुआ। वार्षिक अधिवेशन की प्रक्रिया स्टेट सेंटर से आये हुए ऑब्जर्वर्स कॉमरेड अरुण सिंह, कॉमरेड आनंद शर्मा, कॉमरेड आशुतोष त्रिपाठी की देख रेख में सम्पन्न हुआ। वार्षिक अधिवेशन में देर शाम घोषित परिणाम में लगातार पांचवीं बार विकल पाण्डेय अध्यक्ष पद पर विजय श्री हासिल कर इतिहास रचा।वही सचिव पद पर वीरपाल सिंह को निर्विरोध निर्वाचित किया गया। इसी क्रम में कोषाध्यक्ष पद पर शिवेश सिंह,उपाध्यक्ष पद पर राजकुमार तिवारी व विनय ओझा, सहसचिव में विजय कान्त मिश्र व आशीष पाण्डेय एवं सदस्य पद पर

पंकज श्रीवास्तव, राहुल मिश्र, राकेश शर्मा, अनिल पटेल, दशरथ यादव राजू यादव, रोहित मिश्र, अंकित तिवारी, अजय निर्वाचित हुए। पांचवीं बार अध्यक्ष पद पर विजय श्री हासिल करने के बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष विकल पाण्डेय ने कहा कि संगठन व साथियो के हित में सदैव काम किया है और आगे भी करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन के साथियों के मान-सम्मान में कभी न कोई कमी आई है और ना भविष्य में आने दूंगा। उन्होंने सभी के द्वारा दिये गये बहुमूल्य समर्थन के प्रति आभार व्यक्त किया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष पहुंचे संघ कार्यालय,प्राप्त किया आर्शीवादः उत्तर प्रदेश उत्तराखंड मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन के सम्पन्न हुए वार्षिक अधिवेशन में घोषित परिणाम में विकल पाण्डेय के पांचवीं बार अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने पर देर शाम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय पहुंचे जहां पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक ओमप्रकाश, जिला प्रचारक प्रवीण कृष्ण,नगर प्रचारक विवेकानंद व नगर सह कार्यवाह सुमित एवं अधिवक्ता वरुण प्रताप सिंह व अन्य सहयोगियों से मुलाकात कर स्नेह आशीर्वाद प्राप्त किया।विकल पाण्डेय की ऐतिहासिक जीत पर सभी ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी।

कांग्रेस जनों ने मणिकर्णिका घाट के ध्वस्तीकरण के विरोध में सौंपा ज्ञापन

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। सोमवार को सोनभद्र जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामराज सिंह गौड़ के नेतृत्व में कांग्रेस जनों ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर वाराणसी के मणिकर्णिका घाट के ध्वस्तीकरण के विरोध में

राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा।कांग्रेस जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गौड़ ने कहा कि मणिकर्णिका घाट का काशी की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक परंपरा में विशिष्ट स्थान है। इस घाट को वर्ष 1791 में लोकमाता माता अहिल्याबाई होलकर जी द्वारा निर्मित कराया गया था। इस दुर्भाग्यपूर्ण कार्रवाई के दौरान माता अहिल्याबाई होलकर जी से संबंधित पवित्र एवं ऐतिहासिक मूर्तियाँ भी मलबे में दब गईं, जो न केवल काशी की आस्था बल्कि देश की सांस्कृतिक विरासत का अपमान है।कांग्रेस पार्टी ने इस शर्मनाक एवं असंवेदनशील कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा की है। ज्ञापन में मांग की गई है कि मणिकर्णिका घाट को ध्वस्त किए जाने की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए, मणिकर्णिका घाट का पुनर्निर्माण कराया जाए तथा माता अहिल्याबाई होलकर जी की मूर्ति की पुनः स्थापना सुनिश्चित की जाए।इस अवसर पर पूर्व प्रदेश सचिव कमलेश ओझा, निवर्तमान प्रदेश सचिव इंजीनियर जितेंद्र पासवान, पूर्व शहर अध्यक्ष राजीव त्रिपाठी, पीसीसी सदस्य बेबी सिंह, आशुतोष दुबे, विनोद तिवारी, राजबली पांडे, दया शंकर पांडे, अवनीश राजपूत, आशीष सिंह, सुनील मिश्रा, मदन गुप्ता, अमरेश देव पांडे, स्वतंत्र साहनी, राहुल जैन, मंजू देवी, शीतला सिंह पटेल, राजबली पांडे, सूरज वर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

विश्व हिंदी सेतु सम्मान से सम्मानित हुईं रायबरेली की विदुषी डॉ. किरन श्रीवास्तव

मॉरीशस में अंतरराष्ट्रीय मंच पर गूंजी हिंदी की भारतीय चेतना

रायबरेली। हिंदी भाषा की वैश्विक प्रतिष्ठा को सुदृढ़ करने में रायबरेली की विदुषी, प्रख्यात हिंदी अध्येता एवं फिरोज गांधी महाविद्यालय की प्रो. डॉ. किरन श्रीवास्तव (सेवानिवृत्त) ने विश्व हिंदी दिवस के पावन अवसर पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर ऐसा सशक्त और गरिमामयी स्वर प्रदान किया, जिसने भारत की भाषिक चेतना को विश्व पटल पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचा दिया। मॉरीशस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में सहभागिता के उपरांत छह दिवसीय प्रवास पूर्ण कर स्वदेश वापस आने पर प्रो. डॉ. किरन श्रीवास्तव ने पत्रकारों से संवाद में अपने अनुभव साझा किए और इसे रायबरेली ही नहीं, अपितु संपूर्ण हिंदी जगत के लिए गौरव का क्षण बताया। बताते चलें कि बीती 9 एवं 10 जनवरी 2026 को विश्व हिंदी सचिवालय, फिनिक्स (मॉरीशस) में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया। यह सम्मेलन हिंदी प्रचारिणी सभा, मॉरीशस, शिक्षा एवं मानव संसाधन मंत्रालय, मॉरीशस तथा भारतीय उच्चायोग, मॉरीशस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ,जिसमें विश्व के अनेक देशों के शिक्षाविद, भाषा विशेषज्ञ,

शोधार्थी और हिंदी प्रेमी सहभागी बने। शैक्षणिक सत्र में डॉ. किरन श्रीवास्तव ने ' प्रवासी महिला साहित्यकारों का हिंदी में योगदान' विशेष रूप से मॉरीशस, अमेरिका एवं नेपाल की महिला साहित्यकारों के संदर्भ में) विषय पर अपना गहन शोधपत्र प्रस्तुत किया। उनका वक्तव्य न केवल विषयवस्तु की दृष्टि से समृद्ध था, बल्कि उसने हिंदी साहित्य के वैश्विक विस्तार में महिला लेखन की निर्णायक भूमिका को भी प्रभावी ढंग से रेखांकित किया।अंतरराष्ट्रीय विद्वानों ने उनके विचारों को गंभीरता से सुना और उन्हें हिंदी की समकालीन वैश्विक भूमिका को दिशा देने वाला बताया।इसी क्रम में मॉरीशस स्थित हिंदी प्रचारिणी सभा द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में डॉ. किरन श्रीवास्तव को ' विश्व हिंदी सेतु सम्मान ' से अलंकृत किया गया। यह सम्मान उन्हें हिंदी शिक्षण, अनुसंधान और अकादमिक नवाचार के क्षेत्र में दीर्घकालीन साधना, वैचारिक प्रखरता, वैश्विक अनुभव तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय भाषिक चेतना को प्रतिष्ठित करने के लिए प्रदान किया गया। सम्मान पत्र में डॉ. श्रीवास्तव का कार्य हिंदी को केवल साहित्य की भाषा नहीं, बल्कि ज्ञान, शोध और वैश्विक संवाद का सशक्त माध्यम बनाने की दिशा में सेतु का कार्य है। डा. किरन श्रीवास्तव ने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से हिंदी की वैश्विक भूमिका और अधिक सशक्त होगी तथा हिंदी विश्व पटल पर भारत की बौद्धिक, सांस्कृतिक और भाषिक पहचान को और मजबूती प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि सम्मेलन का उद्घाटन सत्र मॉरीशस गणराज्य के महामहिम राष्ट्रपति धरमवीर गोकुल, जी.सी.एस.के. तथा भारतीय उपउच्चायुक्त श्रीमती अपर्णासेन की गरिमामयी उपस्थिति और उद्बोधन से अत्यंत गौरवशाली एवं समृद्ध रहा। इस अवसर पर डॉ. माधुरी रामधारी (महासचिव), श्रीमती रोहिणी रामस्वरूप (अध्यक्ष, हिंदी प्रचारिणी सभा, मॉरीशस) तथा प्रो ज्ञान धुनुकचंद (मान्य प्रधान, वृहद् पुरोहित मंच, मॉरीशस) की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पर प्रो. डॉ. किरन श्रीवास्तव का सम्मान, जिले में हर्ष, प्राध्यापकों, साहित्यकारों, बुद्धिजीवियों दी शुभकामनाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने पर फिरोज गांधी महाविद्यालय की प्रबंध समिति के प्रबंध मंत्री इं. अतुल भार्गव, संयुक्त मंत्री प्रो. संजय पाण्डेय, उपाध्यक्ष श्री राजीव भार्गव, प्राचार्य प्रो. मनोज कुमार त्रिपाठी, उपप्राचार्य प्रो. बद्रीदत्त मिश्र सहित मातृभूमि सेवा मिशन इकाई के संयोजक प्रदीप पांडेय, सोनम गुप्ता, महेंद्र अग्रवाल, रामराज गिरी, मंडल अध्यक्ष भगवत प्रताप सिंह, देवेंद्र नाथ मिश्रा, रामानुज मिश्रा, राकेश यादव, अनूप शर्मा, राज अग्रहरि, दिनेश पांडे, दिनेश मिश्र समेत अनेक प्राध्यापकों, साहित्यकारों, बुद्धिजीवियों एवं जनपदवासियों ने प्रोफेसर डॉ. किरण श्रीवास्तव को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

रॉन्ग साइड व यातायात नियम उल्लंघन के विरुद्ध जनपद में सघन चेकिंग अभियान

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के कुशल नेतृत्व एवं निर्देशन में जनपद सोनभद्र में मोटरसाइकिल चालकों द्वारा विपरीत दिशा से वाहन चलाने के कारण हो रही सड़क दुर्घटनाओं के बढ़ते मामलों को दृष्टिगत रखते हुए क्षेत्राधिकारी यातायात के नेतृत्व में जनपद के विभिन्न

स्थानों पर अचानक सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।अभियान के दौरान विशेष रूप से मोटरसाइकिल चालकों द्वारा रॉन्ग साइड वाहन संचालन, बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। इसके अतिरिक्त थार एवं सफारी वाहनों द्वारा स्टंटबाजी करने, वाहनों पर अवैध पास, अनधिकृत हूटर एवं सायरन लगे वाहनों की भी गहन जांच की गई तथा यातायात नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित वाहन चालकों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की गई।जनपद पुलिस द्वारा आमजन से अपील की जाती है कि वे यातायात नियमों का पूर्णतः पालन करें, जिससे सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके एवं जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

सीडीओ ने उत्तर प्रदेश दिवस के आयोजन के सम्बन्ध में की बैठक

रायबरेलीः मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता ने 24-26 जनवरी 2026 तक उत्तर प्रदेश दिवस मनाये जाने के सम्बन्ध में अपने कार्यालय में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये है कि उत्तर प्रदेश दिवस संस्कृति के साथ आर्थिक विकास को केन्द्र में रखकर शासन की विभिन्न योजनाओं का आमजन तक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से विभिन्न सेमिनार/प्रदर्शनी/गोष्ठियां आदि जनपद में आयोजित किये जाये। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के लिए जनपद में सभी विभागों द्वारा जो कार्य योजना बनायी गयी है उन सभी को आमजन के समक्ष प्रस्तुत करते हुए लाभ प्रदान कराया जाए। जनपद में उत्तर प्रदेश का स्थापना दिवस समारोह पूर्वक आयोजित किया जाये।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार उत्तर प्रदेश दिवस से सम्बन्धित प्रदर्शनी लगाकर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस के आयोजन से संबंधित समस्त तैयारियां समय से पूरी कर ली जाये। कार्यक्रम स्थल पर लाभार्थीपरक योजनाओं यथा आयुष्मान गोल्डन कार्ड, पीएम किसान योजना सहित अन्य विभागों द्वारा संबंधित स्टॉल लगाया जाये।

इस मौके पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 नवीन चन्द्रा, जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, परियोजना निदेशक, डीआरडीए सतीश प्रसाद मिश्रा, उप निदेशक कृषि विनोद कुमार, उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्या, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी सुधीर गिरी, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी सहित अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने वितरित किए निःशुल्क आयुष्मान और ई-श्रम कार्ड

होशियारपुर में 'गोपाल नमो सेवा केंद्र' के द्वारा निःशुल्क मेगा 26वें आयुष्मान और ई-श्रम कैंप का आयोजन

देव मणि शुक्ल

नोएडा भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल जी के नेतृत्व में चल रहे गोपाल नमो सेवा केंद्र के माध्यम से होशियारपुर के रेड रोज पब्लिक स्कूल में 26 वें मेगा निःशुल्क आयुष्मान और ई-श्रम कार्ड कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 56 लोगों ने भागीदारी की। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर गोपाल कृष्ण अग्रवाल और जिला श्रम अधिकारी सुप्रिया त्रिपाठी ने पात्र पाए गए कुल 31 लोगों को आयुष्मान और ई- श्रम कार्ड देकर लाभान्वित किया और उसके लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी भी साझा की। इसके अलावा उपस्थित लोगों को दिव्यांग , वृद्धा, विधवा, निराश्रित,अटल पेंशन, आधार कार्ड अपडेशन, पीएम विश्वकर्मा, पीएम सूर्य मुफ्त बिजली योजना और पिछड़ा वर्ग शादी अनुदान योजना के बारे में भी लोगों को जानकारी दी गई।इस मौके पर स्कूल में एमडी सिटी हॉस्पिटल के द्वारा निः शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया था जिसमें आयुष्मान कार्ड के द्वारा मुफ्त इलाज का उचित लाभ कैसे प्राप्त हो इसकी भी जानकारी हॉस्पिटल के संचालक द्वारा प्रदान की गई ताकि जनपद में निवासरत पात्र लोगों को आसानी से मुफ्त चिकित्सा मिल सके।

गोपाल नमो सेवा केंद्र का यही प्रयास है कि उचित जानकारी और पूर्ण दस्तावेजीकरण के माध्यम से जनपद में निवासरत हर एक पात्र व्यक्ति जन कल्याण कारी योजनाओं का लाभ सरलता से दिलाकर गरीब, पिछड़े और वंचित वर्ग को लाभांवित करके अंत्योदय के सपने को सार्थक किया जा सके।इस मौके पर कैंप संयोजक हरवीर यादव आतंकवाद विरोधी मोर्चा और उनकी टीम के सदस्य, एमडी सिटी हॉस्पिटल की पूरी टीम,समाजसेवी अंकुर शर्मा,सोनू यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नागरिक सुरक्षा कोर गठन के पदों हेतु 15 फरवरी तक करें आवेदन : एडीएम

रायबरेलीः अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/नोडल अधिकारी नगरिक सुरक्षा कोर सिद्धार्थ ने बताया है कि शासन के निर्देशानुसार जनपद रायबरेली में नागरिक सुरक्षा कोर का गठन किये जाने तथा चीफ वार्डेन, डिप्टी चीफ वार्डेन, डिवीजनल वार्डेन, डिप्टी डिवीजनल वार्डेन, घटना नियंत्रण अधिकारी, पोस्ट वार्डेन, डिप्टी पोस्ट वार्डेन, सेक्टर वार्डेन एवं संदेशवाहक के पदों पर तैनाती किये जाने की जानी है। उन्होंने बताया है कि नागरिक सुरक्षा कोर के अवैतनिक स्वयं सेवकों/सदस्यों की नियुक्ति/तैनाती हेतु अर्हताएं भारत सरकार के नागरिक सुरक्षा अधिनियम (एक्ट), 1968, विनियमन नागरिक सुरक्षा (रेगुलेशन), 1968 एवं नागरिक सुरक्षा नियम (रुल्स), 1968 के अन्तर्गत दिये गये है। विनियमन नागरिक सुरक्षा (रेगुलेशन), 1968 के नियम 03 व 04 के अंतर्गत अर्हताए निर्धारित की गइ है। जिसके अनुसार नागरिक सुरक्षा कोर में सदस्यता हेतु अभ्यर्थी का भारतीय नागरिक होना आवश्यक है। नागरिक सुरक्षा कोर में सदस्यता हेतु आवेदक की उम्र 18 वर्ष से अधिक हो। 60 वर्ष से कम उम्र के लोगों को वरीयता दी जायेगी। शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम प्राइमरी स्तर की होनी चाहिए। हाईस्कूल एवं उच्चशिक्षित सेवकों को वरीयता दी जायेगी। आवेदक शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। नागरिक सुरक्षा कोर में स्वयं सेवक/सदस्य हेतु महिला एवं पुरुष दोनो आवेदन कर सकते हैं। नागरिक सुरक्षा कोर में स्वयंसेवक सदस्य का उत्तम चरित्र का होना अनिवार्य है। नागरिक सुरक्षा कोर में स्वयं सेवकों/सदस्यों की सदस्यता हेतु आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार, अग्निशमन, तकनीकी ज्ञान, सुरक्षा कार्यों के अनुभवी अभ्यर्थियों को वरीयता दी जायेगी। आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप फार्म (ए) पर स्वीकार किये जायेगे। आवेदन पत्र ए-4 साईज के सील बन्द लिफाफे में जो सेवा में नियंत्रक/जिलाधिकारी, नागरिक सुरक्षा जनपद रायबरेली के पद नाम से सम्बोधित स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड डाक से अथवा व्यक्तिगत रुप से कार्यालय जिलाधिकारी/नियंत्रक नागरिक सुरक्षा कोर कलेक्ट्रेट परिसर रायबरेली में आकर जमा कर सकते हैं। आवेदन हेतु आवेदन प्रपत्र से सम्बंधित सूचना नियंत्रक जिलाधिकारी/नागरिक सुरक्षा कोर कार्यालय, कलेक्ट्रेट रायबरेली में हिमांशु गुप्ता (न्याय सहायक ?द्वितीय) पटल से किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 04:00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है। आवेदन पत्र कार्यालय में 15 फरवरी, 2026 को सायं 04:00 बजे तक जमा किये जायेंगे।

अल्ट्राटेक,डाला द्वारा किया गया जरूरतमंदो को कंबल वितरण

आधुनिक समाचार

अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड डाला सीमेंट वर्क्स के कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम के अंतर्गत इकाई प्रमुख संदीप हिवरेकर के मार्गदर्शन ,खान प्रमुख विवेक खोसला एवं मानव संसाधन प्रमुख संजीव राजपूत के मार्गदर्शन में दिनांक 19/01 / 26 दिन सोमवार को भलुवाटोला में 400 से अधिक गरीब जरूरतमंद परिवारों को निःशुल्क कंबल वितरण किया गया । कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर पंचायत अध्यक्ष, ओबरा श्रीमती चांदनी देवी ग्राम पंचायत बिल्ली प्रधान प्रतिनिधि श्री अमरेश यादव ,इकाई प्रमुख संदीप हिवरेकर , मानव संसाधन प्रमुख संजीव राजपूत, खान प्रमुख विवेक खोसला ,धर्मेंद्र कुमार पांडे , सुरेश जोशी एवं अन्य मुख्य रूप से उपस्थित थे। इकाई प्रमुख संदीप हिवरेकर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिवर्ष हम क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को ठंड के मौसम में बचाव हेतु निःशुल्क कंबल वितरण करते है जिससे लोगों को लाभ प्राप्त हो,साथ ही उन्होंने बताया कि हम सी एस आर के माध्यम से क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में शिक्षा , स्वास्थ्य , सतत आजीविका , आधारभूत संरचना एवं सामाजिक सुधार के अंतर्गत कार्य कर रहे हैं ,जिससे क्षेत्र के अधिक से अधिक लोगों तक लाभ पहुंचाया जा सके और उनके विकास का मार्ग प्रशस्त किया जा सके ।

चांदनी देवी ने जानकारी देते हुए बताया कि अल्ट्राटेक के द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्य निःसंदेह ही सराहनीय है जिसे लोगों को लाभ पहुंच रहा है और हम भविष्य में भी आपके साथ मिलकर इसी तरह कार्य करने की आशा रखते हैं ,उन्होंने कंबल प्राप्त करने वाले जरूरतमंद लाभार्थियों को शुभकामना दी । अमरेश यादव ने अल्ट्राटेक के द्वारा जरूरतमंद लोगों के लिए निःशुल्क कंबल उपलब्ध कराने हेतु आभार व्यक्त किया साथ ही अल्ट्राटेक के द्वारा समय-समय पर इस क्षेत्र में किया जा रहे हैं विभिन्न कार्यक्रमों (स्प्रिंकलर सिस्टम , चेक डैम निर्माण ,मेगा मेडिकल कैंप ,निशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर , कृषक जागरूकता कार्यक्रम एवं अन्य के बारे में विशेष रूप से जानकारी दी एवं भविष्य में भी सहयोग की अपेक्षा करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया । कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं संचालन में सी एस आर प्रमुख निशा तिर्की , रोहित श्रीवास्तव , पुष्पेंद्र मिश्रा की अहम भूमिका रही। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुकेश मुस्तफा एवं भारी मात्रा में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सरकारी भूमि पर दबंगों का कब्जा, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

सोनभद्र। सदर ब्लाक अंतर्गत ग्राम सभा लसड़ा में सी?पालपुर मार्ग के समीप जल निगम टंकी के पास सरकारी जमीन पर दबंगों द्वारा अवैध कब्जा के विरोध में ग्रामीणों ने सोमवार को प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने तहसील दिवस में एप्लीकेशन देकर न्याय की गुहार लगाई है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम प्रधान और संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत से पात्र व्यक्ति को दरकिनार करते हुए भूमाफियाओं को पट्टा दे दिया गया है। इस पर ग्रामीणों ने विरोध किया तो उन्हें गाली-गलौज और धमकी दी गई। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी का ध्यान इस तरफ आकर्षित करते हुए न्याय दिलाए जाने की गुहार लगाई है। ग्रामीणों का कहना है कि स्टेट हाईवे सुकृत होने के बाद सरकार के पैसे का दुरुपयोग होगा और मुआवजे की मोटी कमाई वसूलने के लिए पट्टा धारक दबंगों ने कब्जा किया है। इस मौके पर संयोजक संदीप मिश्रा, संदीप कुमार, सोनू, निर्मला, जीरा, सरोज, मनोज, प्रेमा, योगेंद्र विश्कर्मा, मीरा, मौसाफिर, सोनी, पन्ना, पुल्लू, मोटी, पूनम, रीता, गीता, लाल मोहर, प्रेम प्रकाश, गुड्डू, धीरेन्द्र, रिंकू, अनूप आदि लोग मौजूद रहे।

विश्व पुस्तक मेले में सोनभद्र की कवयित्री डॉ रचना तिवारी की पुस्तक लोकार्पित

उनके गीतों ने लेखक मंच पर समां बांधा

सोनभद्र। जानी मानी कवयित्री लेखिका और सामाजिक चिंतक डॉक्टर रचना तिवारी के नए कविता संग्रह सपनों की उम्र नहीं होती का 16 जनवरी 2026 को दिल्ली में चल रहे विश्व पुस्तक मेले के लेखक मंच पर लोकार्पण संपन्न हुआ। पुस्तक का लोकार्पण हिंदी के गणमान्य लेखकों, संस्कृति कर्मियों के द्वारा किया गया।

ज्ञातव्य है कि डॉ रचना तिवारी हिंदी साहित्य की दुनिया में पिछले तीन दशकों से सक्रिय हैं और झील में उतरी नाव, कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते, मेरे गीत तुम्हीं से जन्मे सहित कई कविता संग्रह, गजल संग्रह, मुक्तक संग्रह अब तक प्रकाशित हो चुके हैं। हिंदी कविता के सौंदर्य बोध के विभिन्न पहलुओं और विमर्शों पर शोध कार्य करने वाली डॉक्टर रचना तिवारी ने इस बीच एक आलोचक की ख्याति भी पाई है और काव्य मंचों की भी लोकप्रिय हस्ताक्षर हैं। देश के अनेक राष्ट्रीय मंचों पर उन्होंने अपनी कविता पाठ से अवध की दुनिया में एक रचनात्मक हलचल पैदा की है।

हिंदी के जाने माने आलोचक डॉक्टर ओम निश्चल ने कहा कि रचना तिवारी के गीतों की पृष्ठभूमि

में सामाजिक समस्याएं और जीवन जगत की विडंबनाएं बेबाक ढंग से उजागर हुई हैं और उन्हें किसी भी रचना को छंद में पिरोने में महारत हासिल है। वे कविताओं से श्रोताओं को गहरे कनेक्ट कर लेती हैं । डॉक्टर रचना तिवारी को अब तक विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मान साहित्य रचना के लिए हासिल हो चुके हैं। लेखक मंच पर हुए लोकार्पण समारोह और शांति समरसता और सद्भावना को समर्पित कवि सम्मेलन में उन्होंने अपने गीतों से समा बांधा और श्रोताओं को अपनी ओज और उदात्तपूर्ण वाणी से विमुग्ध कर दिया।

उत्तर प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री को रचना तिवारी ने पुस्तक भेंट की: नई दिल्ली में चल रहे विश्व पुस्तक मेले के दौरान उत्तर प्रदेश के मंत्री अनिल राजभर ने मेले के दौरा किया। उन्हें सर्वभाषा ट्रस्ट के स्टॉल पर पधारे उत्तर प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर को सोनभद्र की सुपरिचित लेखिका डॉ रचना तिवारी ने अपनी सद्यःप्रकाशित पुस्तक सपनों की उम्र नहीं होती की प्रति भेंट की। उन्होंने रचना तिवारी की कविताओं की सराहना की तथा इन्हें मानवता के हित में उनका सर्जनात्मक अवदान बताया।

गणतंत्र दिवस को जनपद में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा - डीएम

रायबरेली, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में गणतंत्र दिवस मनाये जाने के सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने 26 जनवरी गणतंत्र दिवस को हर्षोल्लास व सादगी के साथ मनाये जाने का निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि 25 जनवरी को समस्त नगर पालिका, नगर पंचायत व ग्राम पंचायत के अन्तर्गत आने वाली मलिन बस्तियों में विशेष सफाई अभियान चलाया जाए। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर सरकारी भवनों, स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े ऐतिहासिक भवनों एवं मूर्तियों को प्रकाशित किया जाए। 26 जनवरी को प्रातः 8:30 बजे समस्त शासकीय भवनों पर झंडारोहण तथा अभिवादन हो और इस अवसर पर राष्ट्रगान के साथ संविधान में उल्लिखित संकल्पों के स्मरण की व्यवस्था की जाए। शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रध्वज प्रातः 10:00 बजे फहराया जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि स्कूलों में निर्धारित समय के अनुसार प्रभात फेरी का आयोजन तथा सभी सरकारी कार्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जायेगा तथा राष्ट्रगान का आयोजन किया जाएगा। पुलिस लाइन में परेड का आयोजन के साथ ही तहसील, ब्लाक, गांव में भी कार्यक्रमों का आयोजन करें। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को भी याद किया जायें। जिलाधिकारी ने कहा कि 26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह को सफलतापूर्वक गरिमापूर्ण ढंग से मनाया जायेगा। जनपद में साफ-सफाई के साथ ही विद्युत व्यवस्था आदि को भी दुरूस्त रखने के निर्देश दिये गये हैं।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ, उपजिलाधिकारी महराजगंज गौतम सिंह, उपजिलाधिकारी सलोन चन्द्र प्रकाश गौतम, उपजिलाधिकारी लालगंज मिथिलेश त्रिपाठी, उपजिलाधिकारी डलमऊ सतेन्द्र सिंह, उपजिलाधिकारी ऊँचाहार राजेश कुमार, उपजिलाधिकारी विवेक राजपूत सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

स्वप्नदर्शी,कर्मयोद्धा,स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित मदन मोहन मिश्र

रायबरेली। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी,सुप्रसिद्ध क्रांतिकारी, देशभक्त स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, पत्रकार, इतिहासकार, राजनीतिक व समाजसेवी स्मृति शेष पंडित मदन मोहन मिश्र का जीवन क्रांतिकारिता, शहादत और देशभक्ति का पर्याय था।आप इलाहाबाद में ही 16 वर्ष की किशोरावस्था में 27 फरवरी 1932 को अल्फ्रेड पार्क में आजाद दिवस समारोह के अवसर पर पहली बार गिरफ्तार हुए और ब्रिटिश पुलिस शोषण की प्रथम अनुभूति भी यही हुई ।

तदन्तर श्रीमती विजयलक्ष्मी पंडित द्वारा गठित वानर सेवा में इंदिरा जी के साथ सक्रिय भूमिका निभाई और घर बार छोड़कर 1936 में कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन लखनऊ में सम्मिलित हुए। जीविकोपार्जन के लिए आपने आगरा के हरिजन विद्यालयों में अध्यापन कार्य भी किया।

क्रांतिकारी नेता श्री झारखंडीराय, मोनू मुखर्जी केशव शर्मा व भूपेंद्र नाथ सान्याल आदि नेताओं के सानिध्य में आकर आप क्रांतिकारी व समाजवादी दर्शन से प्रभावित हुए और आगे चलकर क्रांतिकारी पार्टी की अनुशीलन समिति तथा हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन पार्टी के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी पंडित मदन मोहन मिश्र बने। 'पिपरीडीह रेलवे षड्यंत्र केस' में रेलगाड़ी रोककर सरकारी खजाना लूटने के जुर्म में 12 जून 1938 को रायबरेली के हथिनासा ग्राम में विवाह मंडप से ही पुलिस ने पंडित मदन मोहन मिश्र को बंदी बनाया। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती भगवती देवी ने विवाह के प्रथम दिन से ही देशभक्ति और क्रांतिकारी बलिदानी भावना को देखते हुए आपको पूर्ण सहयोग किया। पंडित मदन मोहन मिश्र ने 1940-41 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में भाग लेने के कारण रायबरेली जिला जेल व चुनार कैंप जेल में 1 वर्ष 3 माह की कठोर सजा काटी। 1942 के करो या मरो आंदोलन में भी आपकी सक्रिय भूमिका रही। स्वर्गीय पंडित मदन मोहन मिश्र ने स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात देश के प्रति प्रेम और सेवा की भावना को सृजित करते हुए जब भी जहां जैसे अवसर मिला राष्ट्रीय भावनाओं को ध्यान में रखा तथा अपने को जन सेवा में सक्रिय

किया। जिसके तहत 1953 से 1971 तक नगर पालिका रायबरेली में सक्रिय सदस्य व कुछ समय तक वाइस चेयरमैन भी रहे। सन 1967 से 1969 और 1969 से 1974 तक रायबरेली सदर से विधायक रहे। अपने जीवन के अंतिम समय तक जिला भारत से समाज के जिला अध्यक्ष,अखिल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी समिति के उपाध्यक्ष तथा उत्तर प्रदेश व रायबरेली जिला स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बोर्ड के अध्यक्ष रहे। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी पंडित मदन मोहन मिश्र सुप्रसिद्ध पत्रकार व इतिहासकार भी थे वह जनता राज साप्ताहिक के संपादक व संस्थापक होने के साथ ही उत्तर प्रदेश लघु व मध्यम समाचार पत्र संपादक परिषद के अध्यक्ष भी रहे। उन्होंने सन 1984 में 'भूला जनपदः बिखरा इतिहास' के रूप में रायबरेली जिले के स्वाधीनता संग्राम का प्रमाणिक ऐतिहासिक दस्तावेज भी एक पुस्तक के रूप में प्रस्तुत किया है। पंडित मदन मोहन मिश्र की विकासोन्मुखी योजनाओं को रायबरेली में स्थापित कराने में जैसे इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मुंशीगंज गोलीकांड स्थल पर एक भव्य शहीद स्मारक की स्थापना में चिरस्मरणीय योगदान रहा है। स्वप्नदर्शी,कर्मयोद्धा, दृढ़ संकल्पी पंडित मदन मोहन मिश्र अपनी स्वच्छ छवि की वजह से समाज में हर एक के चहेते थे। उनका अहंकार रहित जीवन सहज सरल तथा गरीबों व असहायों के प्रति समर्पण भाव ही जीवन का लक्ष्य था। जाति,वर्ग,धर्म संप्रदाय से ऊपर उठकर उन्होंने सेवा भाव को ही सदैव प्राथमिकता दी। प्रदेश व जिले के कोने-कोने में उनका सम्मान था। ऐसी क्रांतिवीर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का देहावसान 20 जनवरी 1994 को हुआ था,उनके अधूरे कार्यों में मुंशीगंज शहीद स्मारक को राष्ट्रीय स्मारक घोषित कराना तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सेवा सदन बनाने की योजना को पूर्ण कराने के साथ ही शहीद स्मारक का सौंदर्यीकरण कराने की दिशा में शासन व प्रशासन से प्रयास जारी है। स्वर्गीय पंडित मदन मोहन मिश्र स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के अभूतपूर्व योगदान को देखते हुए रायबरेली में उनकी स्मृतियों को स्थापित किया जाना भी उनके प्रति हम सब की सच्ची श्रद्धांजलि होगी। जिस ओर यहां के जिला प्रशासन, शासन, बुद्धिजीवी, समाजसेवी एवं राजनीतिज्ञों को भी पहल करने की आवश्यकता है।

डीईओ ने एस0आई0आर0 के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक की

जेण्डर रेशियो में सुधार हेतु समीक्षा कर लायी जाये प्रगति-डीईओ,प्राप्त दावे और आपत्तियों का समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण कराया जाए निस्तारण-हर्षिता माथुर

रायबरेली: जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एस0आई0आर0) कार्यक्रम के सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने महिला वोटर्स की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि शतप्रतिशत महिला वोटर्स को फार्म-06 भरवाकर मतदाता सूची में नाम शामिल कराया जाये, जिससे जनपद का जेण्डर रेशियों सही हो सके। इसके साथ ही बूथवार जेण्डर रेशियो की समीक्षा कर अध्ययन किया जाए कि किस बूथ पर जेण्डर रेशियो कम है, और उसका क्या कारण है फिर जेण्डर रेशियो में प्रगति लायी जायें।

शत प्रतिशत युवा वोटर्स को कवर किया जाए, इसके लिए डिग्री कॉलेजों में एक वोटर्स हेल्प डेस्क स्थापित किया जाए, जिसमें शत प्रतिशत युवाओं को फार्म 06 भरवाकर मतदाता सूची में शामिल किया जायें। दावें और आपत्तियों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए, प्राप्त हो रहे फार्म-06 को प्रतिदिन बी0एल0ओ0 द्वारा डिजीटाइज कराया जायें। बैठक में अधिक से अधिक फार्म-06 भरवाने के निर्देष दिये गये जिससे कि कोई पात्र व्यक्ति मतदाता बनने से ना छूटें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ, उपजिलाधिकारी महराजगंज गौतम सिंह, उपजिलाधिकारी सलोन चन्द्र प्रकाश गौतम, उपजिलाधिकारी लालगंज मिथिलेश त्रिपाठी, उपजिलाधिकारी डलमऊ सतेन्द्र सिंह, उपजिलाधिकारी ऊँचाहार राजेश कुमार, उपजिलाधिकारी विवेक राजपूत, प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी फिरोज अहमद सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जनता की समस्याओं पर तत्काल जांच कर करें निस्तारण :रूबी प्रसाद

सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के लिए प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन किया गया। सोमवार को रूबी प्रसाद, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद्र, की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न निकायों से कुल 26 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश से संबंधित शिकायतें थीं। इस मौके पर जेई राज कुमार, सभासद अनवर अली, राकेश कुमार, दिनेश, अमित दूबे, विनोद पटेल, अजित सिंह, सुजीत, संत, राजीव, आकाश रावत आदि उपस्थित रहे।

थाना जुगैल पुलिस द्वारा दुष्कर्म प्रकरण में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

श्रीमान् पुलिस अधीक्षक, जनपद सोनभद्र महोदय के निर्देशन एवं श्रीमान् अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) जनपद सोनभद्र तथा श्रीमान् क्षेत्राधिकारी ओबरा जनपद सोनभद्र के निकट पर्यवेक्षण में महिला उत्पीड़न से संबंधित अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना जुगैल पुलिस द्वारा उल्लेखनीय कार्यवाही की गई।

उक्त अभियान के क्रम में थाना जुगैल पर पंजीकृत मु0अ0सं0-154/2025, धारा-64, 352, 351(2), 333 बी.एन.एस. से संबंधित वांछित अभियुक्त रामविशाल पुत्र बैजनाथ, निवासी ग्राम बड़गाँवा, थाना जुगैल,

जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 49 वर्ष को आज दिनांक 19.01.2026 को समय 12.10 बजे मुखबिर की सूचना पर चौरा तिराहा से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त को विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण– रामविशाल पुत्र बैजनाथ, निवासी ग्राम बड़गाँवा, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 49 वर्ष। **गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम–** 1. प्रभारी निरीक्षक अविनाश कुमार सिंह, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र। 2. हे0का0 शिवदास यादव, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र। 3. का0 मुकेश कुमार, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र।

बछरावा विकास खंड में सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन का गठन

रायबरेली। रायबरेली आज सेवा निवृत कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन जनपद रायबरेलीके सौजन्य से विकासखंड बछरावां तहसील महाराजगंज जनपद रायबरेली में सेवानिवृत कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन विकासखंड बछरावां का गठन श्री रविंद्र कुमार श्रीवास्तव जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में संपन्न हुआ यह गठन सिंचाई विभाग के निरीक्षण भवन बछरावां में संपन्न हुआ इस बैठक में जिला मंत्री दयाराम

यादव कार्यालय सचिव राजेंद्र सिंह सिंचाई संघ पेंशन संगठन जनपद रमी के अध्यक्ष हरिश्चंद्र गुप्ता जिला कार्यकारी के साथ आनंद कुमार मिश्रा सहित अनेकों संगठनों के पदाधिकारी ने निरीक्षण भवन में उपस्थित देते हुए निर्विरोध निर्वाचन संपन्न कराया। उँडे अध्यक्ष श्री इंद्रपाल वर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती लज्जावती मंत्री देवराज शुक्ला कोषाध्यक्ष राम भरोसे संगठन मंत्री प्रमोद कुमार उत्सव समाज से शिवराज सिंह को संरक्षक मनोनीत किया गया इसके पश्चात समस्त निर्वाचित पदाधिकारी को जिला अध्यक्ष रविंद्र कुमार श्रीवास्तव द्वारा शपथ ग्रहण कराया गया और जिले से आए हुए समस्त पदाधिकारी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारी को अपने शुभकामनाएं अर्पित करते हुए सभा का समापन कराया गया।

विराट रूद्र महायज्ञ के छठवें दिन यज्ञ मंडप की परिक्रमा को श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

प्रतिदिन चल रहे विशाल भंडारा में श्रद्धालु ग्रहण कर रहे प्रसाद

सोनभद्र। विजयगढ़ क्षेत्र स्थित झरियवां धाम महादेव मंदिर परिसर में चल रहे नौ दिवसीय विराट रूद्र महायज्ञ के छठवें दिन सोमवार को यज्ञ मंडप की परिक्रमा को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान जयकारे से समूचा यज्ञ स्थल गुंजायमान हो गया। 20 जनवरी को अयोध्या के महंत कमलनयन दास जी महाराज का आगमन होगा। जिनका भिखारी बाबा आरती, पूजन कर श्रद्धालुओं के साथ सम्मान करेंगे। इसके अलावा यज्ञ स्थल पर स्थित झरियवां धाम महादेव मंदिर में पूजन-अर्चन करेंगे। प्रतिदिन हो रही 251 जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से महंत जी आहुति देंगे।जिससे वातावरण शुद्घ रहे। प्रतिदिन हो रही रामकथा, रात्रि में रासलीला के साथ ही चल रहे विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भिक्षुक भिखारी बाबा उर्फ जंगली दास उर्फ दीनबंधु उर्फ रमाशंकर गिरी जी महाराज ने बताया कि नक्सल प्रभावित आदिवासी क्षेत्र विजयगढ़ स्थित ग्रामसभा केवटम के झरियवां धाम महादेव मंदिर परिसर में चल रही नौ दिवसीय विराट रूद्र महायज्ञ के छठवें दिन यज्ञ मंडप की परिक्रमा को श्रद्धालुओं

की भीड़ उमड़ पड़ी। भिखारी बाबा ने बताया कि झरियवां धाम महादेव मंदिर परिसर में पहली बार विराट रूद्र महायज्ञ हो रही है। आचार्य राधेकृष्ण तिवारी, योगेश तिवारी व कौशल तिवारी के जरिए वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ कराई जा रही है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजयगढ़ राजा चंद्र विक्रम पदम् शरण शाह हैं। भरत सिंह, अजय सिंह, चिंता मौर्य, किरन मोदनवाल, कार्यक्रम अध्यक्ष भोला सिंह, मुख्य यजमान दिनेश सिंह मौर्य शामिल हैं। रामखेलावन, सत्यनारायण, बाबूलाल, रामसूरत, मुन्ना बाबा, मनोज केसरी, शंकर बाबा, परमानंद, शुभराम, उषा देवी, दीक्षा,राहुल सिंह आदि मौजूद रहे। श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।

डीएम ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

रायबरेलीः मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देशानुसार जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी हर्षिता माथुर ने कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का मासिक वाह्य निरीक्षण राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयर हाउस की साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस की सुरक्षा, लाग बुक, सीसीटीवी कैमरा आदि के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ सहित अन्य संबंधित अधिकारी व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

धान की पुनः खरीद एक एक किसान की जीत:संदीप मिश्रा

आज जो पूर्व निर्धारित कार्यक्रम रामगढ़ क्रय केन्द्र पर किसानों के धान खरीद को लेकर धरना प्रदर्शन था वो खरीद शुरू होने व सरकार द्वारा अन्नदाताओ की मांग को मानने के कारण किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा का एकदिवसीय धरना प्रदर्शन धन्यवाद ज्ञापन में परिवर्तित हो गया किसानों के संघर्ष में साथ देने के लिए राष्ट्रीय लोकदल के जिलाध्यक्ष अभिभावक श्रीकान्त त्रिपाठी जी का सपा के राष्ड्रीय सचिव

लोहिहा वाहिनि छोटे भाई विवेक पटेल जी का व जनपद के जिलाधिकारी श्रीमान बद्रीनाथ सिंह जी का विशेष रुप से जनपद के किसानों की ओर से किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा आभार प्रकट करता है साथ ही साथ क्रय केन्द्र प्रभारियो को हिदायत भी देता है कि केवल किसानों का धान ही उतारा जाय यदि सिकायत मिली तो ऐसे सभी क्रय केन्द्र प्रभारीयो के लिए हम किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के कार्यकर्ता आन्दोलन केलिए बाध्य होन्गे आज के कार्यक्रम में मृत्यजय मिश्र नगेन्द्र ओझा राजेस चौहान आकाश चौहान सोनू पासवान सत्रुधन बिन्द राम रक्षा बिन्द राजकुमार विवेकधीरज कनौजिया सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे

माकू यूनियन के बैनर तले निर्माण श्रमिकों की बैठक संपन्न

ड्रमंडगंज, मिर्जापुर। सोमवार को हलिया ब्लॉक के मटीखना गांव में मजदूरों के जागरूकता हेतु मिर्जापुर असंगठित कामगार यूनियन (माकू) के तत्वावधान में श्रम विभाग द्वारा निर्माण श्रमिकों के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाओं के जानकारी देते हुए यूनियन महामंत्री मंगल तिवारी ने कहा कि केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार ने अनेक योजनाएं संचालित की है, इन योजनाओं के लाभ हेतु सर्व प्रथम श्रम पंजीयन कराना आवश्यक है। और जिनका हो गया है वह समय पर अंशदान अवश्य जमा करें। बिना लेबर कार्ड बने श्रम विभाग से किसी भी योजना का लाभ नहीं मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि जिन व्यक्तियों का श्रम पंजीयन हुए एक वर्ष बीत चुके हैं वे सभी योजना आवेदन के लिए पात्र होते हैं। वर्तमान में निर्माण श्रमिकों के पुत्र-पुत्रियों के लिए निःशुल्क शिक्षा हेतु कक्षा 6 और 9 में प्रवेश हेतु मिर्जापुर स्थित श्रम विभाग कार्यालय में आवेदन हो रहे हैं। आप स्वयं या यूनियन के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। जो बच्चे कक्षा 5 और आठ में अभी पढ़ रहे हैं उन्हीं का 6 और 9 में आवेदन होंगे और यह सुविधा सरकार द्वारा मुफ्त है। मिर्जापुर-सोनभद्र और भदोही जनपद में हुए आवेदनों का टेस्ट परीक्षा के सफल परिणाम के उपरांत सोनभद्र के गुरुमुरा में एक बहुत बड़े अटल आवासीय विद्यालय में एडमिशन होगा। मनरेगा महिला मजदूरों ने बताया कि उनका लेबर डिपार्टमेंट में पंजीयन नहीं हुआ है, यूनियन से मांग कि की हमारा घर पर ही श्रम कार्ड बनवाया जाय?। इस दौरान मजदूरों ने प्रधानमंत्री आवास योजना, विकलांग बिटिया को आर्थिक लाभ आदि की शिकायत और समस्या निवारण की मांग की जिसपर

यूनियन महामंत्री ने कहा कि मजदूरी व श्रम विभाग से इतर जो भी आपकी समस्या हो इसके लिए लिखित शिकायत मिलने पर यूनियन संबंधित अधिकारी से पत्राचार कर निस्तारण का प्रयास करेगी। यूनियन समर्थक राघवेन्द्र सिंह ने अंशदान और पंजीयन तथा जिनका अंशदान जमा नहीं हो रहा है या मोबाइल नम्बर बंद हो गया है वो अपना नम्बर श्रम विभाग कार्यालय या यूनियन की मदद से ठीक करा सकते हैं। बैठक में श्रम संहिता अधिनियम 2025 के बारे में भी चर्चा की गई। बताया गया कि जल्द ही श्रमिकों को इसका लाभ मिलेगा। कहा कि, सभी श्रमिकों को सरकार द्वारा लागू श्रम नियमावली के तहत दैनिक मजदूरी, वेतन व अन्य सुविधाएं मिलेंगी। सरकार श्रम हित में बेहतर कार्य कर रही है जल्द ही नए श्रम एक्ट का लाभ मिलेगा यह व्यवस्था पूरे देश में लागू है।

ज्ञात हो कि मनरेगा महिला मजदूरों की मांग पर यह बैठक आयोजित की गई थी। इस अवसर पर महामंत्री मंगल तिवारी के साथ बैठक में यूनियन समर्थक राघवेंद्र सिंह, रामसजीवन, संतोष देव गिरि, पप्पू सिंह कुशवाहा, सुशीला देवी, सरिता, सीता, अनारकली, संतोष, मुकेश, गुलाब कली, दंपत्ती, सावित्री, जगदीश, सोनू कुमार हरी लाल, कल्लन, राकेश कुमार, सुखलाल के अलावा निर्माण श्रमिकों एवं मनरेगा मजदूरों की भारी तादाद में उपस्थित रही है।

संक्षिप्त समाचार

व्यक्ति ने घरेलू विवाद को लेकर परिवार के सात सदस्यों की हत्या की

नई दिल्ली। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सोमवार को घरेलू विवाद के चलते एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और दो महीने की बेटी सहित सात लोगों की घर में गोली मारकर हत्या कर दी। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि घरेलू विवाद के बाद उसने घर में मौजूद रिश्तेदारों को निशाना बनाकर गोलीबारी की।

स्कूल बस दुर्घटना में कम से कम 13 बच्चों की मौत

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के गौतेंग प्रांत में एक ट्रक और स्कूल मिनी बस की टक्कर में कम से कम 13 बच्चों की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 11 बच्चों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दो बच्चों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। अधिकारियों के अनुसार, सोमवार को सुबह करीब सात बजे यह घटना तब हुई जब वह जोहानिसबर्ग में प्राथमिक और उच्च विद्यालयों के छात्रों को ले जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बच्चों को ले जा रही मिनी बस अन्य वाहनों से आगे निकलने का प्रयास कर रही थी तभी वह सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई।

मवेशी तस्करों के खिलाफ छापेमारी, 10 लोग गिरफ्तार 50 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त

नई दिल्ली। ओडिशा पुलिस ने कथित मवेशी तस्करों के सिलसिले में भद्रक, जाजपुर, क्योंझर, मयूरभंज और खुर्दा जिलों में 46 स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारी ने बताया कि अवैध मवेशी तस्करों के खिलाफ यह अभियान तड़के शुरू किया गया और इसमें दो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, पांच पुलिस उपाधीक्षक, 25 निरीक्षक, 36 उपनिरीक्षक और अतिरिक्त उपनिरीक्षक तथा बल की 18 प्लाटून शामिल थीं। उन्होंने कहा कि शाम तक की छापेमारी में पुलिस टीमों ने 1.52 करोड़ रुपये नकद, 1.131 किलोग्राम सोना, 3.80 किलो चांदी, 23 चार पहिया वाहन, 23 दो पहिया वाहन, 13 मोबाइल फोन और 21 घड़ियां जब्त कीं। क्योंझर के पुलिस अधीक्षक नितिन कुशालकर ने बताया, 'हमने 10 पशु तस्करों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से लगभग 50 करोड़ रुपये की संपत्ति बरामद की है, जिनमें मकान, बैंक जमा, जमीन और अन्य संपत्तियां शामिल हैं।

बैठक में योजनाओं की समीक्षा लापरवाही पर कार्रवाई के आदेश

भदोही। जिला स्वास्थ्य समिति शासी निकाय की मासिक समीक्षा एवं आयुष विभाग की बैठक जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुआ। जिला स्वास्थ्य समिति साक्षात्कार परिणाम जनपद की एनआईसी बेबसाईट पर प्रकाशित किया गया था के क्रम में जिलाधिकारी ने आज 08 चिकित्सकों में डॉ.अमित कुमार सिंह, डॉ. मोहम्मद अफजल अंसारी, डॉ.श्रेयांश मौर्य, डॉ.शशिकान्त मौर्य, डॉ.अनिल कुमार, डॉ.मुकेश कुमार, डॉ.रामआसरे, डॉ. सुमित शुक्ला को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। समीक्षा के दौरान आयुष्मान गोल्डन कार्ड प्रगति खराब होने पर बीसीपीएम अभोली बीसीपीएम डीघ का वेतन रोकने के साथ आयुष्मान कार्ड प्रभारी डीआईओ टीम डॉ.मनीष, शैलेंद्र प्रताप सिंह, आशीष, का वेतन रोकने का निर्देश संबंधित अधिकारी

को दिया साथ ही समस्त एमओआईसी समस्त खंड विकास अधिकारी कौन निर्देशित किया कि 111 सीएचओ एवं आशा के सहयोग से प्रति सीएचओ प्रतिदिन 5-5 आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिसिचित कराए। इस कार्य मे कोटेदार का भी सहयोग ले। स्वास्थ्य कार्यक्रम के कार्यों में लापरवाही बरतने पर भदोही कोऑर्डिनेटर डॉ प्रदीप, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी रामपाल यादव एवं एमओआईसी डीघ का वेतन रोकने का निर्देश दिया। साथ ही सीएमएस ज्ञानपुर के कार्यप्रणाली खराब होने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश सम्बन्धित अधिकारी को दिया। एमबीएस भदोही के अधीक्षक ने स्टाफ की कमी बताई तो जिलाधिकारी में मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि जहां अधिक स्टाफ है वहां से स्टाफ को भदोही भेजने का निर्देश दिया। उन्होंने टीबी मरीजों को चिन्हित करने हेतु टीम बनाकर कार्य करने का निर्देश दिया। साथ ही पहले से चिन्हित टीबी मरीजों को शत-प्रतिशत पोषण पोटली उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। क्वालिटी एसेसमेंट कराने पर बल दिया। आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों का कार्ड बनाने हेतु निर्देश दिया गया। प्रेग्नेंट वोमेन एण्ड चाइल्ड रजिस्ट्रेशन बढ़ाने पर जोर दिया गया। यूपी हेल्थ डैशबोर्ड के विभिन्न बिन्दुओं की समीक्षा की गई। स्वास्थ्य विभाग के हर कार्यक्रम की कंपोजिट रिपोर्ट अगले बैठक में प्रस्तुत किया जाए। सभी एमओआईसी, आशा व एएनएम की हफ्ते में बैठक कर सघन समीक्षा करने का निर्देश दिया। यूनिसेफ, यूएनडीपी की तरह समस्त एमओआईसी अपने ब्लॉकों में जाकर स्थलीय विजिट कर अवलोकन करें। मातृत्व दर का सही डेटा प्रस्तुत किया जाए। सीएचसी, पीएचसी के इंफ्रास्ट्रक्चर पर बल देते हुए खराब स्थिति को ठीक करने का निर्देश दिया। स्वास्थ विभाग की लापरवाहियों पर नाराजगी जताते हुए कड़ा निर्देश दिया कि सभी डॉक्टर जनपद में निवास करें, अन्यथा निरीक्षण में अनुपस्थित पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। निर्देश दिया कि बैठक की कार्यवृत्ति में सभी बिन्दुओं की समीक्षा अगले दिन तक अवश्य उनके समक्ष प्रस्तुत किया जाए। अपर निदेशक स्वास्थ्य विन्ध्याचल मंडल डॉ.अरबिन्द ने स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं व क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति से जिलाधिकारी को अवगत कराया। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने क्वालिटी एश्योंरेस कार्यक्रम के अन्तर्गत आयुष्मान आरोग्य मन्दिर में लैब स्लैब एवं बेसिंग उपलब्धता पर बल दिया। स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत डॉक्टरों के उपस्थिति की चेकिंग एवं कार्य के प्रति उनकी दक्षता का सतत् मूल्यांकन हो।

गुजरात में गरजे केजरीवाल, बोले- बीजेपी का डर खत्म, अब जनता उठा रही आवाज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को गुजरात के वडोदरा में पार्टी बूथ कार्यकर्ताओं की भीड़ को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा के भय को दूर करते हुए खुलकर बोलने के लिए नागरिकों की सराहना की। भाजपा पिछले 30 वर्षों से गुजरात में सत्ता में थी। उन्होंने कहा कि कभी सबसे समृद्ध राज्य रहा गुजरात, भाजपा द्वारा तीन वर्षों में पूरी तरह से कंगाल कर दिया गया है। केजरीवाल ने कहा कि आज लोग अपनी आवाज उठा रहे हैं। लोगों के मन से धीरे-धीरे भय दूर हो रहा है। मुझे बहुत खुशी है कि लोग धीरे-धीरे खड़े हो रहे हैं।एक समय था जब गुजरात देश का सबसे समृद्ध राज्य माना जाता था। उस समय गुजरात के लोग समृद्ध थे। आज, तीन वर्षों के भीतर, भाजपा ने सब कुछ लूट लिया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हद्दाद गांव में चल रहे विरोध प्रदर्शन में शांतिपूर्ण आंदोलन करने के बावजूद कई किसानों को गिरफ्तार किया गया। बोटाद के हद्दाद गांव में तीन महीने से चल रहे किसान विरोध प्रदर्शन में गुजरात सरकार ने 85 किसानों को गिरफ्तार किया है। ये गरीब किसान थे। वे किसानों की 'कढ़ा प्रथा' के खिलाफ आवाज उठा रहे थे। वे न्याय और किसानों के अधिकारों की मांग कर रहे थे। वे शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने हमारे राजू करपाड़ा और प्रवीण राम को भी गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने हमारे नेताओं और गरीब किसानों को जेल में डाल दिया है।मैंने गिरफ्तार किए गए 85 किसानों के परिवारों से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि आम सहमति उनके साथ मजबूती से खड़ी है और उनके लिए जेल जाने को भी तैयार है। इससे पहले रविवार को उन्होंने गुजरात में 'गुंडागर्दी को खत्म करने का संकल्प' लेने का आह्वान किया और चेतावनी दी कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियां अधिक सक्रिय हो जाएंगी और दमन बढ़ाएंगी।

कीव से कश्मीर तक, जयशंकर ने बैठक में पोलैंड को दो कड़े संदेश दिए

बीजिंग।पोलैंड को आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता दिखानी चाहिए और भारत के पड़ोस में आतंकवादी ढांचे को बढ़ावा देने में मदद नहीं करनी चाहिए, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को अपने पोलिश समकक्ष राडोस्लाव सिकोरस्की से कहा, जो पिछले साल पोलैंड और पाकिस्तान द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में कश्मीर और आतंकवाद के उल्लेख के जवाब में था। जयशंकर ने यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में यूरोपीय देशों द्वारा भारत को चुनिंदा रूप से निशाना बनाने का मुद्दा भी उठाया और इस प्रवृत्ति को अनुचित और अन्यायपूर्ण बताया। ये टिप्पणियां सिकोरस्की के साथ अपनी मुलाकात की शुरुआत में जयशंकर के टेलीविजन पर प्रसारित भाषण का हिस्सा थीं।

पिछले साल अक्टूबर में सिकोरस्की की इस्लामाबाद यात्रा के बाद जारी पाकिस्तान-पोलैंड के संयुक्त बयान में कश्मीर मुद्दे और

आतंकवाद को राज्य के समर्थन के संदर्भों को नई दिल्ली में अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिली थी। इस महीने की शुरुआत में पेरिस में वीमर ट्रायंगल प्लस प्रारूप की एक बैठक में, जिसमें जयशंकर भी शामिल हुए थे, सिकोरस्की ने भारत द्वारा रूसी तेल आयात में कमी पर संतोष व्यक्त किया था, क्योंकि इससे डरूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर. पुतिन की युद्ध मशीन को वित्तपोषण मिल रहा है। जयशंकर ने अपने टेलीविजन संबोधन में सीमा पार आतंकवाद की दीर्घकालिक चुनौती की ओर इशारा करते हुए कहा मुझे उम्मीद है कि इस बैठक में हम क्षेत्र की आपकी हालिया यात्राओं पर चर्चा करेंगे। पोलैंड को आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता दिखानी चाहिए और अपने पड़ोस में आतंकवादी ढांचे को बढ़ावा देने में मदद नहीं करनी चाहिए।

पिछले साल अक्टूबर में सिकोरस्की की इस्लामाबाद यात्रा के बाद जारी पाकिस्तान-पोलैंड के संयुक्त बयान में कश्मीर मुद्दे और आतंकवाद को राज्य के समर्थन के संदर्भों को नई दिल्ली में अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिली थी।

द्वारका में इमारत में लगी आग, व्यक्ति ने लगाई छलांग

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के द्वारका में एक इमारत में आग लगने के बाद पहली मंजिल से 21 वर्षीय युवक ने छलांग लगा दी। पुलिस ने बताया कि द्वारका सेक्टर सात स्थित इमारत के पार्किंग क्षेत्र में आग लगने की सूचना पुलिस को अपराह्न दो बजकर 12 मिनट पर मिली। पुलिस के पहुंचने पर पता चला कि चार मंजिला इमारत की पार्किंग में आग लगी हुई थी, जहां कई दमकलकर्मी आग बुझाने में लगे हुए थे। अधिकारियों ने बताया कि पालम निवासी आशीष भारद्वाज ने भूतल पर पार्किंग में रेडीमेड कपड़े रखे हुए थे, जिनमें भी आग लग गई। भारद्वाज का पहली मंजिल पर भी रेडीमेड कपड़ों का गोदाम था।

नोएडा इंजीनियर की मौत पर सीएम योगी का बड़ा एक्शन, एसआईटी करेगी जांच, 5 दिन में मांगी रिपोर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा में तकनीशियन की मौत के मामले का गंभीर संज्ञान लेते हुए घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। एसआईटी का नेतृत्व मेरठ संभागीय आयुक्त करेंगे और इसमें मेरठ जोन के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मुख्य अभियंता शामिल होंगे। दल को पांच दिनों के भीतर जांच पूरी करके मुख्यमंत्री को रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा, घटना के बाद नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम को भी प्रतीक्षा सूची में डाल दिया गया है। 27 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की ग्रेटर नोएडा में पानी से भरे गड्ढे में कार गिरने से मौत हो गई। दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस द्वारा कई घंटों तक तलाशी अभियान चलाने के बाद शव को

पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस के अनुसार, यह घटना 17 जनवरी की सुबह तड़के हुई, जब घने कोहरे में मेहता की कार अनियंत्रित होकर सेक्टर 150 में निर्माणाधीन इमारत के तहखाने के लिए खोदे गए 20 फीट से अधिक गहरे गड्ढे में गिर गई। जिस गड्ढे में उनकी मृत्यु हुई, वह पानी से भरा हुआ था और ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले एक चौराहे पर नाले के पास स्थित था। प्राधिकरण ने सेक्टर 150 और उसके आसपास के यातायात प्रबंधन से जुड़े अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों को भी कारण बताओ नोटिस जारी कर उनकी कर्तव्यहीनता के लिए स्पष्टीकरण मांगा है।सीईओ ने संबंधित विभागों से डेवलपर लोटस द्वारा किए गए आवंटन और निर्माण कार्यों पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। साइट पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा का भी आदेश दिया गया है। प्राधिकरण ने स्पष्ट कर दिया है कि निर्माण स्थलों पर सुरक्षा नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभागों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में चल रही निर्माण परियोजनाओं में सुरक्षा उपायों की दोबारा जांच करें ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

दिल्ली में अपराध पर आतिशी का 'चिट्ठी बम',अमित शाह से पूछा-राजधानी को सुरक्षा चाहिए,चुप्पी नहीं!

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) की नेता और दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर राजधानी में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चिंता व्यक्त की है और इस मामले पर चर्चा के लिए बैठक का अनुरोध किया है। एक पोस्ट में उन्होंने आगे लिखा कि मैंने माननीय गृह मंत्री अमित शाह जी को पत्र लिखकर दिल्ली में तेजी से बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चर्चा के लिए समय मांगा है। हत्या, लूटपाट, गिरोहवार और गोलीबारी की लगातार घटनाओं से नागरिकों में भय का माहौल बन रहा है। राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास हुए बम धमाके का जिक्र करते हुए आम आदमी पार्टी नेता ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। अपने पत्र में आतिशी ने लिखा, 'दिल्ली में बढ़ते अपराध ने लोगों में डर का माहौल पैदा कर दिया है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के घर के पास एक आप कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई। ग्रेटर कैलाश में एक जिम के बाहर दिनदहाड़े हत्या हुई... लाल किले के पास हुए बम धमाके ने भी सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दिल्ली में कानून-व्यवस्था की स्थिति राष्ट्रीय प्रतिष्ठा और आंतरिक सुरक्षा का विषय है... कृपया मुझे बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा करने के लिए आपसे मिलने का समय दें।'इससे पहले 10 नवंबर 2025 को ऐतिहासिक लाल किले के पास एक कार विस्फोट में कई लोग मारे गए और अन्य घायल हो गए। आरोप लगाया है कि आमिर राशिद अली ने हमले में इस्तेमाल की गई हुंडई ग20 कार की खरीद में मदद की थी, जिसे बाद में वाहन में रखे जाने वाले तात्कालिक विस्फोटक उपकरण में बदल दिया गया था। एक अन्य आरोपी जसिर बिलाल वानी उर्फ दानिश पर आतंकी हमले की तैयारियों के तहत ड्रोन में बदलाव करने और रॉकेट बनाने की कोशिश करने सहित मॉड्यूल को तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने का आरोप है।

विवाहित महिला की हत्या कर शव माता-पिता के घर के बाहर फेंका

पटना। बिहार के सारण जिले में एक विवाहित महिला की कथित तौर पर हत्या कर शव को उसके माता-पिता के घर के बाहर फेंक दिया गया।परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि दहेज को लेकर ससुराल वाले उसे प्रताड़ित कर रहे थे। पुलिस द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, महिला का शव शनिवार तड़के हरिहरनाथ मोहल्ले में उसके माता-पिता के घर के बाहर जीप में लाया गया और फेंक दिया गया, जिसके बाद आरोपी फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि शव को फेंकने के लिए इस्तेमाल की गई जीप बरामद कर ली गई है।

बीएमसी मेयर की जंगः बीजेपी- शिंदे में खींचतान

क्या उद्धव ठाकरे के समर्थन से बनेगी बात?

मुम्बई। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के महापौर पद को लेकर चल रही अटकलों के बीच, चाहे वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मिले या शिंदे सेना को, शहरी विकास विभाग ने मुंबई नगर निकाय के शीर्ष पद के लिए लॉटरी की तारीख की घोषणा कर दी है। इस बीच, उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) या यूबीटी द्वारा देवेंद्र फडणवीस की भाजपा को समर्थन देने की खबरें भी चल रही हैं। राज्य के 29 महानगरों में महापौर पद के लिए आरक्षण लॉटरी गुरुवार, 22 जनवरी को आयोजित की जाएगी। यह प्रक्रिया सुबह 11 बजे मंत्रालय के परिषद कक्ष में होगी। आरक्षण की घोषणा के बाद ही उम्मीदवारों का चयन किया जा सकेगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, जिन्होंने पहले कहा था कि महापौर का निर्णय सामूहिक रूप से लिया जाएगा, विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए रविवार को दावोस रवाना हो गए। उनके 24 जनवरी को भारत

लौटने की उम्मीद है, जिसके बाद महापौर पद पर राजनीतिक स्पष्टता आने की संभावना है। अब तक महापौर पद के लिए आरक्षण अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), महिलाओं और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए बारी-बारी से निर्धारित किया जाता था। हालांकि, न्यूज18 मराठी सूत्रों के अनुसार, नियमों में बदलाव करके इस आरक्षण को चक्रीय रूप से शुरू किया जा सकता है। राजनीतिक गहमागहमी को बढ़ाते हुए, शिंदे ने अपने पार्षदों को बांद्रा के एक पांच सितारा होटल में ठहराया है। पार्टी ने आधिकारिक तौर पर इसे नए पार्षदों के लिए एक संवाद और मार्गदर्शन कार्यक्रम बताया है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषक इसे महापौर पद के लिए चल रही तीव्र सौदेबाजी के बीच दलबदल रोकने और आंतरिक एकता को मजबूत करने की रणनीति के रूप में देख रहे हैं। शिंदे ने स्पष्ट किया कि यह ठहराव पार्षदों को एक साझा मंच प्रदान करने के लिए था, विशेष रूप से तब जब 29 सदस्यों के इस समूह का कोंकण संभागीय आयुक्त के पास औपचारिक पंजीकरण किया जा रहा है। मेयर पद के चुनाव ने तीखी राजनीतिक खींचतान को जन्म दिया है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने दावा किया कि शिंदे के खेमे के कई पार्षद मुंबई में भाजपा मेयर नहीं चाहते और उन्होंने उपमुख्यमंत्री को चुनौती दी कि वे यह सुनिश्चित करें कि अगला मेयर शिवसेना से ही हो। राउत ने यह भी याद दिलाया कि शिवसेना ने इतिहास में मुंबई को 23 मेयर दिए हैं, और आरोप लगाया कि शिंदे भी देश की वित्तीय राजधानी में भाजपा मेयर के पक्ष में नहीं होंगे। इस पर फडणवीस ने व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए कहा कि 'ईश्वर की इच्छा' के कई अर्थ हो सकते हैं, और मजाक में कहा कि उन्हें नहीं पता कि राउत ऊपर वाले भगवान की बात कर रहे हैं या उनकी, क्योंकि उन्हें 'देवभाऊ' भी कहा जाता है।

कुलदीप सिंह सेंगर को फिर नहीं मिली राहत, उन्नाव रेप पीड़िता के पिता की मौत के मामले में सजा निलंबित करने की याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को उन्नाव बलात्कार पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत से संबंधित मामले (कुलदीप सिंह सेंगर बनाम केंद्रीय जांच ब्यूरो) में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की जमानत याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति रविंदर दुडेजा ने कहा कि सेंगर 10 साल की सजा में से लगभग 7.5 साल हिरासत में बिता चुके हैं और इस मामले में उनकी दोषसिद्धि के खिलाफ अपील पर फैसला आने में देरी हुई है। यह देरी आंशिक रूप से सेंगर द्वारा दायर की गई कई याचिकाओं के कारण हुई है। इसलिए, उन्होंने जमानत और सजा के निलंबन की याचिका खारिज कर दी। उन्नाव बलात्कार पीड़िता के पिता को सेंगर के इशारे पर गिरफ्तार किया गया था और 9 अप्रैल, 2018 को पुलिस की बर्बरता के कारण हिरासत में उनकी मृत्यु हो गई। मार्च 2020 में दिल्ली की एक अदालत ने सेंगर और अन्य को उनकी मृत्यु के लिए दोषी ठहराया और 10 साल की कैद की सजा सुनाई। गौरतलब है कि जून 2024 में उच्च न्यायालय ने सेंगर की इसी तरह की याचिका खारिज कर दी थी। न्यायालय ने तब कहा था कि अपराध की गंभीरता, अपराध की प्रकृति, दोषी का आपराधिक इतिहास और

न्यायपालिका में जनता के विश्वास पर पड़ने वाले प्रभाव जैसे कारकों को ध्यान में रखते हुए, सेंगर सजा निलंबन के हकदार नहीं हैं। उन्नाव बलात्कार पीड़िता, जो एक नाबालिग थी, को कथित तौर पर 11 जून से 20 जून, 2017 के बीच सेंगर द्वारा अगवा कर बलात्कार किया गया था। इसके बाद उसे 60,000 रुपये में बेच दिया गया था। पीड़िता को सेंगर के निर्देशानुसार पुलिस अधिकारियों द्वारा लगातार धमकाया गया और चुप रहने की चेतावनी दी गई। इस मामले में उस समय विवाद खड़ा हो गया जब बिना नंबर प्लेट वाली एक लॉरी ने पीड़िता की कार को टक्कर मार दी। पीड़िता और उसके वकील गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि उसकी दो चाचियों का निधन हो गया। अगस्त 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने उन्नाव बलात्कार मामले से संबंधित चार मामलों की सुनवाई दिल्ली स्थानांतरित कर दी और आदेश दिया कि सुनवाई प्रतिदिन के आधार पर की जाए और 45 दिनों के भीतर पूरी की जाए। दिसंबर 2019 में सेंगर को नाबालिग पीड़िता के साथ बलात्कार और पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में दोषी ठहराया गया। उसे बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास और हिरासत में मौत के मामले में 10 साल की जेल की सजा सुनाई गई।

संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति का सिर्फ 2 घंटे का दिल्ली दौरा पीएम मोदी ने एयरपोर्ट पर किया स्वागत, दोस्ती की दिखी गर्मजोशी

वाशिंगटन (एजेंसी)। संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान सोमवार को दो घंटे के लिए भारत की यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। आगमन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनका स्वागत किया और कहा कि उनकी यह यात्रा भारत और यूएई के बीच मजबूत मित्रता के प्रति उनके दृष्टिकोण को दर्शाती है। यूएई के राष्ट्रपति बनने के बाद अल नाहयान की यह तीसरी आधिकारिक भारत यात्रा है। कुल मिलाकर, यह उनकी पांचवीं यात्रा है।

नाहयान के साथ चार तस्वीरें साझा करते हुए मोदी ने लिखा कि अपने भाई, महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, यूएई के राष्ट्रपति का स्वागत करने हवाई अड्डे गया था। हमारी चर्चाओं के लिए उत्सुक हूं। अल नाहयान की भारत यात्रा मध्य पूर्व में व्याप्त अस्थिरता के बीच हो रही है, जहां ईरान में हुए व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बाद तनाव काफी बढ़ गया है, जिनमें कम से कम 5,000 लोगों की जान जा चुकी है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान के सर्वोच्च नेता अली हुसैनी खामेनेई को धमकी दी है और सत्ता परिवर्तन की मांग की है। उसने क्षेत्र में अपना विमानवाहक पोत भी तैनात कर दिया है, जिससे संकेत मिलता है कि वह इस्लामी राष्ट्र पर हमला कर सकता है।

हालांकि, ईरान ने ट्रंप को चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका उस पर हमला करता है तो वह जवाबी कार्रवाई करेगा। ईरान में अशांति के अलावा, यमन को लेकर सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के बीच भी तनाव बढ़ रहा है, और खबरों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी और अल नाहयान के बीच होने वाली वार्ता में मध्य पूर्व का मुद्दा प्रमुखता से उठाया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि अल नाहयान की यात्रा से भारत और संयुक्त अरब अमीरात को अपने बीच रणनीतिक साझेदारी के नए आयाम स्थापित करने का अवसर मिलेगा।

आगे कहा गया है कि दोनों नेता क्षेत्रीय और वैश्विक विषयों तथा पारस्परिक हित के मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे, 'जिनमें भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच उच्च स्तर की समानताएं हैं।'

टी-20 वर्ल्ड कपः इंग्लैंड टीम की टेंशन खत्म, आदिल राशिद और रेहान अहमद को मिला इण्डिया का वीजा

नई दिल्ली। इंग्लैंड के क्रिकेटर रेहान अहमद और आदिल राशिद को आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारत यात्रा का वीजा मिल गया है, जो अगले महीने से शुरू हो रहा है। ईएसपीएनक्रिकइंफो के मुताबिक, आईसीसी को भरोसा है कि टूर्नामेंट में भाग लेने वाले पाकिस्तानी मूल या राष्ट्रीयता के सभी खिलाड़ियों, सहायक कर्मचारियों और अधिकारियों के वीजा की व्यवस्था समय पर कर दी जाएगी। पहले खबर आई थी कि इंग्लैंड के खिलाड़ी रेहान और राशिद अपने वीजा की मंजूरी का इंतजार कर रहे थे, जबकि विश्व कप में भाग लेने वाले उनके बाकी साथियों को वीजा मिल चुका था।

इससे पहले, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के कई पाकिस्तानी मूल के क्रिकेटरों को भारत यात्रा के दौरान वीजा मिलने में देरी का सामना करना पड़ा था। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका के अली खान ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए दावा किया कि उन्हें भारतीय वीजा देने से इनकार कर दिया गया था। 2023 पुरुष वनडे विश्व कप के दौरान, पाकिस्तान को भारत यात्रा से पहले वीजा प्राप्त करने में कुछ समय के लिए देरी का सामना करना पड़ा था। पाकिस्तान ने आगामी टी20 अंतरराष्ट्रीय विश्व कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय अस्थायी टीम की घोषणा कर दी है। हैरानी की बात यह है कि इंग्लैंड ने तेज गेंदबाज जोश टोंग को, जिन्होंने अभी तक इंग्लैंड के लिए एक भी सीमित ओवर का मैच नहीं खेला है, अपनी टी20 विश्व कप टीम में शामिल किया है। हैरी ब्रूक को टी20 विश्व कप के लिए कप्तान बनाया गया है। टीम में जोस बटलर, आदिल राशिद और जोफ्रा आर्चर जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल होंगे। इंग्लैंड 22 जनवरी से शुरू होने वाले अपने श्रीलंका दौरे पर तीन वनडे और फिर तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगा।

19 जनवरी को घर से निकलने से पहले जान लें, ये सभी रोड रहेंगे बंद

नई दिल्ली। अगर आप सोमवार को पुणे में निकलने की योजना बना रहे हैं, तो थोड़ा संभलकर। 19 जनवरी को शहर के बड़े हिस्से में ट्रैफिक की रफ्तार थमी रहेगी। दरअसल, पुणे जिला प्रशासन और साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित 'पुणे ग्रैंड चैलेंज टूर' के तहत शहर में बड़े स्तर पर ट्रैफिक डायवर्जन और सड़क बंदी की घोषणा की गई है।

बता दें कि यह साइक्लिंग प्रतियोगिता 19 से 24 जनवरी 2026 तक चलेगी, लेकिन सबसे कड़े प्रतिबंध 19 जनवरी को होने वाली 'प्रोलॉग रेस' के दौरान लागू रहेंगे। संयुक्त पुलिस आयुक्त रंजन कुमार शर्मा के अनुसार, इस रेस में साइकिल सवारों की गति 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटा तक रहने की संभावना है, जिसके चलते सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। मौजूद जानकारी के अनुसार, 19 जनवरी को सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक रेस रूट पर सभी प्रकार के वाहनों और पैदल आवाजाही पर पूरी तरह रोक रहेगी। इस दौरान फर्ग्यूसन कॉलेज रोड, यूनिवर्सिटी रोड, जंगली महाराज रोड और शिवाजीनगर-डेक्कन क्षेत्र की कई कनेक्टिंग सड़कें बंद रहेंगी। खांडूजी बाबा चौक से गुडलक चौक, गुडलक चौक से चाफेकर चौक, रेंज हिल्स से सांचेटी चौक और बाला गंधर्व चौक जैसे इलाकों में भी आवागमन प्रतिबंधित रहेगा।

गौरतलब है कि ट्रैफिक ब्लॉक के चलते पुणे नगर निगम के नौ वार्डों में स्कूल और कॉलेजों के लिए कलेक्टर अवकाश भी घोषित किया गया है। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों को सलाह दी है कि स्वारगेट, कोथरुड, खड़की या यूनिवर्सिटी की ओर जाने वाले यात्री वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। एसबी रोड, अलका चौक, भिंडे ब्रिज के जरिए रिवरबेड रोड और ओल्ड मुंबई-पुणे हाईवे को प्राथमिक विकल्प बताया गया है।

इसके अलावा, पूरे रेस रूट पर नो-पार्किंग लागू रहेगा और नियम तोड़ने वाले वाहनों को हटाया जाएगा। हालांकि, एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड और पुलिस वाहनों को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है। प्रशासन ने अस्पतालों से भी समन्वय कर वैकल्पिक व्यवस्था की है।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मनोज पाटिल ने नागरिकों से अपील की है कि वे निजी वाहनों से बचें और जहां संभव हो मेट्रो या पैदल आवाजाही का सहारा लें। अधिकारियों के अनुसार, यह असुविधा अस्थायी है और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता को सुरक्षित तरीके से आयोजित करने के लिए जरूरी कदम हैं।

बेंगलुरु का चिन्नास्वामी स्टेडियम फिर खेल के लिए तैयार, आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय मैचों की उम्मीद जगी

नई दिल्ली। क्रिकेट प्रेमियों के लिए बेंगलुरु से एक राहत भरी खबर सामने आई है। महीनों की अनिश्चितता के बाद एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में फिर से क्रिकेट मैचों के आयोजन का रास्ता साफ होता दिख रहा है। बता दें कि पिछले साल जून में हुई एक दुखद भगदड़ की घटना के बाद यह ऐतिहासिक मैदान पूरी तरह बंद कर दिया गया था, जिसमें 11 लोगों की जान चली गई थी। मौजूद जानकारी के अनुसार, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ ने सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन से जुड़े तमाम पहलुओं पर काम करने के बाद राज्य के गृह मंत्रालय से सशर्त मंजूरी हासिल कर ली है। यह अनुमति कुछ खास नियमों और शर्तों के पालन के साथ दी गई है, जिन पर संबंधित विभागों की निगरानी रहेगी। गौरतलब है कि नए अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद के नेतृत्व में केएससीए ने स्टेडियम को फिर से संचालन योग्य बनाने के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है।

'किंग' कोहली का 'सफलता मंत्र' क्या है?

सुनील गावस्कर ने बताया क्यों हैं वो सबसे अलग

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की मानसिकता की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे छवि से बंधे नहीं हैं और रन बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। गावस्कर का मानना ??है कि कोहली परिस्थिति के अनुसार अपने खेल में बदलाव लाते हैं, कभी संभलकर खेलते हैं तो कभी आक्रामक रुख अपनाते हैं। यही लचीलापन और कभी हार न मानने वाला रवैया उन्हें लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम बनाता है।

तीसरे और अंतिम वनडे में कोहली का शतक निष्फल रहा क्योंकि न्यूजीलैंड ने भारत में अपना पहला वनडे सीरीज खिताब जीता और इस उपलब्धि के लिए उन्हें 37 साल का इंतजार करना पड़ा। रविवार को इंदौर में शुभमन गिल और उनकी टीम को 41 रनों से हराकर न्यूजीलैंड ने सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

गावस्कर ने कहा कि उनकी खासियत यह है कि वे किसी छवि से बंधे नहीं हैं। बहुत से बल्लेबाज और गेंदबाज अपनी छवि से बंधे रहते हैं और उन्हें लगता है कि उन्हें उस छवि पर खरा उतरना ही होगा। विराट ऐसे नहीं हैं। वे अपने काम पर ध्यान देते हैं और उनका काम है रन बनाना।

सुनील गावस्कर ने जियोस्टार पर कहा कि कभी-कभी इसका मतलब होता है संभलकर खेलना और फिर खुलकर खेलना। कभी-कभी इसका मतलब होता है जल्दी आक्रामक खेलना और फिर फील्डिंग फैलाकर एक-दो रन लेना। वे इस बात से बंधे नहीं रहते कि उनसे किस तरह खेलने की उम्मीद की जाती है। यही उनका स्वभाव है। वे यह नहीं सोचते कि 'मुझसे छक्का मारने की उम्मीद की जाती है।' वे स्थिति के अनुसार खेलते हैं। वे कभी हार नहीं मानते। अंत तक भी वे कोशिश करते रहे। शायद उनके ग्लव्स थोड़े पसीने से भीग गए थे और ग्रिप थोड़ी ढीली पड़ गई थी, इसलिए बल्ले का मुंह घूम गया और वे बाउंड्री के पास कैच आउट हो गए। युवाओं के लिए सबसे बड़ा सबक यही है कि किसी छवि के अनुसार मत खेलो। स्थिति के अनुसार खेलो, और तुम अपनी कल्पना से कहीं ज्यादा लगातार अच्छा प्रदर्शन करोगे।

गावस्कर ने हर्षित राणा की निचले क्रम की बल्लेबाजी की भी सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने बिना किसी चिंता या अपेक्षा के बल्लेबाजी की और सिर्फ बल्ले को घुमाने पर ध्यान केंद्रित किया। गावस्कर का मानना ??था कि राणा के शांत और आक्रामक रवैये ने उन्हें अच्छी गेंदों का फायदा उठाने में मदद की और कोहली के दूसरे छोर पर होने के बावजूद उन्होंने शुरुआती असफलताओं को खुद पर हावी नहीं होने दिया।

निर्णायक वनडेः इंदौर में अर्शदीप की एंट्री, भारत ने चुनी गेंदबाज़ी

मुम्बई। इंदौर में सीरीज के निर्णायक मुकाबले से पहले माहौल पूरी तरह रोमांच से भरा हुआ नजर आया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चल रही तीन मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी करने

का फैसला किया है। बता दें कि इस मुकाबले में टीम इंडिया ने तेज़ गेंदबाज़ अर्शदीप सिंह को पहली बार प्लेइंग इलेवन में शामिल किया। मौजूद जानकारी के अनुसार, शुभमन गिल का मानना था कि शाम के समय ओस बहुत बड़ा कारक नहीं बनेगी, लेकिन इंदौर जैसे हाई-स्कोरिंग मैदान पर लक्ष्य का पीछा करना ज्यादा बेहतर विकल्प हो सकता है। गौरतलब है कि होल्कर स्टेडियम को बल्लेबाज़ों का स्वर्ग माना जाता है और यहां बड़े स्कोर अक्सर देखने को मिलते हैं। यह फैसला इसलिए भी दिलचस्प माना जा रहा है क्योंकि भारत ने इससे पहले इंदौर में अपने पिछले दो वनडे मुकाबले पहले बल्लेबाज़ी करते हुए जीते हैं, जिनमें टीम ने क्रमशः 385 और 399 रन बनाए थे। आंकड़ों पर नजर डालें तो वनडे क्रिकेट में 380 से ज्यादा के स्कोर के मामले में होल्कर स्टेडियम से आगे सिर्फ ट्रेंट ब्रिज और मुंबई का वानखेड़े स्टेडियम हैं। टीम संयोजन की बात करें तो अर्शदीप सिंह को प्रसिद्ध कृष्णा की जगह मौका दिया गया है। उम्मीद की जा रही है कि वह नई गेंद से मोहम्मद सिराज के साथ गेंदबाज़ी की शुरुआत करेंगे, जबकि तेज़ उछाल वाले गेंदबाज़ हर्षित राणा को मिडिल ओवर्स में अहम भूमिका सौंपी जा सकती है। कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा पर भी बीच के ओवरों में रन रोकने और विकेट निकालने की जिम्मेदारी रहेगी। दूसरी ओर, न्यूज़ीलैंड ने राजकोट में दूसरा वनडे जीतने वाली अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। बता दें कि न्यूज़ीलैंड ने उस मुकाबले में भारत को सात विकेट से हराकर सीरीज 1-1 से बराबर की थी।

कोहली की बल्लेबाजी 'प्लस प्वाइंट' लेकिन कई चीजों में सुधार की जरूरत है'

नई दिल्ली। कप्तान शुभमन गिल ने न्यूज़ीलैंड से वनडे श्रृंखला गंवाने के बाद कहा कि विराट कोहली की शानदार फॉर्म और हर्षित राणा का ऑलराउंड प्रदर्शन सकारात्मक पहलू हैं लेकिन भारतीय टीम में काफी क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है। कोहली ने अपना रिकॉर्ड 54वां वनडे शतक लगाया लेकिन भारत 338 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 46 ओवर में 296 रन पर आल आउट होकर 41 रन से हार गया। नीतीश कुमार रेड्डी (53) और राणा (52) के अर्धशतकों के बावजूद मेजबान टीम लक्ष्य से काफी पीछे रह गई। गिल ने पुरस्कार वितरण समारोह में कहा, ''पहले मैच के बाद और यहां 1-1 पर आने के बाद हम जिस तरह से खेले, उससे हम निराश हैं। '' उन्होंने कहा, ''कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिन्हें हमें देखना होगा, सोचना होगा और बेहतर करना होगा। जिस तरह से विराट बल्लेबाजी कर रहे हैं, वह हमेशा एक सकारात्मक पहलू है। जिस तरह से हर्षित ने इस श्रृंखला में बल्लेबाजी की है, वह शानदार है। आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं है। जिस तरह से उन्होंने आगे बढ़कर प्रदर्शन किया और जिस तरह से तेज गेंदबाजों ने इस श्रृंखला में गेंदबाजी की, वह भी अच्छा था।

माइकल कैरिक की जीत से यूनाइटेड में नई उम्मीद, आर्सेनल और टोटेनहम को झटका

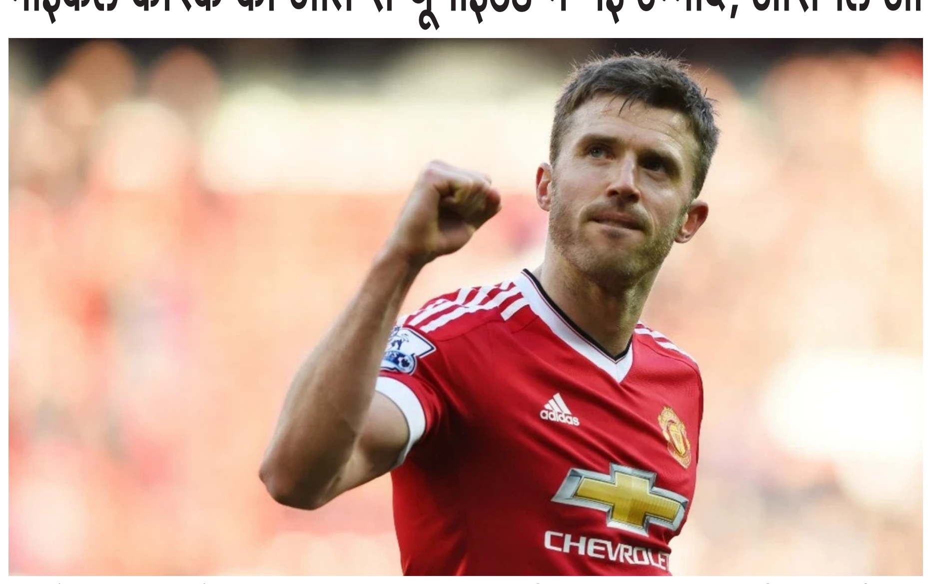

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए शनिवार का दिन खास रहा। क्लब की कमान अंतरिम तौर पर संभाल रहे माइकल कैरिक ने मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ अपने पहले ही मैच में शानदार शुरुआत की। ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए मुकाबले में यूनाइटेड ने सिटी को 2-0 से मात दी। यह कैरिक का दूसरी बार अस्थायी रूप से मुख्य कोच के तौर पर पहला मैच था, जिन्हें इसी महीने रूबेन अमोरिम को हटाए जाने के बाद यह जिम्मेदारी दी गई।

गौरतलब है कि 44 वर्षीय कैरिक इससे पहले 2021 में भी थोड़े समय के लिए यूनाइटेड के कार्यवाहक कोच रह चुके हैं। मैच से पहले उन्होंने कहा था कि क्लब में अब भी 'मैजिक' बाकी है, और मैदान पर उनकी टीम ने उसी सोच को उतारकर दिखाया है। दूसरे हाफ में ब्रायन मबेउमो और पैट्रिक डॉर्गु के गोलों ने यूनाइटेड की जीत पक्की की। मौजूद जानकारी के अनुसार, यूनाइटेड का प्रदर्शन इतना प्रभावशाली रहा कि स्कोरलाइन और बड़ी हो सकती थी, लेकिन कुछ मौकों पर फिनिशिंग की कमी दिखी।

मैच के बाद कैरिक ने कहा कि यह शानदार शुरुआत है और खिलाड़ी बेहतरीन रहे। उनके अनुसार निरंतरता ही सफलता की कुंजी है और अगर टीम इसे पकड़ लेती है, तो आगे रास्ता आसान हो सकता है। वहीं सिटी के कोच पेप गार्डियोला ने भी माना कि उनकी टीम इस मैच में अपेक्षित स्तर पर नहीं थी और बेहतर टीम ने जीत हासिल की।

दूसरी तरफ, प्रीमियर लीग की शीर्ष टीम आर्सेनल को निराशा हाथ लगी। नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ लगातार दूसरे मैच में 0-0 की बराबरी के बाद आर्सेनल अंक तालिका में बढ़त को और मजबूत करने का मौका गंवा बैठा है। हालांकि टीम अब भी सात अंकों की बढ़त बनाए हुए है, लेकिन कोच मिकेल आर्टेटा फैसलों से संतुष्ट नहीं दिखे। उनका मानना है कि उनकी टीम को एक स्पष्ट पेनल्टी मिलनी चाहिए थी, जिसे रेफरी ने नजरअंदाज किया।

उधर टोटेनहम की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। वेस्ट हैम के खिलाफ 2-1 की हार के बाद टीम 14वें स्थान पर पहुंच गई। गौरतलब है कि वेस्ट हैम नवंबर के बाद पहली लीग जीत दर्ज करने में सफल रहा। स्टॉपेज टाइम में कैलम विल्सन के गोल के बाद टोटेनहम के समर्थकों ने कोच थॉमस फ्रैंक के खिलाफ नाराज़गी जाहिर की है। इस सीजन घरेलू मैदान पर सिर्फ दो जीत ने फ्रैंक पर दबाव और बढ़ा दिया।

डिफेंडिंग चैंपियन लिवरपूल भी अंक गंवाने से नहीं बच सका है। एनफील्ड में बर्नले के खिलाफ 1-1 की बराबरी के बाद टीम को संतोष करना पड़ा। फ्लोरियन विट्ज़ ने लिवरपूल को बढ़त दिलाई थी, लेकिन दूसरे हाफ में मार्कस एडवर्ड्स के गोल ने मुकाबला बराबरी पर ला दिया। विट्ज़ ने माना कि इतने मौके बनाने के बावजूद जीत न मिलना निराशाजनक है।

अन्य मुकाबलों में चेल्सी ने ब्रेंटफोर्ड को 2-0 से हराया है, सुंदरलैंड ने क्रिस्टल पैलेस को मात दी, जबकि लीड्स ने फुलहम के खिलाफ आखिरी मिनटों में गोल कर अहम जीत दर्ज की। कुल मिलाकर, प्रीमियर लीग में यह दौर साफ दिखा रहा है कि जहां कुछ टीमों के लिए नई शुरुआत की उम्मीद जगी है, वहीं कुछ के लिए दबाव और सवाल दोनों बढ़ते जा रहे हैं।

वर्ल्ड कप से पहले कंगारुओं की बड़ी चाल! पाकिस्तान दौरे के लिए टीम घोषित

सिडनी (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी-20 सीरीज़ के लिए आधिकारिक तौर पर 17 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है, जो 29 जनवरी को लाहौर में शुरू होगी। इस टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और नए चेहरों का मिश्रण है, क्योंकि टीम अगले महीने भारत और श्रीलंका में शुरू होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे रही है। तीनों टी-20 मैच 29, 31 जनवरी और 1 फरवरी को होने हैं। सीरीज़ नज़दीक होने के कारण, ऑस्ट्रेलिया ने नाथन एलिस और ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ियों को टीम से बाहर रखा, जबकि महली बियर्डमैन और जैक एडवर्ड्स को टीम में शामिल किया। यह ध्यान देने वाली बात है कि बियर्डमैन और एडवर्ड्स दोनों को चल रहे बीबीएल (बिग बैश लीग) सीज़न में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद टी-20 टीम में बुलाया गया है। ऑस्ट्रेलिया की टी-20 वर्ल्ड कप टीम से, 10 खिलाड़ी पाकिस्तान सीरीज़ के लिए टीम में अपनी जगह बनाए रखेंगे। खास बात यह है कि जो खिलाड़ी बीबीएल सीज़न में खेल रहे हैं, वे बीबीएल खत्म होने के बाद पाकिस्तान में टीम से जुड़ेंगे। टूरिंग टीम से सबसे बड़ा नाम जो बाहर है, वह है अनुभवी बल्लेबाज़ स्टीव स्मिथ। बिग बैश लीग में शानदार प्रदर्शन के बावजूद, स्मिथ को नज़रअंदाज़ कर दिया गया है क्योंकि सेलेक्टर्स ज़्यादा आक्रामक, पावर-हिटिंग टॉप ऑर्डर को प्राथमिकता दे रहे हैं।इसके अलावा, वर्ल्ड कप से पहले अपनी रिकवरी और वर्कलोड को मैनेज करने के लिए कई बड़े स्टार पाकिस्तान दौरे से बाहर रहेंगेः पैट कमिंस, जोश हेज़लवुड और टिम डेविड पाकिस्तान नहीं जाएंगे। उम्मीद है कि चोट से ठीक होने के बाद वे सीधे श्रीलंका में वर्ल्ड कप के लिए टीम से जुड़ेंगे। ग्लेन मैक्सवेल और नाथन एलिस को भी "थ की कमिटमेंट्स के बाद इस खास सीरीज़ के लिए आराम दिया गया है।कमिंस, जो एडिलेड में खेले गए तीसरे एशेज टेस्ट के दौरान पीठ की चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे थे और सीरीज जीतने वाले मैच में छह विकेट लिए थे, पांच एशेज टेस्ट में से चार में नहीं खेले। उन्होंने टी20 विश्व कप के लिए अपनी फिटनेस बनाए रखने के लिए सीरीज के अंतिम मैचों में न खेलने का विकल्प चुना, हालांकि एडिलेड में वह बेहतरीन फॉर्म में दिखे थे। हेज़लवुड नवंबर में शेफ़ील्ड शील्ड के दौरान अपनी दाहिनी हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण पूरी श्रृंखला से बाहर रहे, जबकि डेविड की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव, जो कि सबसे हालिया चोट की चिंता है, ने होबार्ट हरिकेंस के साथ उनके बिग बैश लीग (बीबीएल) कार्यकाल को छोटा कर दिया।

तीन साल में पहली बार चीन के साथ क्या हुआ ऐसा, कैसे धीमी पड़ गई ड्रैगन की चाल

बीजिंग। पड़ोसी देश चीन के लिए ये खबर चिंता बढ़ाने वाली है। पिछले तीन वर्षों में जो स्थिति नहीं बनी थी, वो अब सामने आ गई है। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में चीन की आर्थिक वृद्धि फिसलकर 4.5प्रतिशत पर आ गई जो लगभग तीन साल की सबसे धीमी रफ्तार मानी जा रही है। इस गिरावट की मुख्य वजह घरेलू मांग में कमजोरी और रियल एस्टेट सेक्टर की लगातार चली आ रही सुस्ती रही। हालांकि राहत की बात ये है कि पूरे साल की आर्थिक वृद्धि दर बीजिंग सरकार के तय लक्ष्य के आसपास ही बनी हुई है। लेकिन तिमाही आंकड़े साफ संकेत दे रहे हैं कि अर्थव्यवस्था पर दबाव अब भी कायम है।

दिसंबर के अलग-अलग आंकड़ों से पता चलता है कि देश में घरेलू खपत कमजोर पड़ी, निवेश में गिरावट और तेज हुई, जबकि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में कुछ सुधार दिखा। दिसंबर में खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 0.9प्रतिशत बढ़ी। यह अर्थशास्त्रियों के 1.2प्रतिशत के अनुमान से कम रही और नवंबर के 1.3प्रतिशत से भी धीमी थी। विंड इंफॉर्मेशन के अनुसार, यह दिसंबर 2022 के बाद सबसे कमजोर वृद्धि है, जब खपत के संकेतक में सालाना आधार पर 1.8प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। दिसंबर में औद्योगिक उत्पादन 5.2प्रतिशत बढ़ा, जो 5प्रतिशत के अनुमान से बेहतर रहा। यह पिछले महीने के 4.8प्रतिशत से भी अधिक है, जिससे मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में सुधार के संकेत मिलते हैं। पिछले साल स्थिर पूंजी निवेश 3.8प्रतिशत घट गया, जो रॉयटर्स सर्वे में अर्थशास्त्रियों के 3प्रतिशत की गिरावट के अनुमान से भी ज्यादा खराब है। इसमें रियल एस्टेट भी शामिल है। प्रॉपर्टी सेक्टर में निवेश लगातार गिरता रहा–2025 में यह 17.2प्रतिशत घटा, जो 2024 में 10.6प्रतिशत की गिरावट से भी ज्यादा है। यह दिखाता है कि रियल

एस्टेट संकट अभी भी गहराया हुआ है। दिसंबर में शहरी बेरोजगारी दर 5.1प्रतिशत पर अपरिवर्तित रही। आंकड़ों के जारी होने के बाद मुख्य भूमि चीन का सीएसआई 300 सूचकांक 0.6प्रतिशत बढ़ा, लेकिन बाद में इसमें कुछ गिरावट आई, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक 0.8प्रतिशत गिर गया। एलएसईजी के आंकड़ों के अनुसार, अपतटीय युआन अमेरिकी डॉलर के मुकाबले थोड़ा बढ़कर 6.9604 पर पहुंच गया, जो मई 2023 के बाद का इसका सबसे मजबूत स्तर है। आंकड़ों से जुड़े विभाग ने अपनी आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि हमें और अधिक सक्रिय व प्रभावी मैक्रो नीतियां अपनानी होंगी और घरेलू मांग का विस्तार जारी रखना होगा। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था ने 2025 में मजबूती दिखाई। इसकी बड़ी वजह यह रही कि टैरिफ दरें उम्मीद से कम रहीं और निर्यातकों ने अमेरिका पर निर्भरता घटाकर दूसरे देशों की ओर रुख किया। इससे नीति-निर्माताओं को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहन पैकेज लाने में देरी करने का मौका मिला। चीन ने पिछले साल करीब 1.2 ट्रिलियन डॉलर का रिकॉर्ड व्यापार अधिशेष दर्ज किया। यह बढ़त मुख्य रूप से अमेरिका के अलावा अन्य बाजारों में तेज़ी से बढ़ते निर्यात के कारण हुई, क्योंकि ऊंचे अमेरिकी टैरिफ से बचने के लिए कंपनियों ने अपनी शिपमेंट्स दूसरे देशों की ओर मोड़ दीं। ओसीबीसी बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर टॉमी शिए के अनुसार, पहले से भेजे गए माल (फ्रंट-लोडेड शिपमेंट), ट्रांज़िट पर सख्त नियंत्रण और मुद्रा के मजबूत होने का जो असर पड़ने की आशंका थी, वह सीमित ही रहा। उनका अनुमान है कि 2026 में चीन का निर्यात करीब 3इ बढ़ सकता है।

सम्पादकीय

यह गुस्सा बस अंकिता का नहीं

उत्तराखंड में जंगलों में आग लगने वाला मौसम अभी शुरू नहीं हुआ, लेकिन उससे पहले ही राज्य में तपिश बढ़ चुकी है। 2022 के एक हत्याकांड को लेकर कई शहरों में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। वहीं, राजधानी देहरादून में एंजेल चकमा को लेकर बेचैनी है। त्रिपुरा के छात्र पर देहरादून में नस्लवादी हमला किया गया था, जिसमें उसकी मौत हो गई। साल 2022 में एक होटल में काम करने वाली 19 साल की अंकिता भंडारी की उसी होटल के मैनेजर पुलकित आर्य ने हत्या कर दी थी। अंकिता ने एक 'ञ्छ्' मेहमान को सेक्सुअल फेवर देने से इनकार किया था। आरोप है कि वह 'ञ्छ्' व्यक्ति'ञ्' से जुड़ा था। इस मामले को लेकर पिछले साल से ही नाराजगी थी, अब पूरे राज्य में आंदोलन खड़ा हो गया है। पुलकित को उम्रकैद की सजा मिल चुकी है, लेकिन राज्य के लोगों और विपक्ष का गुस्सा इस बात पर है कि सरकार अभी तक उस 'ञ्छ् शख्स' को पकड़ने में नाकाम रही है। विरोध-प्रदर्शनों में बेरोजगारी का मुद्दा भी उठ रहा है। कहा जा रहा है कि रोजगार की कमी के कारण अंकिता जैसों को असुरक्षित जगहों पर काम करना पड़ता है। राज्यसभा में पिछले साल दिसंबर में पेश इ्थ्इए के आंकड़े बताते हैं कि उत्तराखंड में बेरोजगारी दर 8.9इ है, पूरे देश में सबसे ज्यादा। उत्तराखंड में महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर ज्यादा नहीं है, इसी वजह से अंकिता केस को लेकर गुस्सा भड़कना स्वाभाविक है। पिछले 10 बरसों से 18-23 आयु वर्ग की महिलाओं में उच्च शिक्षा के मामले में राज्य का प्रदर्शन राष्ट्रीय औसत के बराबर या फिर उससे बेहतर ही रहा है। महिला स्वयं सहायता समूहों ने आधी आबादी को सशक्त किया है। हालांकि पुरुषों का पलायन, खासकर ग्रामीण इलाकों में बेहद ज्यादा है, लेकिन इसकी वजह बस आर्थिक नहीं। जंगलों की कटाई और टूरिस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में पर्यावरणीय संतुलन का ध्यान नहीं रखा गया। इसने उत्तराखंड को असुरक्षित और मौसम की चरम घटनाओं के प्रति बेहद संवेदनशील बना दिया है। इसकी वजह से ग्रामीण इलाकों से बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा है। नीति आयोग की 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य में पलायन से प्रभावित आबादी 64इ है। यही वजह है कि 15वें वित्त आयोग ने आपदा प्रबंधन में उत्तराखंड का हिस्सा बढ़ाकर 4.2इ कर दिया है। इससे पहले यह 1.9इ था। इस बीच उत्तराखंड हाईकोर्ट जंगलों के 7,375 बाउंड्री पिलर गायब होने के मामले की भी सुनवाई कर रहा है। यह केस कथित तौर पर मसूरी डिविजन में फॉरेस्ट ऑफिसर्स की संपत्तियों से जुड़ा बताया जा रहा। इन सब को देखते हुए कह सकते हैं कि अंकिता के नाम पर फूट रहा गुस्सा अकेला नहीं है। इसके पीछे वे तमाम चुनौतियां हैं, जिनका सामना आम लोग कर रहे हैं। इसके बावजूद सरकार की प्राथमिकता कुछ और लगती है। उसकी दिलचस्पी सामाजिक नियंत्रण के कानून बनाने में है। वह ळण्ण ले आई। अब हरिद्वार के घाटों पर गैर-हिंदुओं के प्रवेश को रोकने पर विचार किया जा रहा है, जबकि यह असंवैधानिक है। सार्वजनिक स्थान तो सभी के होते हैं। धरना-प्रदर्शन दरअसल सरकार से पुकार है कि वह उन मुद्दों पर ध्यान दे, जो जरूरी हैं यानी कानून व्यवस्था, रोजगार और हिमालय की पवित्रता की रक्षा।

खुशियों का संदेशवाहक पर्व है लोहड़ी

योगेश कुमार गोयल

उत्तर भारत में पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाने वाला प्रमुख पर्व है लोहड़ी। यह ऐसा त्यौहार है, जो आधुनिक युग के व्यस्तता भरे माहौल में सुकून भरे कुछ पल लेकर आता है और लोग सारी व्यस्तताएं भूलकर भरपूर जोश और उल्लास के साथ इस पर्व का भरपूर आनंद लेते हैं। पंजाब तथा जम्मू कश्मीर में तो लोहड़ी पर्व मकर संक्रांति के रूप में ही मनाया जाता है। सिंधी समाज में भी मकर संक्रांति से एक दिन पहले लोहड़ी के रूप में 'लाल लाही' नामक पर्व मनाया जाता है। लोहड़ी को लेकर कुछ लोककथाएं भी प्रचलित हैं। मान्यता है कि कंस ने इसी दिन लोहिता नामक एक राक्षसी को श्रीकृष्ण का वध करने के लिए भेजा था, जिसे श्रीकृष्ण ने खेल-खेल में ही मार डाला था और उसी घटना की स्मृति में यह पर्व मनाया जाने लगा। लोहड़ी पर अग्नि प्रज्जवलित करने के संबंध में एक लोककथा यह भी है कि दक्ष प्रजापति की पुत्री सती के योगाग्नि दहन की स्मृति में ही इस दिन अग्नि प्रज्जवलित की जाती है। लोहड़ी को लेकर सर्वाधिक प्रचलित कथा दुल्ला भट्टी नामक डाकू से संबंधित रही है, जिसे 'पंजाबी रॉबिनहुड' का दर्जा प्राप्त है।

जिस प्रकार होली जलाई जाती है, ठीक उसी प्रकार लकडियां एकत्रित कर लोहड़ी के अवसर पर अलाव जलाये जाते हैं और अग्नि का तिलों से पूजन किया जाता है। जिस दिन यह पर्व मनाया जाता है, उस दिन कड़ाके की ठंड होती है और उत्तर भारत में अधिकांश जगहों पर घने कोहरे के बीच तापमान प्रायः शून्य से पांच डिग्री के बीच होता है लेकिन इतनी ठंड के बावजूद इस पर्व के प्रति लोगों का उत्साह देखते बनता है। लोहड़ी के पावन अवसर पर लोग घरों के बाहर अलाव जलाकर यह पर्व धूमधाम से मनाते हैं। इस पर्व का संबंध उस उत्सव से भी माना गया है, जिसमें सर्दी को अलविदा कहते हुए सूर्यदेव का आव्हान करते हुए कहा जाता है कि वह इस माह अपनी किरणों से पृथ्वी को इतना गर्म कर दे कि ठंड से किसी को कोई नुकसान न पहुंचे और लोग आसानी से सर्दी के मौसम का मुकाबला कर सकें। माना जाता है कि इसी दिन से सर्दी कम होने लगती है। लोग अपने घरों के बाहर अलाव जलाकर ठंड से बचाव करने के साथ-साथ अग्नि की पूजा भी करते हैं ताकि उनके घर में अग्निदेव की कृपा से सुख-समृद्धि का साम्राज्य स्थापित हो सके।

हरियाणा व पंजाब में जिस घर में नई शादी हुई हो अथवा संतान (लड़के) का जन्म हुआ हो या शादी की पहली वर्षगांठ का मौका हो, ऐसे परिवारों में लोहड़ी का विशेष महत्व होता है। इन परिवारों में लोहड़ी के अवसर पर

उत्सव जैसा माहौल होता है। आसपास के लोगों के अलावा रिश्तेदार भी इस उत्सव में सम्मिलित होते हैं। घर में अथवा घर के बाहर खुले स्थान पर अग्नि जलाकर लोग उसके इर्द-गिर्द इकट्ठे होकर आग सेंकते हुए अग्नि में मूंगफली, गुड़, तिल, रेवड़ी, मक्का के भुने हुए दानों इत्यादि की आहूति देते हैं और रातभर भंगड़ा, गिद्धा करते हुए मनोरंजन करते हैं तथा बधाई देते हैं।

लोहड़ी का संबंध सुन्दरी नामक एक ब्राह्मण कन्या और दुल्ला भट्टी नामक कुख्यात डाकू से जोड़कर देखा जाता रहा है। दुल्ला भट्टी अमीरों का धन लूटकर निर्धनों में बांट दिया करता था। कहा जाता है कि गंजीबार क्षेत्र, जो इस समय पाकिस्तान में है, में एक ब्राह्मण रहता था, जिसकी सुन्दरी नामक एक बहुत खूबसूरत बेटी थी, जो इतनी खूबसूरत थी कि उसके सौन्दर्य की चर्चा गली-गली में होने लगी थी। जब उसके बारे में गंजीबार के राजा को पता चला तो उसने ठान लिया कि वह सुन्दरी को अपने हरम की शोभा बनाएगा। तब उसने सुन्दरी के पिता को संदेश भेजा कि वह अपनी बेटी को उसके हरम में भेज दे। इसके लिए ब्राह्मण को तरह-तरह के प्रलोभन भी दिए मगर ब्राह्मण अपनी बेटी को राजा की रखैल नहीं बनाना जाता था। उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे? जब उसे कुछ नहीं सूझा तो उसे जंगल में रहने वाले कुख्यात डाकू दुल्ला भट्टी का ख्याल आया, जो गरीबों व शोषितों की मदद करने के लिए हमेशा तत्पर रहता था। घबराया ब्राह्मण अपनी बेटी सुन्दरी को लेकर उसी रात उसके पास पहुंचा और विस्तार से सारी बात बताई। दुल्ला भट्टी ने ब्राह्मण की व्यथा सुन उसे सांत्वना दी और रात को ही एक योग्य ब्राह्मण लड़के की तलाश कर सुन्दरी को अपनी ही बेटी मानकर उसका कन्यादान अपने हाथों से करते हुए उस युवक के साथ सुन्दरी का विवाह कर दिया।

गंजीबार के राजा को इसकी जानकारी मिली तो वह बौखला उठा। उसके आदेश पर उसकी सेना ने दुल्ला भट्टी के ठिकाने पर धावा बोल दिया किन्तु दुल्ला भट्टी और उसके साथियों ने राजा को बुरी तरह धूल चटा दी। दुल्ला भट्टी के हाथों गंजीबार के शासक की हार होने की खुशी में गंजीबार में लोगों ने अलाव जलाए और दुल्ला भट्टी की प्रशंसा में गीत गाकर भंगड़ा डाला। कहा जाता है कि तभी से लोहड़ी के अवसर पर गाए जाने वाले गीतों में सुन्दरी व दुल्ला भट्टी को विशेष तौर पर याद किया जाने लगा। लोहड़ी से पहले ही बच्चे इकट्ठे होकर लोहड़ी के गीत गाते हुए घर-घर जाकर लोहड़ी मांगने लगते हैं। इस दिन उत्सव के लिए लकडियां व उपले एकत्र करने के लिए भी बच्चे कई दिन पहले ही जुट जाते हैं। वैसे समय बीतने के साथ-साथ अब घर-घर से लकडियां मांगकर लाने की परम्परा समाप्त होती जा रही है। बहुत से स्थानों पर लोग अब लकडियां व उपले बच्चों के जरिये मांग-मांगकर एकत्र कराने के बजाय खरीदने लगे हैं।

लोहड़ी के दिन सुबह से ही रात के उत्सव की तैयारियां आरंभ हो जाती हैं और रात के समय लोग अपने-अपने घरों के बाहर अलाव जलाकर उसकी परिक्रमा करते हुए उसमें तिल, गुड़, रेवड़ी, चिड़वा, पॉपकॉर्न इत्यादि डालते हैं और माथा टेकते हैं। उसके बाद अलाव के चारों ओर बैठकर आग सेंकते हैं। तब शुरू होता है गिद्दा और भंगड़ा का मनोहारी कार्यक्रम, जो रात्रि में देर तक चलता है और कहीं-कहीं तो पूरी-पूरी रात भी चलता है। अगले दिन प्रातः अलाव ठंडा होने पर मौहल्ले के सभी लोग इसकी राख को 'ईश्वर का उपहार' मानते हुए अपने-अपने घर ले जाते हैं। यह पर्व सही मायने में समाज में प्रेम व भाईचारे की अनूठी मिसाल कायम करता है।

सृष्टि में ऊर्जा का नवसंचार करने वाला पर्व है मकर संक्रांति

मृत्युंजय दीक्षित

शीत ऋतु के मध्य जब सूर्यदेव धनु राशि को छोड़कर मकर राशि में प्रवेश करते हैं और उनकी उत्तरायण गति प्रारम्भ होती है, तब मकर संक्रांति होती है। यह पर्व सृष्टि में उर्जा का नवसंचार करने वाला पर्व है। मकर संक्रांति के दिन जप, तप, दान, स्नान, श्रद्धा, तर्पण आदि धार्मिक विधि विधान व कर्मों का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दिन दिया गया दान सौ गुना बढ़कर प्राप्त होता है। इस दिन उड़द, चावल, तिल, गौ, स्वर्ण, ऊनी, वस्त्र, कम्बल आदि दान करने का विशेष महत्व है। । इस दिन गंगा स्नान एवं गंगातट पर दान का विशेष महत्व है। इस पर्व पर तीर्थराज प्रयाग एवं गंगा सागर में स्नान को महास्नान की संज्ञा दी गयी है। इस संक्रांति से सूर्य सभी राशियों को प्रभावित करते हैं।

इस पर्व का का सम्बन्ध हमारे पौराणिक इतिहास से भी है। इस दिन भगवान भास्कर अपने पुत्र शनि से मिलने स्वयं उसके घर जाते हैं। महाभारत काल में इसी दिन भीष्म पितामह ने अपनी देह का त्याग किया था। आज ही के दिन गंगाजी भगीरथ के पीछे- पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होती हुई सागर में जाकर मिली थीं। इसी दिन भगवान विष्णु ने असुरों का अंत कर युद्ध समाप्ति की घोषणा की थी और यही कारण है कि इस पर्व को बुराइयों और नकारात्मकता समाप्त करने का पर्व कहा जाता है। वैज्ञानिक मान्यता है कि इस दिन से रातें छोटी एवं दिन बड़े होने लगते हैं तथा सूर्य का ताप बढ़ने लगता है। दिन बड़ा होने से प्रकाश का वातावरण अधिक होता है अतः सूर्य की राशि में हुए परिवर्तन को अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर होना माना गया है। प्रकाश अधिक होने से प्राणियों की चैतन्यता एवं कार्यशक्ति में वृद्धि होती हैं।

इस अवसर पर सम्पूर्ण भारत में सूर्य देव की उपासना, आराधना एवं पूजन करने का विधि-विधान है। हरियाणा और पंजाब में यह पर्व लोहड़ी के रूप में मनाया जाता है। इस दिन अंधेरा होते ही आग जलाकर अग्निदेव की पूजा करते हुए तिल गुड़ चावल और भुने हुए मुक्के की आहुति दी जाती है। इस सामग्री को तिल चौली कहा जाता है। इस दिन पारम्परिक मक्के की रोटी व सरसों के साग का आनंद भी उठाया जाता है। उत्तर प्रदेश में यह पर्व दान का पर्व है। तीर्थराज प्रयाग में गंगा, यमुना व सरस्वती के संगम पर विशाल मेला लगता है, जिसे माघ मेले के

नाम से जाना जाता है। इसी दिन से मांगलिक कार्यों भी आरम्भ हो जाते है। माघ मेला स्नान पौष पूर्णिमा से शिवरात्रि तक चलता है। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में गोरखनाथ मंदिर में विशाल मेला लगता है जो खिचड़ी मेले के नाम से प्रसिद्ध है। इस अवसर पर नेपाल के राज परिवार की ओर से गोरक्षनाथ को प्रथम खिचड़ी अर्पित होती है। राज्य की सभी नदियों के तट पर स्नान तथा व दान पर्व होता है। इस दिन दान के उपरांत खिचड़ी खाने एवं खिलाने का बड़ा महत्व है। तमिलनाडु में इस पर्व को पोंगल के रूप में चार दिन तक मनाया जाता है। पोंगल मनाने के लिये स्नान करके खुले आंगन में मिट्टी के बर्तन में खीर बनायी जाती है। जिसे पोंगल कहते हैं। इसके बाद सूर्यदेव को भोग लगाया जाता है। कर्नाटक, केरल व आंध्रप्रदेश में इसे संक्रांति ही कहते हैं। बिहार में भी इस पर्व को खिचड़ी नाम से ही जाना जाता हैं। महाराष्ट्र में भी यह पर्व बड़े धूमधाम व उमंग के साथ मनाया जाता है यहाँ इस दिन महिलाएं आपस में तिल, गुड़ एवं रोली और हल्दी बांटती है। वहीं बगाल में इस पर्व पर तिल दान करने की प्रथा है। यहां गंगासागर में प्रतिवर्ष विशाल मेला लगता है। असोम में मकर संक्रांति को माघ बिहु अथवा भोगाली बिहू के नाम से मनाया जाता हैं । गुजरात में मकरसंक्रांति पर दान स्नान के साथ साथ पतंग उड़ाने का भी प्रचलन है जिसमें भारी संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक तथा बड़ी- बड़ी हस्तियां हिस्सा लेती हैं। मकर सक्रांति का पर्व पूरे भारत को एक सूत्र में जोड़ने वाला उत्साह, उमंग और उल्लास का पर्व है। यह समाज को सकारात्मक विचार प्रदान करने वाला पर्व है। सामाजिक एकीकरण का पर्व है। हिन्दुओं की साझी परंपरा का पर्व है। हमें इस आध्यात्मिक उर्जा से भरे पर्व की राष्ट्रीय सार्थकता को समझते हुए इसके मूल स्वरूप को बचाए रखने का प्रण लेकर इसे उपभोक्तावाद से संरक्षित करना होगा।

ईरान सुलग रहा है, सत्ता कांप रही है, जनता का डर खत्म हो रहा है

नीरज कुमार दुबे

ईरान इस समय उबाल पर है। जो विरोध महंगाई, बेरोजगारी और बदहाल अर्थव्यवस्था के खिलाफ शुरू हुआ था वह अब सीधे इस्लामी सत्ता व्यवस्था को उखाड़ फेंकने की चुनौती बन चुका है। लगातार बारह दिनों से सड़कों पर उतर रही जनता अब केवल नारे नहीं लगा रही बल्कि सत्ता के प्रतीकों को जलाकर यह साफ संदेश दे रही है कि डर की दीवार टूट चुकी है। सरकारी इमारतें, पुलिस चौकियां और प्रशासनिक वाहन जनता के गुस्से का निशाना बन रहे हैं। यह केवल प्रदर्शन नहीं है, यह व्यवस्था के खिलाफ खुला विद्रोह है। तेहरान से लेकर मशहद, इस्फहान और दर्जनों छोटे शहरों तक हालात एक जैसे हैं। सड़कों पर युवा हैं, महिलाएं हैं, मजदूर हैं और अब मध्यम वर्ग भी खुलकर सामने आ चुका है। नारे अब रोटी कपड़ा और नौकरी तक सीमित नहीं रहे। सीधे सर्वोच्च नेता और पूरी इस्लामी व्यवस्था को ललकारा जा रहा है। सत्ता के खिलाफ इस तरह की खुली बगावत ईरान के इतिहास में बहुत कम देखी गई है। हालांकि ईरान सरकार का जवाब भी उतना ही सख्त और बेरहम है। इंटरनेट बंद, मोबाइल सेवाएं ठप, सुरक्षा बलों को खुली छूट और गिरफ्तारियों का अंधाधुंध दौर चल रहा है। दर्जनों मौतें हो चुकी हैं और हजारों लोग जेलों में ठूंस दिए गए हैं। सत्ता यह दिखाना चाहती है कि वह अब भी मजबूत है, लेकिन हकीकत यह है कि डर के बल पर चलने वाली किसी भी व्यवस्था का अंत हमेशा हिंसक होता है। हम आपको यह भी बता दें कि इन हालात के बीच रेजा पहलवी का नाम फिर से उभर रहा है। वह ईरान के आखिरी शाह के बेटे हैं और खुद को देश का वैध क्राउन प्रिंस मानते हैं। हम आपको याद दिला दें कि 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद उनका परिवार देश छोड़ने पर मजबूर हुआ था। तब से वह निर्वासन में हैं और खुद को लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्ष ईरान का चेहरा बताने की कोशिश कर रहे हैं। रेजा पहलवी खुले तौर पर मौजूदा सत्ता को अवैध बताते हैं और सेना तथा जनता से अपील कर रहे हैं कि वह इस्लामी नेतृत्व का साथ छोड़ दें। उनके समर्थक उन्हें ईरान के लिए एक वैकल्पिक नेतृत्व के रूप में पेश कर रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ भावनात्मक अपील है या वाकई सत्ता परिवर्तन का कोई ठोस खाका है। सवाल यह भी है कि क्या ईरान में तख्तापलट होने वाला है? देखा जाये तो यह सवाल इस समय हर विश्लेषण का केंद्र बना हुआ है। मगर सच्चाई यह है कि ईरान में हालात गंभीर जरूर हैं लेकिन तख्तापलट के लिए संगठित नेतृत्व, सेना का समर्थन और सत्ता संरचना के भीतर दरार जरूरी होती है। फिलहाल जो दिख रहा है वह जनता का गुस्सा है, लेकिन वह गुस्सा बिखरा हुआ है। कोई एक केंद्रीकृत नेतृत्व नहीं है जो सत्ता संभालने की स्थिति में हो। रेजा पहलवी की लोकप्रियता सोशल मीडिया और प्रवासी ईरानियों में जरूर है, लेकिन देश के भीतर उनके पास न तो संगठन है और न ही जमीन पर नियंत्रण। ईरान की सुरक्षा व्यवस्था बेहद मजबूत और वैचारिक रूप से कट्टर है। रिवोल्यूशनरी गार्ड केवल सेना नहीं बल्कि सत्ता की भी रीढ़ हैं। जब तक इस ढांचे में टूट नहीं होती तब तक तख्तापलट की बात करना जल्दबाजी होगी। जहां तक यह सवाल है कि क्या राजशाही की वापसी संभव है तो आपको बता दें कि राजशाही की वापसी एक और भावनात्मक कल्पना है। आज का ईरान 1979 वाला ईरान नहीं है। चार दशक की इस्लामी सत्ता ने समाज की संरचना बदल दी है। नई पीढ़ी स्वतंत्रता चाहती है लेकिन जरूरी नहीं कि वह किसी शाह को फिर से गद्दी पर बैठाना चाहती हो। रेजा पहलवी खुद भी खुलकर यह नहीं कहते कि वे राजा बनेंगे। वह सत्ता को जनता के हवाले करने और जनमत संग्रह की बात करते हैं। इसका मतलब साफ है कि राजशाही की वापसी फिलहाल एक नारा भर है, हकीकत नहीं। ईरान संकट का सामरिक प्रभाव देखें तो इसमें कोई दो राय नहीं कि ईरान पूरे पश्चिम एशिया की धुरी है। यहां अस्थिरता का मतलब है तेल बाजार में उथल पुथल, खाड़ी क्षेत्र में तनाव और कई देशों में प्रॉक्सी संघर्ष का तेज होना।

जेन ज़ेड को लेकर पीएम मोदी का बयान सही है या मनीष तिवारी की चिंता सही है?

नीरज कुमार दुबे

देश की राजनीति में इन दिनों जेन जी को लेकर एक वैचारिक घमासान तेज हो गया है। एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं जो जेन जी को भारत के भविष्य का वाहक बताते हुए उनसे मानसिक गुलामी की बेड़ियां तोड़ने का आह्वान कर रहे हैं तो दूसरी ओर कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी हैं जो एशिया के कई देशों में जेन जी के नेतृत्व में हुए हालिया प्रदर्शनों को चेतावनी की तरह देखते हैं और उसके गहरे निहितार्थों की बात करते हैं।

हम आपको बता दें कि एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं को संबोधित करते हुए साफ कहा कि जेन जी का सबसे बड़ा दायित्व देश को दासता की मानसिकता से बाहर निकालना है। उन्होंने कहा कि यह केवल राजनीतिक स्वतंत्रता का सवाल नहीं बल्कि सोच की आजादी का प्रश्न है। उन्होंने कहा कि भारत लंबे समय तक औपनिवेशिक मानसिकता का शिकार रहा है जहां अपनी क्षमताओं पर संदेह किया गया और विदेशी मानकों को ही श्रेष्ठ माना गया। मोदी ने कहा कि आज का युवा उस दौर को नहीं जानता जब नीतिगत पंगुता और निर्णयहीनता ने देश की गति को थाम रखा था लेकिन यही युवा अब उस सोच को हमेशा के लिए दफन कर सकता है।

प्रधानमंत्री ने जेन जी को आत्मनिर्भर भारत का असली सिपाही बताते हुए कहा कि स्टार्टअप संस्कृति, तकनीक आधारित नवाचार, अंतरिक्ष विज्ञान और डिजिटल भारत जैसी पहलों में युवाओं की भूमिका निर्णायक है। उनका जोर इस बात पर था कि जेन जी को केवल विरोध की राजनीति तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि समाधान और सृजन की राजनीति को आगे बढ़ाना चाहिए। मोदी ने कहा कि भारत का युवा अगर अपनी जड़ों और सांस्कृतिक आत्मविश्वास से जुड़ता है तो वह वैश्विक मंच पर भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकता है।

इसके विपरीत कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी का नजरिया कहीं अधिक सतर्क और चिंतित दिखाई देता है। उन्होंने हाल के महीनों में एशिया के कई देशों में जेन जी के नेतृत्व में हुए आंदोलनों का हवाला देते हुए कहा कि इन प्रदर्शनों को सिर्फ युवा आक्रोश कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। तिवारी ने कहा कि इन आंदोलनों ने कई जगह सरकारों को हिला दिया और कहीं कहीं सत्ता परिवर्तन तक का कारण बने। उनका कहना है कि यह समझना जरूरी है कि ये आंदोलन

केवल स्थानीय असंतोष का परिणाम नहीं हैं बल्कि इनके पीछे वैश्विक राजनीतिक प्रवृत्तियां और डिजिटल माध्यमों की बड़ी भूमिका है।

मनीष तिवारी ने आगाह किया कि सोशल मीडिया और डिजिटल नेटवर्क के जरिये जेन जी तेजी से संगठित होती है और भावनात्मक मुद्दों पर उग्र प्रतिक्रिया देती है। यह शक्ति जितनी रचनात्मक हो सकती है उतनी ही विनाशकारी भी साबित हो सकती है अगर इसे विवेकपूर्ण दिशा न मिले। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को अन्य एशियाई देशों के अनुभवों से सबक लेना चाहिए जहां युवा आंदोलनों ने लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव डाला और अस्थिरता पैदा की।

देखा जाये तो दुनिया भर में जेन जी के आंदोलनों ने एक नया राजनीतिक पैटर्न गढ़ा है। ये आंदोलन तेज हैं भावनात्मक हैं और डिजिटल प्लेटफार्म के सहारे सीमाओं को लांघते हैं। लेकिन भारत का संदर्भ अलग है। यहां का जेन जी सामाजिक, सांस्कृतिक विविधता, संविधानिक ढांचे और लोकतांत्रिक परंपराओं के बीच पला बढ़ा है। यही कारण है कि भारतीय जेन जी को केवल वैश्विक आंदोलनों की नकल करने वाला नहीं बल्कि अपने तरीके से प्रतिक्रिया देने वाला माना जा रहा है।

मोदी और मनीष तिवारी के बयानों के बीच की टकराहट असल में इस सवाल पर आकर टिक जाती है कि युवा शक्ति को प्रेरणा की जरूरत है या नियंत्रण की। मोदी जहां युवाओं में आत्मविश्वास और राष्ट्रीय चेतना भरना चाहते हैं वहीं मनीष तिवारी इस चेतना को विवेक और सावधानी के साथ देखने की बात करते हैं। हालांकि दोनों ही यह मानते हैं कि जेन जी अब हाशिये पर नहीं बल्कि राजनीति और समाज के केंद्र में है।

देखा जाये तो जेन जी को लेकर चल रही यह बहस भारत के भविष्य की बहस है। प्रधानमंत्री मोदी की बातों में एक स्पष्ट संदेश है कि युवा केवल शिकायत करने वाली पीढ़ी न बने बल्कि देश की दिशा बदलने वाली शक्ति बने। दासता की मानसिकता से मुक्ति का आह्वान दरअसल आत्मविश्वास और स्वदेशी सोच की पुकार है। वहीं मनीष तिवारी की चेतावनी यह याद दिलाती है कि ऊर्जा अगर दिशा विहीन हो जाए तो वह रचनात्मक कम और विध्वंसक अधिक हो सकती है। हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी और मनीष तिवारी के बीच चल रही जेन जी को लेकर बहस के समानांतर राहुल गांधी भी युवाओं से संवाद की अपनी अलग रणनीति के कारण चर्चा में रहे हैं। हाल के दिनों में जेन जी के साथ उनकी अनौपचारिक बातचीत के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए हैं जिनमें वे कॉलेज जीवन, प्रेम प्रसंगों, व्यक्तिगत पसंद और युवाओं की रोजमर्रा की चिंताओं पर खुलकर बात करते दिखाई देते हैं। यह संवाद कई बार गंभीर राजनीति से ज्यादा मीम संस्कृति का हिस्सा बन गया। दरअसल, कांग्रेस की रणनीति के तहत यह प्रयास जेन जी को सीधे संबोधित करने और उन्हें लोकतंत्र, संविधान और चुनावी प्रक्रिया से जोड़ने का है। राहुल गांधी बार बार युवाओं से अपील करते रहे हैं कि वह केवल दर्शक न बनें बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभाएं खासकर रोजगार, भ्रष्टाचार और चुनावी पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर। उन्होंने कुछ ऐसे बयान भी दिये जिन्हें जेन जी को उकसाने के तौर पर देखा गया। हालांकि यह साफ दिख रहा है कि जेन जी केवल राजनीतिक संदेश सुनने वाला वर्ग नहीं है बल्कि वह खुद विमर्श की दिशा तय करने लगा है। बहरहाल, भारत का जेन जी इन दोनों ध्रुवों के बीच खड़ा है। उसके पास विरोध की ताकत भी है और निर्माण की क्षमता भी।

क्या आप भी इन साइलेंट लक्षण को कर रहीं इग्नोर? हो सकता है सर्वाइकल कैंसर

आमतौर पर महिलाओं में होने वाला सर्वाइकल कैंसर एक मुख्य कैंसर है। इसके बाद महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर अधिक देखने को मिलता है। इससे बचाव के लिए वैक्सीन भी मौजूद है, लेकिन सही जानकारी न होने के कारण हर साल कई महिलाएं इसकी वजह से अपनी जान गंवा देती हैं। सर्वाइकल कैंसर की सबसे खतरनाक बात यह है कि शुरुआती दौर में बिना शोर किए, चुपचाप शरीर में पनपता है। इस कैंसर इलाज संभव है क्योंकि इसकी वैक्सीन मौजूद है। टीकाकरण, समय पर स्क्रीनिंग और शुरुआती लक्षणों की पहचान से इसे आसानी से रोका और ठीक किया जा सकता है। एक्सपर्ट का कहना है कि अगर सर्वाइकल कैंसर की पहचान शुरुआती अवस्था में हो जाए, तो इसका पूरी तरह इलाज संभव है। लेकिन दिक्कत यह है कि शुरुआती लक्षण अक्सर इतने सामान्य होते हैं कि महिलाएं उन्हें पहचान नहीं पातीं या अनदेखा कर देती हैं। खासतौर पर 30 से 35 वर्ष की उम्र की महिलाओं में इसका जोखिम अधिक देखा जाता है। इसलिए जरूरी है कि इसके छिपे हुए संकेतों को समय रहते समझा जाए। आइए जानें सर्वाइकल कैंसर के ऐसे साइलेंट संकेतों के बारे में, जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। **30 की उम्र में सर्वाइकल कैंसर के साइलेंट लक्षण** - पीरियड्स के बीच या सेक्सुअल रिलेशन के बाद ब्लीडिंग- बदबूदार या असमान्य वजाइनल डिस्चार्ज - पेल्विक या लोअर बैक में लगातार दर्द - इंटरकोर्स में बहुत अधिक दर्द - बार-बार थकान और कमजोरी महसूस होना है - वजन घटना - पीरियड्स में हैवी ब्लीडिंग होना - बार-बार यूरिन आना - अचानक से भूख न लगना **सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए इन बातों पर दें ध्यानः**हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, यदि इनमें से कोई भी लक्षण महसूस हो, तो इसे बिल्कुल नजरअंदाज न करें और डॉक्टर से बात जरूर करें। सर्वाइकल कैंसर कई प्रकार के एचपीवी वायरस से कारण होता है। ऐसे में इससे बचने के लिए वैक्सीन लगवाना जरूरी है। ये लक्षण सर्वाइकल कैंसर के ही हों, ऐसा जरूरी नहीं है, हालांकि आप डॉक्टर की राय जरूर लें। इसके अलावा, पैप स्मीयर या टेस्ट के बारे में भी डॉक्टर से सलाह लें। इस बात का ध्यान रखें कि समय पर जांच और सही इलाज से इस कैंसर को ठीक किया जा सकता है।

फैटी लीवर का मूक हमला, ग्रेड 1 को 'सामान्य' समझने की भूल पड़ सकती है बहुत भारी

आजकल फैटी लिवर की समस्या होना आम हो गया है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि आप इस पर ध्यान न दें या फिर इसको नजरअंदाज कर दें। अक्सर जब रिपोर्ट में फैटी लिवर आता है, तो लोग कहते नजर आते हैं कि यह नॉर्मल है और आजकल सभी को होता है। ऐसा सुनकर कई बार हम फैटी लिवर ग्रेड 1 पर ध्यान नहीं देते हैं। अगर आप भी ऐसी गलती कर रहे हैं, तो आपको समझना चाहिए कि अगर ग्रेड 1 फैटी लिवर पर ध्यान न दिया जाए, तो यह कब ग्रेड 2 या फिर उससे भी सीरियस कंडीशन में बदल जाए, आपको पता भी नहीं चलेगा। लिवर डैमेज की शुरुआत होने पर आपको डॉक्टरों के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं। ग्रेड 1 फैटी लिवर को मैनेज करने के लिए आपको अपनी डाइट और लाइफस्टाइल में बदलाव करना चाहिए। साथ ही कुछ खास बातों पर ध्यान देना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

इन तीन बातों पर दें ध्यानः शरीर में माइक्रोन्यूट्रिएंट्स जैसे विटामिन-ई, कोलीन और विटामिन-बी कॉम्पलेक्स, हमारे लिवर के सही तरीके से फंक्शन के लिए काफी जरूरी हैं। अधिकतर लोग इस बात को नहीं जानते हैं कि अगर में इन चीजों की कमी हो जाती है, तो इसका सीधा असर हमारे लिवर हेल्थ पर पड़ता है। इनकी कमी होने पर लिवर सही तरीके से अपना

काम नहीं कर पाता है। अगर आपको ग्रेड 1 फैटी लिवर है, तो आपको अपनी डाइट में इन न्यूट्रिएंट्स से भरपूर चीजों को शामिल करना चाहिए। जिससे कि लिवर फंक्शन में सुधार हो सके। जब लिवर सही तरीके से काम नहीं करता है, तो शरीर में टॉक्सिन्स जमा होने लगते हैं। ऐसे में लिवर का सही तरीके से फंक्शन करना बहुत जरूरी होता है। आपकी लिवर हेल्थ पर इंसुलिन रेजिस्टेंस का असर डालता है। इसकी वजह से भी फैटी लिवर के लक्षण बढ़ सकते हैं। आमतौर पर इंसुलिन रेजिस्टेंस की वजह से ही फैटी लिवर होता है। क्योंकि ब्लड शुगर लेवल बढ़ा हुआ रहता है, इसके कारण लिवर में फैट जमा होने लगता है। फैटी लिवर के लक्षणों को कम करने के लिए इंसुलिन रेजिस्टेंस को कम करना जरूरी होता है। आपकी मेथी दाना और दालचीनी समेत कई चीजें मदद कर सकती हैं। इंसुलिन रेजिस्टेंस भी आपकी लिवर हेल्थ पर असर डालता है और इसके कारण भी फैटी लिवर के लक्षण बढ़ सकते हैं। आमतौर पर फैटी लिवर, इंसुलिन रेजिस्टेंस की वजह से ही होता है, क्योंकि हमारा ब्लड शुगर लेवल बढ़ा हुआ रहता है और इसकी वजह से लिवर में फैट जमा होने लगता है। फैटी लिवर के लक्षणों को कम करने के लिए, इंसुलिन रेजिस्टेंस को कम करना जरूरी है। दालचीनी और मेथी दाना समेत कई चीजें आपकी मदद कर सकती हैं।जैसे-जैसे इंसुलिन सेंसिटिविटी में सुधार होगा, फैटी लिवर के लक्षण भी कम हो सकते हैं। इंफ्लेमेशन का लिवर हेल्थ पर सबसे बुरा असर होता है। अगर बॉडी में इंफ्लेमेशन ज्यादा है, तो न सिर्फ लिवर खराब हो सकता है। बल्कि कई और बॉडी फंक्शन्स पर भी इसका असर होता है। ईएसआर और एचएस-सीआरपी टेस्ट की सहायता से बॉडी में इंफ्लेमेशन का पता चलता है। इसलिए डाइट में एंटी-इंफ्लेमेटरी फूड्स को शामिल करना चाहिए।

सादा पहनावा को बनाना है पार्टी के लिए तैयार ये ऑक्सीकृत चोकर डिजाइन बदल देंगे पूरा लुक

जब भी खूबसूरत दिखने की बात आती है, तो हम अक्सर ऐसी डिजाइन वाले आउटफिट सर्च करते हैं, जिसको वियर करके आपका लुक अट्रैक्टिव नजर आए। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे लुक काफी अच्छा लगता है। लेकिन महिलाओं को आउटफिट के साथ ज्वेलरी वियर करना भी काफी पसंद होता है। ऐसे में अगर आप भी प्लेन आउटफिट वियर कर रहीं हैं, तो आप इसके साथ ऑक्सीडाइज चोकर सेट स्टाइल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ऑक्सीडाइज्ड चोकर सेट डिजाइन आइडियाज ले सकती हैं। **हसली डिजाइन ऑक्सीडाइज्ड चोकर सेटः** आप सिंपल डिजाइन सूट के साथ हसली डिजाइन वाले चोकर सेट को कैरी कर सकती हैं। इस तरह के चोकर सेट ट्रेडिशनल के ट्रेंडी भी लगते हैं। इस नेकलेस में प्लेन वर्क भी आता है और यह वर्क में भी आते हैं।

आप अपने आउटफिट के कलर और डिजाइन के हिसाब से चूज करके वियर कर सकती हैं। जिससे कि आप बेहद खूबसूरत नजर आएं। **एंटीक ऑक्सीडाइज्ड चोकर सेटः** अपने लुक को खूबसूरत और अट्रैक्टिव बनाने के लिए आप एंटीक ऑक्सीडाइज्ड चोकर सेट कैरी कर सकती हैं। यह सेट पहनने के बाद काफी अच्छा लगता है। वहीं इसको वियर करने से आपका लुक भी काफी खूबसूरत लगेगा। इसके पेंडेंट पर एंटीक डिजाइन मिलेगा। आप इसको किसी भी प्लेन डिजाइन वाले आउटफिट के साथ वियर कर सकती हैं। आप चाहें तो इस तरह के चोकर सेट आपको किसी को गिफ्ट भी कर सकते हैं। **फ्लोरल डिजाइन ऑक्सीडाइज्ड चोकर सेटः** प्लेन आउटफिट के साथ पहनने के लिए फ्लोरल डिजाइन ऑक्सीडाइज्ड चोकर सेट अच्छा ऑप्शन है। मार्केट में इस तरह के चोकर सेट आसानी से मिल जाएंगे। इसको आप एथनिक से लेकर वेस्टर्न आउटफिट के साथ वियर करके अपने लुक को अट्रैक्टिव बना सकती हैं। **लेयर ऑक्सीडाइज चोकर सेटः** लेयर ऑक्सीडाइज चोकर सेट को कैरी करने से आप बेहद सुंदर नजर आएंगी। इस तरह के सेट पहनने पर काफी अच्छे लगते हैं। वहीं आपका लुक भी अट्रैक्टिव नजर आएगा। इस तरह के चोकर सेट आपको मार्केट में आसानी से मिल जाएंगे। आप किसी भी डिजाइन के प्लेन आउटफिट के साथ लेयर ऑक्सीडाइज्ड चोकर नेकलेस सेट स्टाइल कर सकती हैं।

कैमोमाइल टी रिंसः आपकी स्किन को देगा नेचुरल ग्लो और रिलैक्सेशन

अगर आपकी त्वचा थकी हुई, रूखी या चिड़चिड़ी लग रही है, तो उसे ताजगी और निखार देने का सबसे आसान तरीका है कैमोमाइल टी का इस्तेमाल करना। इस हर्बल टी को अच्छी नींद लेने के लिए जाना जाता है, जबकि यह आपकी स्किन के लिए भी उतनी ही फायदेमंद है। इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीबैक्टीरियल और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण आपकी स्किन को नेचुरली क्लीन और ग्लोइंग बनाते हैं। इससे ना केवल स्किन की रेडनेस कम होती है, बल्कि आपको एक्ने आदि की शिकायत का सामना भी नहीं करना पड़ता है। इतना ही नहीं, कैमोमाइल टी रिंस को बनाना भी काफी आसान है। अगर आपकी त्वचा को तुरंत फ्रेशनेस चाहिए, तो इसे टोनर या मिस्ट की तरह लगाएं। वहीं, अगर आपके चेहरे पर जलन या सूजन है, तो इसे सूदिंग कंप्रेस के रूप में इस्तेमाल करें। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप घर पर कैमोमाइल टी बनाकर अपनी स्किन का ख्याल

किस तरह रखें- कैमोमाइल टी के स्किन बेनिफिट्स क्या हैं? कैमोमाइल टी रिंस का इस्तेमाल करने से पहले आपको इसके फायदों के बारे में भी अवश्य जान लेना चाहिए- - कैमोमाइल में सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो त्वचा की लालिमा, जलन और रैशेज को शांत करने में मदद करते हैं। - इसके एंटी-बैक्टीरियल गुण मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया से लड़ते हैं, जिससे स्किन साफ और हेल्दी रहती है। - यह दाग-धब्बों को हल्का करता है और स्किन टोन को एक समान बनाकर नेचुरल ग्लो देता है। - यह एक हल्के टोनर की तरह काम करता है, जिससे त्वचा हाइड्रेट और तरोताजा बनी रहती है। - आंखों के नीचे की सूजन को कम करके त्वचा को रिलैक्स करता है। - इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स झुर्रियों और एजिंग के लक्षणों को कम करने में मदद करते हैं।

कैमोमाइल टी रिंस कैसे बनाएंः घर पर कैमोमाइल टी रिंस बनाने के लिए आपको टी बैग्स के अलावा कुछ सामग्री की जरूरत होगी। क्या-क्या चाहिए? - 2 कैमोमाइल टी बैग्स - 1 कप गर्म पानी - 1 छोटा चम्मच शहद - 1-2 बूंदें लैवेंडर या गुलाब का एसेंशियल ऑयल बनाने और इस्तेमाल करने का तरीका - सबसे पहले गर्म पानी में कैमोमाइल टी बैग्स डालकर 10-15 मिनट तक छोड़ दें। - अब इसे पूरी तरह ठंडा होने दें और फिर शहद व एसेंशियल ऑयल मिलाएं। - कॉटन पैड की मदद से चेहरे पर हल्के से लगाएं या स्प्रे बोतल में भरकर चेहरे पर स्प्रे करें। - इसे 10-15 मिनट तक चेहरे पर लगा रहने दें और फिर ठंडे पानी से धो लें। चाहें तो इसे त्वचा में खुद ही सूखने दें। - आप इसे रोज़ाना या हफ्ते में 2-3 बार टोनर की तरह या चेहरा धोने के बाद इस्तेमाल कर सकते हैं।

डीपलाइन नेक आउटफिट के साथ स्टाइल कर सकते हैं ये ज्वेलरी

इन नेकपीस में दिखेंगी आप बला की खूबसूरत

फैशन के दौर में खुद को स्टाइलिश दिखाने के लिए हम सभी कई प्रयास करते हैं। अगर आपके पास डीप नेकलाइ ड्रेस है और

आप इस लुक को बेहतरीन बनाना चाहते है, तो आप ट्रेंडी ज्वेलरी को जरुर ट्राई करें। डीप नेकलाइन ड्रेस के लिए ज्वेलरी स्टाइल करते समय, संतुलन बनाए रखते हुए नेकलाइन की सुंदरता को बढ़ाना महत्वपूर्ण है। अगर आप डीप नेकलाइन ड्रेसेज पहनना पसंद करती है, तो इसके साथ ज्वेलरी का डिजाइन और स्टाइल का खास ध्यान रखना है। **पर्ल डिजाइन नेकलेस सेटः** यदि आप डीप नेकलाइन ड्रेसेज पहनना पसंद करती हैं, तो आप वेस्टर्न आउटफिट के साथ स्लीक डिजाइन वाले पर्ल नेकलेस सेट पहन सकती है। इसमें आपको छोटे से लेकर बड़े मोती का डिजाइन मिलेगा। इस लुक को आप भी कैरी कर सकते हैं। **लेयर वाले लॉन्ग नेकलेस सेटः** अगर आप अपनी आउटफिट को बेहतरीन लुक देना चाहते है, तो आप लॉन्ग नेकलेस सेट वियर कर सकते हैं। इससे लुक भी अट्रैक्टिव दिखेगा और सब लोग आपकी तारीफ करेंगे। मार्केट में इस तरह के सेट 400 से 800 रुपये में आपको मिल जाएंगे। **सिंपल ज्वेलरीः** यदि आप अपने आउटफिट के लिए सिंपल डिजाइन वाले नेकलेस पहन सकते हैं। इसे आप बाजार या ऑनलाइन भी खरीद सकते हैं। आपको सिंपल फ्लावर पैटर्न डिजाइन वाली ज्वेलरी वियर कर सकते हैं।

अब तेज धूप से नहीं होगी टैनिंग, घर पर बनाएं सनस्क्रीन लोशन, त्वचा रहेगी खिली-खिली

गर्मियों में चिलचिलाती धूप में बाहर निकलने से त्वचा पर असर पड़ता है। सूरज किरणों से निकलने वाली अल्ट्रावायलेट किरणों से हमारी स्किन डैमेज हो सकती है। इसलिए कई लोग धूप से बचने के लिए सनस्क्रीन का प्रयोग करते हैं। गर्मियों के मौसम में लोग अपने चेहरे को कवर करते है या फिर सनस्क्रीन लोशन का यूज करते है। धूप से बचने के लिए सनस्क्रीन लोशन सबसे असरदार होता है। यह सूर्य की हानिकारण किरणों से बचाता है। इसके साथ ही टैनिंग की समस्या दूर होती है। वैसे तो मार्केट में सनस्क्रीन काफी महंगे मिलते है, इसलिए आप घर पर ही आसानी से सनस्क्रीन लोशन बना सकते है। **घर पर इस तरह से बनाएं सनस्क्रीन लोशन-सामग्रीः**- रोजमेरी ऑयल- 1/2 टेबलस्पून - सनफ्लॉवर ऑयल- 1/2 टेबलस्पून - शिया बटर- आधा टेबलस्पून - नॉन नेनो जिंक ऑक्साइड- 1 टेबलस्पून - एलोवेरा जेल- 2 टेबलस्पून **सनस्क्रीन लोशन बनाने की विधि** - सनस्क्रीन लोशन बनाने के लिए आप सबसे पहले एक कांच की बाउल में रोजमेरी ऑयल, सनफ्लावर ऑयल लें। - इसके बाद इसमें शिया बटर और नॉन नैनो जिंक ऑक्साइड मिलाएं। - सभी चीजों को अच्छे तरह मिक्स कर लीजिए और इसके बाद इसमें ऊपर से एलोवेरा जेल को मिक्स कर दीजिए।

माथे, कनपटी या पिछला हिस्सा, जानें सिर का कौन सा दर्द है सबसे खतरनाक

अक्सर कई लोग सिरदर्द की समस्या से परेशान रहते हैं। यह एक ऐसी समस्या है जिसे लोग थकान और नींद की कमी मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। कई लोग तो तेज सिरदर्द के दौरान पेन किलर खाना शुरु कर देते हैं। कभी आपने ध्यान दिया है कि सिर के किस हिस्से में दर्द हो रहा है। गौरतलब है कि सिर में अलग-अलग हिस्से में दर्द होने के अलग मायने होते हैं। कुछ मामलों में यह आपके शरीर के भीतर की किसी बड़ी समस्या का संकेत हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट मानते हैं कि सिरदर्द के अलग-अलग प्रकार और उनकी जगह के पीछे अलग-अलग कारण छिपे होते हैं। कई बार माथे में दर्द अक्सर तनाव या साइनस से संबंधित होता है, जबकि सिर के पिछले हिस्से का दर्द हाई ब्लड प्रेशर या गर्दन की मांसपेशियों में खिंचाव का इशारा करता है। कई बार माइग्रेन जैसे दर्द में सिर का सिर्फ एक हिस्सा को ही प्रभावित करते हैं। इन संकेतों को समझना इसलिए जरुरी है क्योंकि एक साधारण दिखने वाला सिरदर्द ब्रेन ट्यूमर, स्ट्रोक या गंभीर संक्रमण का शुरुआती लक्षण भी हो सकता है। दर्द की जगह और उसकी तीव्रता को पहचान कर सही समय पर डॉक्टर से सलाह लेना ही भविष्य की गंभीर न्यूरोलॉजिकल समस्याओं से बचने का एकमात्र सॉल्यूशन है। **माथे के चारों ओर का दर्द का मतलबः** तनाव सिरदर्द सबसे आम प्रकार है, जिसमें ऐसा फील होता है जैसे माथे के चारों ओर एक टाइट बैंड बांध दिया गया हो। इस तरह का दर्द आमतौर पर माथे और कनपटियों में शुरु होता है। इसके पीछे के मुख्य कारण मानसिक तनाव, नींद की कमी, आंखों पर जोर या गर्दन की मांसपेशियों में जकड़न होती है। इसका दर्द धीमा लेकिन स्थिर होता है और आमतौर पर आराम या रिलैक्सेशन तकनीकों से ठीक हो जाता है। **गालों और एक हिस्से का दर्दः** आमतौर पर आपके माथे और आंखों के बीच या गालों की हड्डियों में भारीपन और दर्द महसूस होता है, तो यह साइनस सिरदर्द हो सकता है, जो अक्सर संक्रमण या एलर्जी के कारण होता है। वहीं, माइग्रेन में सिर के किसी एक हिस्से में तेज धड़कन जैसा दर्द होता है, जिसके साथ ही जी मिचलाना और रोशनी से परेशानी हो सकती है। यह दर्द कई घंटों या दिनों तक बना रह सकता है।

सिर के पिछले हिस्सा में दर्दः अगर आपके सिर के पिछले हिस्से में दर्द होता है तो यह अक्सर सर्वाइकल स्पोंडिलोसिस या हाई ब्लड प्रेशर का संकेत होता है। इसको नजरअंदाज न करें। दरअसल, क्लस्टर सिरदर्द में दर्द एक आंख के पीछे या उसके आसपास केंद्रित होता है, जो अचानक और बेहद तीव्र हो जाता है। इसके अलावा आंख लाल होना या नाक बहने जैसे लक्षण दिखाई दें, तो नसों के असंतुलन का परिणाम हैं। **कब लें न्यूरोलॉजिस्ट की सलाह?:** ऐसे में सिरदर्द को सिर्फ थकान समझना या कई मामलों में भारी पड़ सकता है। यदि दर्द के साथ धुंधला दिखना, बोलने में लड़खड़ाहट, गर्दन में अकड़न या बेहोशी महसूस हो, तो यह इमरजेंसी की स्थिति हो सकती है। लाइफस्टाइल में सुधार, पर्याप्त पानी और समय पर नींद से अधिकांश सिरदर्द ठीक हो जाते हैं, हालांकि बार-बार होने वाले दर्द के लिए एक्सपर्ट की सलाह जरुर लें और जांच जरुर कराएं।

चेहरे की झुर्रियों को हटाने के लिए कहीं आप नहीं कर रहे इस्ट्रोजन क्रीम का इस्तेमाल

उम्र के साथ-साथ त्वचा पर झुर्रियों को बढ़ना एक आम चिंता है, जिसके कारण कई लोग युवा दिखने के लिए अलग-अलग उपचारों की तलाश करते हैं। विभिन्न त्वचा देखभाल समाधानों में से एक एस्ट्रोजन क्रीम, जो अपने संभावित एंटी-एजिंग लाभों के लिए ध्यान आकर्षित किया है। चूंकि एस्ट्रोजन त्वचा की सॉफ्ट, नमी और कोलेजन उत्पादन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए कुछ लोगों का मानना है कि एस्ट्रोजन क्रीम को त्वचा पर लगाने से झुर्रियां कम करने और त्वचा की बनावट में सुधार करने में मदद मिल सकती है। लेकिन क्या यह वास्तव में काम करता है? इस लेख में हम आपको एस्ट्रोजन क्रीम के यूज करने से क्या नुकसान होते हैं, आइए आपको बताते हैं। **एस्ट्रोजन क्रीम से जुड़ी खास बातेंः** शोध में पाया गया है कि

इस्ट्रोजन क्रीम का नियमित उपयोग त्वचा की लोच बढ़ाने, झुर्रियां कम करने और नमी बनाए रखने में मदद कर सकता है। जिन लोगों ने इस क्रीम का इस्तेमाल किया, उनकी त्वचा अधिक मुलायम और स्वस्थ दिखी। लेकिन हर किसी को यह क्रीम सूट नहीं करती। एक्सपर्ट के मुताबिक उन लोगों को यह क्रीम नहीं लगानी चाहिए, जिनका जिनका इस्ट्रोजन स्तर उम्र या किसी अन्य कारण से कम हो गया हो, जैसे कि मेनोपॉज या एंड्रोजन असंतुलन। **क्या इस्ट्रोजन क्रीम पुरुषों और महिलाओं के लिए सेफ हैः** इस क्रीम के उपयोग से फायदे तो खूब मिलते है लेकिन इसके नुकसान भी कई है। एक्सपर्ट के मुताबिक, इस क्रीम से लगाने से महिलाओं को शरीर में हामीनल असंतुलन हो सकता है, जिससे मूड स्विंग, सिरदर्द, त्वचा पर रैशेज या एलर्जी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त पुरुषों में इस क्रीम का इस्तेमाल करने से टेस्टोस्टेरोन लेवल को प्रभावित कर सकता है, जिससे थकान, मसल लॉस और अन्य हामीनल बदलाव हो सकते है। इसलिए यह क्रीम महिला और पुरुष दोनों के लिए नुकसानदायक है। **नेचुरल रुप से स्किन को जवां रखेंः** इसके अलावा आप संतुलित आहार का सेवन करें। हाइड्रेशन जरुरी है, दिनभर खूब पानी पिएं। स्किन केयर रुटीन को फॉलो करें। सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। रोजाना एक्सरसाइज करें।

गर्मियों में दमकती और फ्रेश स्किन के लिए ऐसे करें गुलाब के फूल का उपयोग,जवां रहेगी स्किन

गुलाब के फूल को कई तरह से इस्तेमाल किया जाता है। कई लोग इसका इस्तेमाल गुलकंद, शरबत और खाने की कई चीजों को बनाने के लिए करते हैं। वहीं गुलाब का इस्तेमाल स्किन केयर के लिए भी किया जाता है। बता दें कि रोज वाटर या फिर इससे बनी क्रीम और कई चीजें स्किन पर लगाने से फायदा मिलता है। वहीं गर्मियों में स्किन को ग्लोइंग और फ्रेश बनाने में गुलाब का फूल काफी फायदेमंद होता है। दरअसल, गुलाब के फूलों और गुलाब जल में ऐसे कई गुण पाए जाते हैं, जो स्किन को नमी, ताजगी और ग्लो देने का काम करता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप स्किन को ग्लोइंग बनाने के लिए गुलाब के फूल का किस तरह से इस्तेमाल कर सकते हैं। **गुलाब जलः** गुलाब जल स्किन के लिए एक नेचुरल टोनर की तरह काम करता है। गुलाब जल स्किन को ठंडक और नमी देता है और गर्मियों में इसके इस्तेमाल करने से स्किन ग्लोइंग और सॉफ्ट रहती है। गुलाब जल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण और एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। जो स्किन की जलन और रैशेज को खत्म करने में मदद करते है। **फेस पैकः** गुलाब से फेस पैक बनाने के लिए इसकी पंखुड़ियों को पानी से साफ कर लें। इसके बाद 3-4 घंटे के लिए इन पंखुड़ियों को भिगोकर रख दें। अब इनको पीस लें और उसमें दो चम्मच शहद और एक चम्मच मिलाकर पेस्ट बना लें। फिर इसको फेस पर 25-30 मिनट के लिए अप्लाई करें। अब चेहरे को पानी से धो लें। आप इसका उपयोग सप्ताह में दो बार कर सकते हैं। इससे आपकी स्किन ग्लोइंग होगी। **स्क्रबः** स्क्रब बनाने के लिए गुलाब की पंखुड़ियों को धो लें और इसमें 4 चम्मच बेस और जरूरत के हिसाब से दूध मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इसको अपने फेस पर हल्के हाथों से स्क्रब करें और 3-4 मिनट पहले फेस को पानी से साफ कर लें। आप चाहें तो इसको फेस पैक की तरह अप्लाई कर सकते हैं। इससे डेड स्किन सेल्स हट जाएगी और आपकी स्किन ग्लो करेगी। **गुलाब का तेलः** बता दें कि गुलाब का तेल भी त्वचा के लिए काफी फायदेमंद होता है। यह स्किन को मॉइस्चराइज करने के साथ नमी बनाए रखता है।

क्या आपके बाल भी मेहंदी लगाने के बाद ड्राई हो जाते है? इन टिप्स को करें ट्राई

हर कोई अपने बालों की केयर जरुर करता है। मेहंदी जिसे हिना के नाम से भी जाना जाता है, इसका इस्तेमाल सदियों से प्राकृतिक हेयर डाई और कंडीशनर के रूप में किया जाता रहा है। ज्यादातर महिलाएं अपने बालों की केयर करने के लिए मेहंदी जरुर लगाती है। मेहंदी अपने ठंडक देने वाले गुणों, बालों को मजबूत और पोषण देने के साथ-साथ हेयर्स को एक समृद्ध, प्राकृतिक रंग देने की क्षमता के लिए जानी जाती है। लोग अपने बालों पर मेहंदी न केवल एक सुंदर लाल-भूरे रंग की टिंट पाने के लिए लगाते है, बल्कि स्कैल्प के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने, रूसी को कम करने और बालों की बनावट को बेहतर बनाने के लिए भी लगाते है। लेकिन कई बार महिलाओं की ये शिकायत रहती है कि मेहंदी लगाने के बाद बाल बहुत ज्यादा ड्राई हो जाते है और बीच से टूटने लगते है। ऐसे में आप मेहंदी लगाते समय कुछ तरीकों

को जरुर अपना सकते है।**इस तरह से तैयार करें मेहंदी का घोलः** मेहंदी का पेस्ट बनाने के दौरान आप इसमें मॉइस्चराइजिंग सामग्री मिलाएं। यह आपके बालों को मॉइस्चराइज करने में मदद करता। आप नारियल का दूध, जैतून का तेल या एलोवेरा जैसी चीजों को मिला सकते है। फिर आप इस पेस्ट को लगा सकते है।**मेंहदी लगाने से पहले बालों में तेल लगाएंः** यदि आप बालों में मेहंदी लगाना पसंद करती है, लेकिन इसके बाद आपके हेयर्स ड्राई हो जाते है, तो आप मेहंदी लगाने से पहले बालों में हल्का-सा जैतून, नारियल या आर्गन तेल का बालों में लगा सकती है। **मेहंदी लगाने के बाद बालों को कवर करेंः** जब आप मेहंदी का पेस्ट बालों में लगा लें तो उसे ढकें जरुर। ऐसा करने से पेस्ट नम रखने और सूखने से बचाने में मदद मिलती है। इसके लिए आप अपने बालों को प्लास्टिक रैप या शॉवर कैप में लपेटें।

कंगना रनौत के हाथ लगा बड़ा प्रोजेक्ट, निर्माता संदीप सिंह नई फिल्म के लिए साथ आये दोनों

मुंबई। अभिनेत्री-निर्देशक-निर्माता कंगना रनौत, जो अपनी आगामी निर्देशित फिल्म 'इमरजेंसी' की रिलीज के लिए तैयार हैं, ने साझा किया है कि फिल्म पर काम करने से उन्हें आधुनिक भारतीय इतिहास की गहरी समझ मिली है। 'इमरजेंसी', जिसमें कंगना पूर्व भारतीय प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाती हैं, 1975 में गांधी द्वारा घोषित आपातकाल की घटनाओं का अनुसरण करती है, जिसे सबसे काले दौर में से एक माना जाता है। कंगना रनौत ने कई बार कहा है कि सुशांत सिंह राजपूद की मौत के बाद जिस तरह से उन्होंने बॉलीवुड के माफियों का काला चिट्ठा खोला है उसके बाद बहुत कम लोग है जो उनके साथ काम करना चाहते हैं। कंगना के पास फिल्में भी ज्यादा नहीं हैं लेकिन अब उनके हाथ एक फिल्म लगी हैं। अभिनेत्री कंगना रनौत और फिल्म निर्माता संदीप सिंह जल्द ही एकसाथ एक नई फिल्म पर काम शुरू करने जा रहे हैं। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस फिल्म की शूटिंग अगले साल के शुरु में आरंभ होने की उम्मीद है।फिल्म निर्माता जल्द ही इसके निर्देशक और फिल्म के नाम की घोषणा करेंगे। 'फैशन', 'तनु वेड्स मनु', 'क्वीन' और 'पंगा' जैसी फिल्मों में अभिनय कर चुकी कंगना ने कहा कि यह फिल्म ''उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्म होगी।''कंगना (36) ने एक बयान में कहा,'' संदीप और मैं 13 साल से अधिक समय से दोस्त हैं और काफी समय से साथ में फिल्म करना चाहते थे। अब जब हमें सही विषय और किरदार मिल गया है तो हम इस पर काम करने को तैयार हैं। यह मेरे करियर की सबसे बड़ी फिल्म होगी...अन्य जानकारियां जल्द साझा की जाएंगी।'' 'मैरी कॉम', 'अलीगढ़', 'सरबजीत' और 'झुंड' जैसी फिल्मों का निर्माण कर चुके सिंह ने कहा कि कंगना रनौत के साथ काम करने का मौका मिलना सपना पूरा होने जैसा है। सिंह ने कहा, '' मैंने उन्हें पहले जिन फिल्मों का प्रस्ताव दिया, वे अभिनेत्री के तौर पर उनकी क्षमताओं के साथ न्याय नहीं करती थीं। इसलिए, मैंने सही फिल्म का इंतजार किया। कंगना की अभिनय की क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए एक अच्छी पटकथा ढूंढना चुनौती थी। अब चूंकि मुझे एक महत्वपूर्ण विषय मिला है जिसके साथ केवल वह ही न्याय कर सकती हैं, तो मैंने तुरंत उनसे संपर्क किया।'' उन्होंने कहा, '' इस बार वह मना नहीं कर सकीं। इस फिल्म और किरदार को बेहद सम्मान मिलेगा और इसे याद रखा जाएगा। इसे दुनिया भर में हर भारतीय द्वारा पसंद किया जाएगा। '' कंगना रानौत की आने वाली फिल्म 'इमरजेंसी' है, जो 24 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म में अभिनय करने के साथ-साथ कंगना ने इसका निर्देशन भी किया है।

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा का क्यों हुआ ब्रेकअप, सामने आई असली वजह?

मुम्बई। तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा ने अपनी दमदार एक्टिंग के जरिए फिल्मों में जबरदस्त प्रदर्शन करके ऑडियंस का दिल जीत लिया है। जब से कपल ने पुष्टि की है कि वे डेटिंग कर रहे हैं, तब से उनका रिश्ता भी सुखियों में है। हालांकि, अब रिपोर्टों में दावा किया जा रहा है कि कुछ सालों की डेटिंग के बाद दोनों अलग हो गए हैं। तमनन और विजय के रिश्ते ने पहली बार 2023 में सुखियां बटोरीं और दोनों की एक-साथ सार्वजनिक उपस्थिति। तमनन ने इंटरव्यू में विजय के बारे में खुलकर बात की थी और विजय को एक सहायक और अद्भुत व्यक्ति बताया था। लेकिन अब कपल के ब्रेकअप ने उनके फैंस को दुखी कर दिया है। ब्रेकअप की खबरों के बीच तमनन ने एक रीसेंट इंटरव्यू में प्यार को लेकर बोला है। ल्यूक कॉटिन्हो के पॉडकास्ट पर तमनन बोलीं, मुझे हाल ही में एहसास हुआ कि लोग प्यार और रिलेशनशिप में कन्फ्यूज हो जाते हैं। ऐसा केवल औरत-मर्द के रिश्ते में नहीं बल्कि दोस्तों में होता है। जैसे ही प्यार कंडीशनल बनता है, मुझे लगता है कि प्यार वहीं से खत्म हो गया। प्यार बस अनकंडीशनल होना चाहिए। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि,

'प्यार हमेशा एक तरफा होता है। दो लोग अलग-अलग एक-दूसरे को प्यार कर सकते हैं लेकिन ये एकतरफा काम है। ये आपका प्यार है। अगर मैं किसी को प्यार करती हैं तो मुझे उन्हें फ्री छोड़ देना चाहिए। मुझे नहीं लगता है कि आप अपने विचार किसी पर थोप सकते हैं। वो जो हैं, आप उन्हीं उसी से प्यार करते हैं और वो आगे चलकर जो बनने वाले हैं क्योंकि लोग एक से नहीं रहते।'अभी तक कपल ने इस पर कोई ऑफिशियल बयान नहीं दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक तमनन जल्दी शादी करना चाहती थीं। विजय और कुछ समय लेना चाहते थे। यही कारण झगड़े का कारण बन गया। दोनों अलग हो गए। लेकिन अभी तक दोनों में किसी ने भी कोई भी पुष्टि नहीं की है।

बहुत दुख होता है, वडोदरा में हुए सड़क हादसे पर जान्हवी कपूर ने क्या कहा

मुम्बई। अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने पिछले सप्ताह वडोदरा में हुए चौकाने वाले सड़क हादसे पर टिप्पणी की है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपने विचार साझा किए हैं। अभिनेत्री ने हादसे पर गुस्सा जाहिर किया है। सुबह गुजरात के वडोदरा शहर में एक 20 वर्षीय लॉ स्टूडेंट रक्षित चौरसिया द्वारा चलाई जा रही तेज रफ्तार कार ने उनके दोपहिया वाहनों को टक्कर मार दी, जिसमें एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए थे। जान्हवी ने वडोदरा में हुए चौकाने वाले सड़क हादसे का एक वीडियो फिर से साझा किया और लिखा, 'यह भयावह और क्रोधित करने वाला है। मुझे इस बात से बहुत दुख होता है कि कोई भी व्यक्ति इस तरह का व्यवहार करने के बारे में सोच सकता है। चाहे वह नशे में हो या नहीं।' जान्हवी को आखिरी बार जूनियर एनटीआर के साथ तेलुगु हिट देवरा में देखा गया था। उनकी अगली दो फ़िल्में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ परन सुंदरी और वरुण धवन और सान्या मल्होत्रा के साथ सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी होंगी। तुषार जलोटा द्वारा निर्देशित यह रोमांटिक-कॉमेडी 25 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

केदारनाथ और महाकाल जैसे बड़े हिंदू मंदिर क्यों जाती हैं सारा अली खान....? एक्ट्रेस ने पहली बार खुल कर की अपने धर्म पर बात

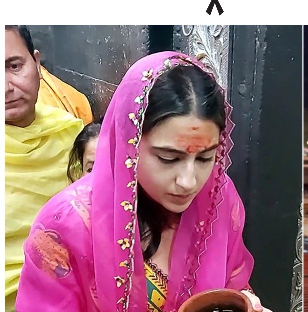

मुम्बई। सारा अली खान एक ऐसी एक्ट्रेस हैं जिसे कुछ मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा पसंद नहीं किया जाता हैं। वह सैफ अली खान की बेटी हैं लेकिन वह मंदिर जाती हैं और हर धर्म का सम्मान भी करती हैं। इस लिए कई बार वह ट्रोलर्स के निशाने पर रहती हैं। सारा अली खान और केदारनाथ जाने का उनका शौक उनके प्रशंसकों और दर्शकों के लिए कोई रहस्य नहीं है। हालाँकि उन्हें 'एक मुस्लिम होने के नाते हिंदी धार्मिक स्थल पर जाने' के लिए नफरत का सामना करना पड़ा है, लेकिन अभिनेत्री ने नकारात्मक शोर को अनदेखा करना सीख लिया है। हाल ही में एक बातचीत में, स्काई फोर्स स्टार ने कहा कि उनकी माँ ने उन्हें धर्म या जाति के बजाय खुद को एक भारतीय के रूप में पहचानना सिखाया।

सारा ने कहा कि उन्होंने शोरगुल से बचना सीख लिया है। उन्होंने कहा कि वह काफी छोटी थीं जब उनकी मां ने उन्हें खुद को किसी धर्म या जाति से जोड़ने के बजाय एक भारतीय के रूप में पहचानना सिखाया था। टाइम्स नाउ समिट 2025 में सारा ने कहा, 'मैं बहुत छोटी थी, स्कूल में पढ़ती थी और जब मेरे माता-पिता की शादी हुई थी और हम साथ में विदेश में रहते थे, तब भी मैं हमेशा सोचती थी... अमृता सिंह, सैफ पटौदी, सारा सुल्ताना, इब्राहिम अली खान, क्या चल रहा है? हम कौन हैं? और मुझे याद है कि मैंने अपनी माँ से पूछा था, मैं क्या हूँ? और उन्होंने मुझसे कहा, तुम भारतीय हो। और मैं इसे कभी नहीं भूलूँगी।'

जब उनसे उनकी माँ की सिख पृष्ठभूमि और उनके पिता के मुस्लिम धर्म के बारे में पूछा गया, तो सारा अली खान ने कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है। उन्होंने कहा 'हम एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र हैं और मुझे लगता है कि ये सभी अवधारणाएँ, ये सभी सीमाएँ लोगों द्वारा बनाई और हेरफेर की जाती हैं और मैं उनका पालन नहीं करती। मैं इसे उतना महत्व नहीं देती जितना दूसरा व्यक्ति देता है,' उन्होंने कहा और कहा कि जबकि ट्रोल उन्हें परेशान करते हैं, उन्होंने नकारात्मकता को अनदेखा करना सीख लिया है। उन्होंने कहा, 'दूसरों के सोचने के तरीके को बदलना मूर्खतापूर्ण काम है। मुझे इस पर ध्यान नहीं देना चाहिए।'

केदारनाथ की अपनी यात्रा के बारे में बात करते हुए सारा ने कहा कि यह उनकी निजी पसंद है। उन्होंने कहा, 'केदारनाथ की मेरी निजी यात्रा, जो भी इसे पसंद करता है, जो भी इसे नापसंद करता है, उसके प्रति पूरे सम्मान के साथ, यह आप में से किसी के बारे में नहीं है। यह मेरे बारे में है। और मैं वहां सहज महसूस करती हूं, मैं वहां शांति महसूस करती हूं, मैं वहां खुश महसूस करती हूं।'

दिशा पटानी का लीक हुआ डिनर डेट वीडियो वायरल, नेटिज़ेंस ने इसे 'पीआर स्टंट' बताया

मुम्बई। दिशा पटानी अपनी खूबसूरती के साथ साथ अपनी फिटनेस के लिए भी जानी जाती हैं। टाइगर श्रॉफ के साथ रिलेशनशिप खत्म होने के बाद से ही एक्ट्रेस लाइमलाइट में कम ही दिखी। वह सोशल मीडिया पर अपडेट रहती थी। लेकिन हाल ही में उन्होंने आईपीएल 2025 के उद्घाटन समारोह में अपनी शानदार प्रस्तुति से सभी को चौंका दिया। लोगों ने उनकी खूब तारीफ की। एक बार वह फिर से चर्चा में हैं, क्योंकि उनका डिनर डेट का लीक हुआ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। दिशा का एक वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें वह आरामदेह डिनर डेट का आनंद ले रही हैं और नेटिज़न्स यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि वह किसके साथ थीं। अब वायरल हो रहे क्लिप में दिशा किसी रेस्टोरेंट में किसी के साथ खुशी-खुशी बातें करती और हंसती हुई दिखाई दे रही हैं। वीडियो दिशा पर केंद्रित है और उनके डिनर साथी की पहचान अभी भी एक रहस्य है। वीडियो ने ऑनलाइन बहस को जन्म दिया है और ग्रू उपयोगकर्ता सवाल कर रहे हैं कि क्या वीडियो असली था या ईं द्वारा तैयार किया गया था। एक उपयोगकर्ता ने लिखा, 'यह स्क्रिप्टेड लगता है', और दूसरे ने कहा, 'वे यह दिखाने के लिए कैमरा क्यों नहीं घुमाते कि वह किसके साथ हैं?' कुछ उपयोगकर्ताओं ने कहा कि वीडियो के रिलीज़ होने का समय उनके आईपीएल में आने के ठीक बाद आया और यह महज संयोग नहीं हो सकता। कुछ लोगों ने दिशा की स्पष्ट रूप से जागरूकता की कमी को भी देखा, जबकि कैमरे ने उन्हें करीब से कैद किया था। दिशा पहले टाइगर श्रॉफ के साथ रिलेशनशिप में थीं और दोनों ने ऑन और ऑफ-स्क्रीन अपनी केमिस्ट्री से खूब सुखियां बटोरीं। बाद में उनका नाम मॉडल और फिटनेस के दीवाने एलेक्जेंडर एलेक इलिक के साथ जोड़ा गया। दोनों को स्टाइलिस्ट मोहित राय की बर्थडे पार्टी में साथ देखा गया। वैसे, सेलिब्रिटी लगातार लोगों की नजरों में रहते हैं और उनके वायरल पल या तो असली होते हैं या फिर नकली। लेकिन, यह स्पष्ट नहीं है कि दिशा का वीडियो कैंडिड मोमेंट था या पीआर स्ट्रैटेजी। लेकिन, प्रशंसक यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि वह किसके साथ हैं।

निरहुआ-आम्रपाली की फिर दिखी हिट केमिस्ट्री कलाकंद फिल्म का शानदार गाना रिलीज

मुम्बई। भोजपुरी फिल्मों की बात करें तो दिनेश लाल यादव निरहुआ और आम्रपाली दुबे की जोड़ी को खूब पसंद किया जाता है। इन दोनों की फिल्मों जबरदस्त सफलता भी मिलती है। इन सबके बीच दिनेश लाल यादव और आम्रपाली दुबे अपनी एक नई फिल्म के लिए सुर्खियों में है। इस फिल्म का नाम है कलाकंद। इस फिल्म से जुड़ी कई जानकारियां सामने आ चुकी हैं। इसी कड़ी में इस फिल्म का बेहद ही रोमांटिक गाना रिलीज किया जा चुका है। इस गाने को लोगों द्वारा खूब पसंद किया जा रहा है। इस गाने में निरहुआ और आम्रपाली बेहद खूबसूरत लग रहे हैं। कलाकंद फिल्म के गाने का बोल हैं 'नजरिया नजरिया से मिलल बा जबसे, मनवा व्याकुल भईल बा तब से।' यह गाना काफी रोमांटिक है। गाने के बोल शानदार हैं। इसे तरुण पांडे ने लिखा है। वहीं इसके संगीतकार आर्यन शर्मा हैं। इस गाने को शुगम सिंह और शिल्पी राज ने गाया है। गाने को शानदार तरीके से फिल्माया भी गया है। निरहुआ ने गाने में जहां ब्लैक शर्ट और ब्लू जींस पहने हैं तो वहीं आम्रपाली दुबे ब्लैक साड़ी में कहर ढाती दिखाई दे रही हैं। कलाकंद को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सर्टिफिकेशन से यूए सर्टिफिकेट मिला है। इसका मतलब साफ है कि आप इस मूवी को अपने परिवार के साथ देख सकते हैं। भाजपा सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ साफ-सुथरी मूवी बनाने के लिए जाने जाते हैं। वर्ल्ड वाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलिज किया जा चुका है। लोग जबरदस्त तरीके से इसे पसंद भी कर रहे हैं। फिल्म को लव ट्रायंगल बताया जा रहा है जिसमें कॉमेडी, रोमांस और प्यार मोहब्बत का तड़का देखने को मिलेगा। फिल्म पूरी तरीके से मनोरंजन से भरपूर है। फिल्म के निर्माता रत्नाकर कुमार है जबकि लेखक निर्देशक संतोष मिश्रा हैं।

दक्षिण की फिल्म यहां अच्छा प्रदर्शन करती हैं, लेकिन उनके दर्शक हमारी फिल्म नहीं देखते : सलमान खान

मुम्बई। बॉलीवुड स्टार सलमान खान का कहना है कि रजनीकांत, चिरंजीवी, सूर्या और राम चरण जैसे सितारों की फिल्में हिंदी भाषी क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन करती हैं, लेकिन दक्षिण क्षेत्र के दर्शक बॉलीवुड फिल्म और इसके सितारों को सिनेमाघरों में नहीं देखते हैं। अभिनेता ने कहा कि दक्षिण में उनके प्रशंसक हैं, जो उन्हें 'भाई' के उपनाम से बुलाते हैं, लेकिन वे हिंदी फिल्मों को देखने के लिए सिनेमाघरों तक नहीं आते हैं। खान ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, ''जब मेरी फिल्म वहां रिलीज होगी, तो उसे ज्यादा नंबर नहीं मिलेंगे, क्योंकि उनके (गैर हिंदी फिल्मों के सितारों के) प्रशंसकों की संख्या बहुत ज्यादा है। मैं सड़क पर रहूंगा और वे कहेंगे, 'भाई, भाई', लेकिन वे सिनेमाघरों में नहीं जाएंगे। हमने उन्हें (दक्षिण के सितारों को) यहां स्वीकार किया है और उनकी फिल्में अच्छा प्रदर्शन करती हैं, क्योंकि हम उन्हें देखने जाते है, जैसे कि रजनीकांत गारू या चिरंजीवी गारू या सूर्या या राम चरण। लेकिन उनके प्रशंसक हमारी फिल्में देखने नहीं जाते।'' सलमान (59) ने पूर्व में प्रभु देवा जैसे दक्षिण के निर्देशकों के साथ काम किया है और ए आर मुरुगादॉस के साथ उनकी आगामी फिल्म 'सिकंदर' ईद पर रिलीज होगी। वह अगली बार एटली के साथ काम करेंगे, जिन्होंने शाहरुख खान की 'जवान' के साथ हिंदी सिनेमा में अपनी शुरुआत की थी।

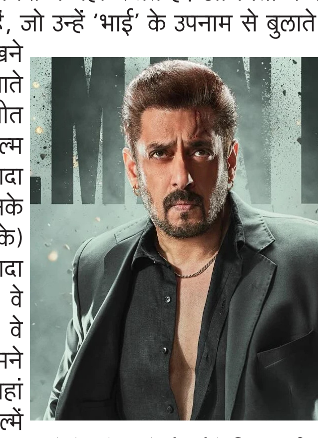

'मोहनलाल की फिल्म ने गुजरात दंगों के 'असली एजेंडे' को उजागर किया'?

मुम्बई। पृथ्वीराज सुकुमारन द्वारा निर्देशित मोहनलाल अभिनीत नई मलयालम फिल्म एल2ः एम्पुरान एक गरमागरम राजनीतिक बहस का केंद्र बन गई है। इसे भले ही एक बड़े एक्शन के रूप में प्रस्तुत किया गया हो, लेकिन मोहनलाल अभिनीत, पृथ्वीराज सुकुमारन द्वारा निर्देशित, बहुचर्चित एल2ः एम्पुरान में मजबूत राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। फिल्म की शुरुआत 2002 के गुजरात दंगों को दर्शाने वाले एक लंबे दृश्य से होती है और इसमें एक अपराधी को मुख्य प्रतिपक्षी के रूप में दिखाया गया है। संवेदनशील मुद्दे के चित्रण ने केरल में राजनीतिक विवाद को जन्म दिया है, जिसमें दक्षिणपंथी मोहनलाल और पृथ्वीराज पर हमला कर रहे हैं, जबकि कांग्रेस और वामपंथी फिल्म के समर्थन में अपना समर्थन दे रहे हैं। यह फिल्म अप्रत्यक्ष रूप से गुजरात दंगों से संबंधित घटनाओं को दर्शाती है, जिसमें सुकुमारन द्वारा निभाए गए चरित्र जायद मसूद की पिछली कहानी पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जिसमें मसूद सहित हिंदुत्व कार्यकर्ताओं द्वारा कई मुस्लिम परिवारों की क्रूर हत्या को दर्शाया गया है। यह फिल्म सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा केंद्रीय एजेंसियों के कथित दुरुपयोग की भी आलोचनात्मक जांच करती है।

केरल कांग्रेस के सोशल मीडिया हैंडल ने कहा कि यह फिल्म केरल को विभाजित करने और इसके रणनीतिक तटरेखा और बंदरगाहों पर नियंत्रण हासिल करने के 'संघ के एजेंडे' को उजागर करती है। हालांकि, केरल कांग्रेस के सोशल मीडिया प्रभारी वीटी बलराम ने कहा कि उन्होंने एम्पुरान नहीं देखी है, और कहाः 'मुझे नहीं पता कि यह कैसी है। लेकिन मुझे लगता है कि कुछ लोगों को यह पसंद नहीं आई है।' पलक्कड़ कांग्रेस विधायक राहुल ममकूथिल ने एक भावुक फेसबुक पोस्ट में फिल्म का बचाव किया, अन्य विवादास्पद फिल्म 'द केरल स्टोरी' के साथ समानताएं बताते हुए, और 'संघ परिवार की नफरत की फैक्ट्री' की आलोचना की। उन्होंने फिल्म की तकनीकी प्रतिभा और इसके कलाकारों के असाधारण अभिनय पर जोर दिया। पूर्व सीपीआईएम सचिव कोडियेरी बालाकृष्णन के बेटे बिनीश कोडियेरी ने भी फिल्म की प्रशंसा की। कोडियेरी, जो केरल क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त सचिव भी हैं, ने कहाः 'आज के भारत में, अगर एक बड़े बजट की फिल्म यह कह रही है कि संघ परिवार गुजरात में दंगे भड़काकर देश पर शासन कर रहा है, तो इसके लिए बहुत साहस की आवश्यकता होती है।' भाजपा के राज्य सचिव एस सुरेश ने कहा, 'एम्पुरान फिल्म कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है। केरल भाजपा इसमें हस्तक्षेप नहीं करेगी। फिल्म प्रेमियों को फिल्म देखने और उसका समर्थन या आलोचना करने की स्वतंत्रता है। सनातन धर्म समेत कुछ दक्षिणपंथी मीडिया हैंडल ने फिल्म को 'हिंदू विरोधी' करार देते हुए कहा है कि पृथ्वीराज ने ऐसी फिल्म बनाकर मोहनलाल और उनके प्रशंसकों को धोखा दिया है। हालांकि, भाजपा की राज्य इकाई ने विवाद से खुद को अलग रखते हुए कहा कि दर्शक फिल्म देखने के बाद अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं। भाजपा के राज्य महासचिव पी सुधीर ने कहा कि पार्टी फिल्म के खिलाफ कोई अभियान नहीं चला रही है।

हिन्दी फ़िल्म जगत की प्रसिद्ध अभिनेत्री और नृत्यांगना हेमा मालिन

मुम्बई। हेमा मालिनी हिन्दी फ़िल्म जगत की प्रसिद्ध अभिनेत्री हैं। उन्होंने अपने फ़िल्मी करियर की शुरुआत राज कपूर के साथ फ़िल्म सपनों का सौदागर से की। 1981 में हेमा ने अभिनेता धर्मेन्द्र से विवाह किया। वह अब भी फ़िल्मों में सक्रिय हैं। वह भारतीय जनता पार्टी के सहयोग से राज्यसभा की सांसद चुनी गईं। प्रसिद्ध अभिनेत्री और नृत्यांगना हेमा मालिनी बालीवुड की उन गिनी, चुनी अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जिनमें सौंदर्य और अभिनय का अनूठा संगम देखने को मिलता है। लगभग चार दशक के करियर में उन्होंने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया लेकिन कैरियर के शुरुआती दौर में उन्हें वह दिन भी देखने पड़े थे, जब एक निर्माता-निर्देशक ने उन्हें यहां तक कह दिया था कि उनमें स्टार अपील नहीं है। ड्रीमगर्ल, हेमा मालिनी ने जब फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा ही था तब एक तमिल निर्देशक श्रीधर ने उन्हें अपनी फिल्म में काम देने से यह कहते हुए इन्कार कर दिया कि उनमें स्टार अपील नहीं है। बाद में 70 के दशक में इसी निर्माता-निर्देशक ने उनकी लोकप्रियता को भुनाने के लिए उन्हें लेकर 1973 में गहरी चाल फिल्म का निर्माण किया। हेमा मालिनी फिल्म इंडस्ट्री में जगह बनाने के लिए 1968 तक संघर्ष करती रहीं लेकिन उन्हें काम नहीं मिला। वह साल उनके सिने करियर का सुनहरा वर्ष साबित हुआ जब उन्हें सुप्रसिद्ध निर्माता-निर्देशक और अभिनेता राजकपूर की फिल्म सपनों का सौदागर में पहली बार नायिका के रूप में काम करने का मौका मिला। फिल्म के प्रचार के दौरान हेमा मालिनी को ड्रीम गर्ल के रूप में प्रचारित किया गया। उन्हें पहला बड़ा ब्रेक उनकी ही फिल्म अंदाज 1971 से मिला। इसे महज संयोग कहा जाएगा कि निर्देशक के रूप में रमेश सिप्पी की यह पहली फिल्म थी। इस फिल्म में हेमा मालिनी ने राजेश खन्ना की प्रेमिका की भूमिका निभाई जो उनकी मौत के बाद नितांत अकेली हो जाती है। अपने इस किरदार को हेमा मालिनी ने इतनी संजीदगी से निभाया कि दर्शक उस भूमिका को आज भी भूल नही पाए हैं। वर्ष 1972 में हेमा मालिनी को रमेश सिप्पी की ही फिल्म सीता और गीता में काम करने का अवसर मिला जो उनके सिने करियर के लिए मील का पत्थर साबित हुई। उन्हें इस फिल्म में दमदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। रमेश सिप्पी निर्देशित फिल्म सीता और गीता में जुड़वाँ बहनों की कहानी थी जिनमें एक बहन ग्रामीण परिवेश में पली बढ़ी है और डरी सहमी रहती है जबकि दूसरी तेज तर्रार युवती होती है। हेमा मालिनी के लिए यह किरदार काफी चुनौती भरा था लेकिन उन्होंने अपने सहज अभिनय से न सिर्फ इसे अमर बना दिया बल्कि भविष्य की पीढ़ी की अभिनेत्रियों के लिए इसे उदाहरण के रूप में पेश किया। हेमा मालिनी सीता और गीता से फिल्म इंडस्ट्री में शोहरत की

बुलंदियों पर पहुंची लेकिन दिलचस्प बात यह है कि फिल्म के निर्माण के समय निर्देशक रमेश सिप्पी नायिका की भूमिका के लिए मुमताज का चयन करना चाहते थे लेकिन किसी कारण से वह यह फिल्म नहीं कर सकी। यह फिल्मी जोड़ी सबसे पहले फिल्म शराफत से चर्चा में आई। वर्ष 1975 में प्रदर्शित फिल्म शोले में धर्मेन्द्र ने वीरु और हेमा मालिनी ने बसंती की भूमिका में दर्शकों का भरपूर मनोंरजन किया। हेमा और धमेन्द्र की यह जोड़ी इतनी अधिक पसंद की गई कि धर्मेन्द्र की रील लाइफ की ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी उनकी रीयल लाइफ ड्रीम गर्ल बन गईं। बाद में इस जोड़ी ने ड्रीम गर्ल चरस, आसपास, प्रतिज्ञा, राजा जानी, रजिया सुल्तान, अली बाबा चालीस चोर, बगावत, आतंक, द बर्निंग ट्रेन और दोस्त आदि फिल्मों में एक साथ काम किया। वर्ष 1975 हेमा मालिनी के सिने कैरियर का अहम पड़ाव साबित हुआ। उस वर्ष उनकी संन्यासी, धर्मात्मा, खूशबू और प्रतिज्ञा जैसी सुपरहिट फिल्में प्रदर्शित हुईं। उसी वर्ष हेमा मालिनी को अपने प्रिय निर्देशक रमेश सिप्पी की फिल्म शोले में काम करने का मौका मिला। फिल्म में हेमा मालिनी के संवाद उन दिनों दर्शकों की जुबान पर चढ़ गए और आज भी सिने प्रेमी उन संवादों की चर्चा करते हैं। सत्तर के दशक में हेमा मालिनी पर आरोप लगने लगे कि वह केवल ग्लैमर वाले किरदार ही निभा सकती है लेकिन उन्होंने खुशबू (1975), किनारा (1977) और मीरा (1979) जैसी फिल्मों में संजीदा किरदार निभाकर अपने आलोचकों का मुंह हमेशा के लिए बंद कर दिया। इस दौरान हेमा मालिनी के सौंदर्य और अभिनय का जलवा छाया हुआ था। इसी को देखते हुए निर्माता प्रमोद चक्रवर्ती ने उन्हें लेकर फिल्म ड्रीम गर्ल का निर्माण कर दिया। वर्ष 1990 में हेमा मालिनी ने छोटे पर्दे की ओर भी रूख किया और धारावाहिक नुपूर का निर्देशन भी किया। इसके बाद वर्ष 1992 में फिल्म अभिनेता शाहरूख खान को लेकर उन्होंने फिल्म दिल आशना है का निर्माण और निर्देशन किया। वर्ष 1995 में उन्होंने छोटे पर्दे के लिए मोहिनी का निर्माण और निर्देशन किया। फिल्मों में कई भूमिकाएं निभाने के बाद हेमा मालिनी ने समाज सेवा के लिए राजनीति में प्रवेश किया और भारतीय जनता पार्टी के सहयोग से राज्य सभा की सदस्य बनीं। हेमा मालिनी को फिल्मों में उल्लेखनीय योगदान के लिए 1999 में फिल्मफेयर का लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया था। हेमा मालिनी ने अपने चार दशक के सिने कैरियिर में लगभग 150 फिल्मों में काम किया। उनकी कुछ उल्लेखनीय फिल्में हैंः सीता और गीता (1972), प्रेम नगर, अमीर गरीब (1974), शोले (1975), महबूबा, चरस (1976), ड्रीम गर्ल, किनारा (1977), त्रिशूल (1978), मीरा (1979), कुदरत, नसीब, क्रांति (1980), अंधा कानून, रजिया सुल्तान (1983), रिहाई (1988), जमाई राजा (1990), बागबान (2003), वीर जारा (2004), बाबुल (2006) आदि।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।